हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

राजधानी रायपुर के युवाओं में दिखा जोश
जयस्तंभ चौक पर उमड़ी क्रिकेट प्रेमियों की भीड़

17 साल इंतजार, फिर लगातार दो ट्रॉफी, गुजरात को पांच विकेट से हराया

आरसीबी
161/5 (18)
जीटी
155/8(20)

प्लेयर ऑफ द मैच
विराट कोहली
75 रन नाबाद
42 गेंद
9 चौके
03 छक्के

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114621/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152813/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels Pandri, Raipur
*Conditions apply

कोहली के दम पर लगातार दूसरी बार आरसीबी चैंपियन

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के फाइनल में किंग कोहली के दम पर गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। गुजरात के लिए वाशिंगटन सुंदर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत संतुलित रही। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए अर्धशतक लगाया और टीम की जीत की नींव रखी। आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट खोकर 161 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लगातार दूसरी बार जीता खिताब

आरसीबी ने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतकर 18 साल के इंतजार को खत्म किया था। इसके बाद 2026 में लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी बादशाहत कायम रखी। आईपीएल इतिहास में यह आरसीबी का दूसरा खिताब है।

वैभव के नाम रही ऑरेंज कैप- 779 रन प्राइज मनी- 10 लाख रुपए

रबडा के नाम रही पर्पल कैप- 29 विकेट प्राइज मनी- 10 लाख रुपए

करोड़ों की प्राइज मनी

- ट्रॉफी जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 20 करोड़ रुपए की प्राइज मनी
- फाइनल में हारने वाली गुजरात टाइटंस को भी मिले 13 करोड़ रुपए
- सनराइजर्स हैदराबाद टेबल में तीसरे पायदान पर रही, उसे 7 करोड़ रुपए मिले
- चौथे पायदान की राजस्थान को 6.5 करोड़ रुपए की रकम मिली

चंबा जाते वक्त कार खाई में गिरी, बेंगलूर में रहते थे मृतक

हिमाचल में भिलाई के एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

- मृतक के पिता व परिवार भिलाई निवासी
- खबर लगने पर परिजन रवाना हुए

हादसे में पूरा परिवार 'विदा', मां-बाप समेत दो बच्चों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हिमाचल प्रदेश में एक सड़क हादसे में भिलाई निवासी एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतक बैंगलोर में काम करता था। वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ घूमने के लिए गया था। शुक्रवार की रात इनोवा कार में बर्फ बारी देखने के लिए चंबा के लिए निकले थे कि रास्ते में इनोवा कार अचानक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई, जिससे मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी लगने पर परिजन हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक हादसा हिमाचल ▶▶|शेष पेज 7 पर

ह्यूमेन चेन बनाकर शव को निकाला

हिमाचल की एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया और चेन बनाकर एक-एक के शव को रस्सियों के सहारे खाई से बाहर निकाला। शव का पीएम होने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों से संपर्क कर हादसे की जानकारी दी। हिमाचल पुलिस ने हादसे की जानकारी दुर्ग पुलिस को भी दी है। मृतक परिवार के पिता बीएसपी से सेवानिवृत्त मरोदा में रहते हैं।

सात पर्यटक और एक टैक्सी चालक की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक खाई में कार के गिर जाने से मारे गए सात पर्यटकों और एक टैक्सी चालक के शवों को निकालने का अभियान रविवार को जारी रहा। मृतकों में चार भिलाई निवासी एक ही परिवार के सदस्य हैं। यह घटना शुक्रवार देर रात चुराह उपमंडल के बैरागढ़-साच पास-किल्लर मार्ग पर हुई लेकिन स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी शनिवार दोपहर को मिली। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब कार हिमाचल प्रदेश के सबसे दुर्गम मार्गों में से एक, बर्फ से ढके साच दर्रे की ओर जा रही थी। चुराह से भाजपा विधायक हंस राज ने बताया कि शवों को निकालने का अभियान जारी है।

सीमेंट के दाम 30 रुपए ज्यादा, टाइल्स में 25 फीसदी की वृद्धि, बिजली का सामान भी महंगा

महंगाई का जाल आशियाने तक, हजार वर्गफीट के घर पर अब चार लाख रुपए ज्यादा खर्च

मटेरियल के दाम में 15 से 40 फीसदी तक का इजाफा

मध्यम वर्ग के लिए घर बनाना हुआ महंगा

हरिभूमि सरोकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की आग में अपना आशियाना भी झुलस गया है। अब मध्यम वर्ग के लिए घर बनाना भी बहुत महंगा हो गया है। जो हजार वर्गफीट का घर पहले 19 लाख तक में बन जाता था, वह अब 23 लाख में बन रहा है। ऐसे में चार लाख रुपए ज्यादा लग रहे हैं। इसके पीछे का कारण यह है कि हर तरह का मटेरियल महंगा हो गया है।

अपना घर बनाना हर इंसान का सपना होता है। मध्यम वर्ग का इंसान चाहता है कि उसका खुद का आशियाना कम से कम दाम में बन जाए, लेकिन इस समय युद्ध के कारण हर सेक्टर के सामानों के दाम में आग लग गई है। इसके कारण अपना घर बनाना बहुत महंगा हो गया है। कुछ सेक्टरों ने तो मौका का फायदा उठाते हुए भी दाम बढ़ा दिए हैं।

सरिया, सीमेंट के दाम बढ़े

घर बनाने के काम में आने वाले सरिया और सीमेंट के दाम भी आसमान पर चले गए हैं। जो सरिया युद्ध के पहले 50 हजार रुपए टन था, उसके दाम इस समय 60 हजार से ज्यादा हो गए हैं। सीमेंट के दाम तो कंपनियों ने अपनी मर्जी से बढ़ा दिए हैं। इसके दाम में 30 रुपए तक का इजाफा हो गया है। इसके दाम और बढ़ाने की तैयारी चल रही है। रेत, गिट्टी, ईंट के दाम भी 15 से 20 फीसदी बढ़ गए हैं।

सबसे ज्यादा असर बिजली के तारों पर पड़ा है। इसके दाम 30 से 40 फीसदी बढ़ गए

कम कीमत वाली 40 रुपए फीट वाली टाइल्स के दाम 50 से 55 रुपए

बिजली का सामान बहुत महंगा

बिजली का सामान इस समय बहुत ज्यादा महंगा हो गया है। सबसे ज्यादा असर बिजली के तारों पर पड़ा है। इसके दाम 30 से 40 फीसदी बढ़ गए हैं। कॉपर महंगा होने के कारण कॉपर के तार महंगे हो गए हैं। जो ढाई एमएम तार पहले 25 रुपए फीट के हिसाब से मिलती थी, उसके दाम 35 से 40 रुपए हो गए हैं। इसी तरह से चार ▶▶|शेष पेज 7 पर

चार सौ का इजाफा

मटेरियल महंगा होने के कारण घर बनाने की लागत में अब 400 रुपए फीट का इजाफा हो गया है। पहले मटेरियल सहित 19 सौ रुपए में ठेकेदार काम करते थे, अब इसकी कीमत 2250 से 23 सौ रुपए हो गई है।

- विजय नत्थानी, बिल्डर

रंग, पेंट महंगा

रंग और पेंट के दाम में भी भारी इजाफा हो गया है। इसके दाम भी 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। अच्छी कंपनी का जो पेंट पहले 200 रुपए लीटर आता था, उसके दाम 250 रुपए लीटर हो गए हैं। 400 रुपए लीटर वाले पेंट के दाम 500 रुपए और 800 रुपए वाले पेंट के दाम 1000 रुपए हो गए हैं। अन्य रंग-रोगन का दूसरा मटेरियल भी 15 से 20 फीसदी महंगा हो गया है। सेनेटरी का सामान भी 20 फीसदी तक महंगा हुआ है।

टाइल्स, विंडो दरवाजे महंगे

गुजरात के मोरबी में सबसे ज्यादा टाइल्स का उत्पादन होता है। एलपीजी गैस न मिलने के कारण यहां के पांच सौ से ज्यादा प्लांट बंद हो गए हैं। ऐसे में अपने प्रदेश में भी टाइल्स की सप्लाई नहीं के बराबर हो रही है। टाइल्स की कीमत भी 20 से 25 फीसदी बढ़ गई है। टाइल्स न मिलने से घर बनाने का काम प्रभावित हो रहा है, लेकिन ज्यादा कीमत में किसी तरह से लोग टाइल्स लेकर अपना घर बना रहे हैं तो इनका बजट बिगड़ गया है। जो टाइल्स पहले 60 रुपए फीट में मिलती थी, उसके दाम 75 से 80 रुपए हो गए हैं। कम कीमत वाली 40 रुपए फीट वाली टाइल्स के दाम 50 से 55 रुपए हो गए हैं। इसी के साथ स्टील और पीवीसी के विंडो के दाम 20 फीसदी तक बढ़े हैं। लकड़ी के दरवाजों के दाम भी 15 फीसदी तक ▶▶|शेष पेज 7 पर

फ्रेंच ओपनः दिग्गजों की कब्रगाह बनता रोलां गैरो

पेरिस से डॉ. हिमांशु द्विवेदी

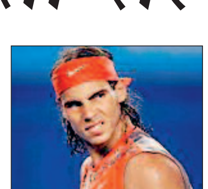

जैसे मुट्ठी में रेत को लंबे समय तक संभालकर रखना बेहद कठिन होता है, वैसे ही टेनिस की दुनिया में रेत के मैदान पर अपनी बादशाहत कायम रखना भी असाधारण चुनौती है। इसीलिए क्ले कोर्ट को टेनिस जगत की सबसे कठिन परीक्षा माना जाता है। राफेल नडाल और ब्योन बोर्ग ही इस नियम के अपवाद थे, जिन्होंने वर्षों तक फ्रेंच ओपन पर ऐसा आधिपत्य स्थापित किया, जिसे खेल इतिहास की महानतम उपलब्धियों में गिना जाएगा। लेकिन, अधिकांश महान खिलाड़ी उस स्वप्न को साकार नहीं कर पाते। क्ले कोर्ट यानि रेतीला मैदान इस बार तो तमाम दिग्गज खिलाड़ियों की उम्मीदों का कब्रगाह बनता जा रहा है।

क्या यह अपने आप में आश्चर्यजनक नहीं है कि टूर्नामेंट के शुरुआती तीन दौर पूरा होने तक पुरुष वर्ग के शीर्ष दस वरीय खिलाड़ियों में से आधे से अधिक बाहर हो चुके हैं? कार्लोस अल्काराज तो फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण पहले ही प्रतियोगिता से दूर थे, लेकिन यानिक सिनर, नोवाक जोकोविच और डेनियल मेदवेदेव जैसे बड़े नाम भी क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में भी नाकाम रहे। कुछ तो दूसरे और तीसरे दौर में ही विदा हो गए। यह दर्शाता है कि रोलां गैरो की चुनौती केवल प्रतिभा या रैंकिंग के बल पर पार नहीं की जा सकती।

दरअसल, फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट खिलाड़ियों के धैर्य, संयम, एकाग्रता, शारीरिक सामर्थ्य, मानसिक दृढ़ता और तकनीकी कुशलता की कठोर परीक्षा लेता है। यहां गति से कहीं अधिक महत्व धैर्य का है।

हरिभूमि खास

हार्ड कोर्ट और घास के मैदानों पर अपनी विस्फोटक सर्विस से प्रतिद्वंद्वी को असहाय कर देने वाले खिलाड़ी यहाँ अक्सर एक-एक अंक के लिए संघर्ष करते नजर आते हैं। क्ले कोर्ट पर गेंद टप्पा खाने के बाद अपनी गति खो देती है, रैलियां लंबी हो जाती हैं और अंक जीतने के लिए बार-बार नए अवसर बनाने पड़ते हैं। ऐसे में पैरों की चपलता, कोर्ट कवरेज और मानसिक दृढ़ता ही खिलाड़ी की सबसे बड़ी पूंजी बन जाती है।

जहाँ अन्य टूर्नामेंटों में कई मुकाबले अपेक्षाकृत तेजी से समाप्त हो जाते हैं, वहीं फ्रेंच ओपन में पाँच सेट तक चलने वाली थकाऊ लड़ाइयां सामान्य बात हैं। यही कारण है कि यहां केवल कौशल नहीं, बल्कि सहनशक्ति और मानसिक शक्ति भी निर्णायक भूमिका निभाती है। पिछले वर्ष का फाइनल इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण था, जब यानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज के बीच ग्रैंड स्लैम इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक खेला गया। जो पांच घंटे से भी ज्यादा समय तक चला था। कई बार ऐसा लगा कि मैच सिनर की मुट्ठी में है, लेकिन अल्काराज़ ने असाधारण जुझारूपन दिखाते हुए हार के कगार से वापसी की और अंततः खिताब ▶▶|शेष पेज 7 पर

सीएम ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

बेमेतरा में सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को बेमेतरा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान कर उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू भी वैवाहिक बंधन में बंधे। मुख्यमंत्री ने विधायक साहू के निर्णय की सराहना की।

बेमेतरा कलेक्टर-एसपी पर बरसे डॉ. रमन, कहा- 15 साल सीएम रहा, ऐसी घोर लापरवाही नहीं देखी

सीएम के कार्यक्रम में अव्यवस्था पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने रविवार को जिला मुख्यालय में यहां के प्रशासनिक अफसरों को जमकर फटकार लगाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में उन्होंने प्रशासनिक अव्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। बता दें कि मौसम खराब होने के कारण मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में शामिल नहीं हो पाए। इसके बाद रेस्ट हाउस में वर-वधुओं को आशीर्वाद देने का कार्यक्रम रखा गया। यहीं पर विधानसभा ▶▶|शेष पेज 7 पर

दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में जल्द देगा दस्तक

छत्तीसगढ़ समेत 19 राज्यों में भारी बारिश-आंधी का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश के कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इस बीच, मौसम विज्ञान विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले तीन से चार दिन में दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल तट पर दस्तक देगा। पहले अनुमान लगाया गया था कि 26 मई को तय समय से पहले मानसून के आने की संभावना है, लेकिन बाद में यह लेट हो गया। अब अगले तीन दिनों में यह केरल पहुंच सकता है। वहीं, देश में एक बार फिर से आंधी और बारिश का प्रहार होने वाला है। आईएमडी की भविष्यवाणी के मुताबिक 1 जून ▶▶|शेष पेज 7 पर

यहां अलर्ट

बारिश-आंधी की चेतावनी

मौसम विभाग के मुताबिक 1 जून को देश के 19 राज्यों यूपी, बिहार, दिल्ली, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, केरल, असम, त्रिपुरा और नागालैंड में आंधी और मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलेगी। वहीं, पूर्वी राज्यों को लोगों के लिए खास चेतावनी है।

90 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवा चलने की संभावना

रविवार को दिल्ली और आसपास इलाकों में हुई बारिश।

सामान्य से कम बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में इस मॉनसून के दौरान सामान्य वर्षा होने की संभावना है, जबकि देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय मोहपात्रा ने बयान में कहा, देश के अधिकतर वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों वाले मानसून कोर जोन में दक्षिण-पश्चिम मानसून की मौसमी वर्षा सामान्य से कम (एलपीए के 94 प्रतिशत से कम) रहने की सबसे अधिक संभावना है।

रुक-रुक कर चली केदारनाथ यात्रा

मौसम विभाग ने रुद्रप्रयाग में भारी बारिश, आंधी-तूफान और प्रतिकूल मौसम की आशंका जताई है। मौसम को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया। दोपहर बाद मौसम ठीक होने पर यात्रियों को फिर आगे भेजा गया। रुद्रप्रयाग के डीएम विशाल मिश्रा ने बताया कि बारिश रुकने और मौसम में सुधार होने के बाद केदारनाथ ट्रेकिंग मार्ग पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही फिर से शुरू हो गई है। खराब मौसम के कारण अलग-अलग चेकपॉइंट पर सुरक्षित रूप से रोके गए तीर्थयात्रियों को अब आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई है।

मशीनी जंग : यूक्रेन के 'साइलेंट डेथ' रोबोट के खौफ में रूसी सैनिक, दुनिया हैरान

यूक्रेन ने युद्ध के मैदान में बड़ी संख्या में मशीनें उतारीं

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस और यूक्रेन के बीच चार सालों से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध का मैदान नाटकीय रूप से बदल रहा है। फरवरी 2022 में टैंक, तोपखाने और पैदल सेना के साथ शुरू हुआ यह सैन्य संघर्ष पर अब मशीनों का युद्ध बनता जा रहा है। अब रोबोट, ड्रोन और रिमोट से चलने वाले वाहन उन मिशनों को अंजाम दे रहे हैं, जिनके लिए हजारों सैनिकों की जरूरत पड़ती थी। रूसी सैनिकों ने इन रोबोट को साइलेंट डेथ नाम दिया है, क्योंकि अक्सर धमाका होने के ठीक पहले ही इनकी आवाज सुनाई देती है।

इस युद्ध में सैनिकों की कमी से जूझ रहे यूक्रेन ने एक जबरदस्त बदलाव किया है। उसके युद्ध अभियानों का एक बड़ा हिस्सा अब मानवरहित हो गया है। सैनिकों की जगह यूक्रेनी सेना रोबोट, ड्रोन और दूर से कंट्रोल किए जाने वाले टैंकों से रूस का मुकाबला कर रही है, जिसने उसे अचानक बढ़त दिला दी है। युद्ध के सबसे खतरनाक अग्रिम मोर्चों पर तकनीक तेजी से सैनिकों की जगह ले रही है।

यूक्रेन की मशीनी सेना कर रही रूस का मुकाबला

जंग में रोबोट का हो रहा इस्तेमाल

यूक्रेनी सैन्य इकाइयां अब बारूद ले जाने वाले जमीनी रोबोट का इस्तेमाल करके हमले कर रही हैं। इन्हें युद्ध के मैदान से कई किलोमीटर दूर बैठे ऑपरेटर नियंत्रित करते हैं। अब ये मशीनी सेना इतनी ताकतवर हो चुकी है कि रूसी ठिकानों पर कब्जा कर रही है। इसी अप्रैल में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि पहली बार किसी रूसी ठिकाने पर रोबोट और ड्रोन की मदद से कब्जा किया गया।

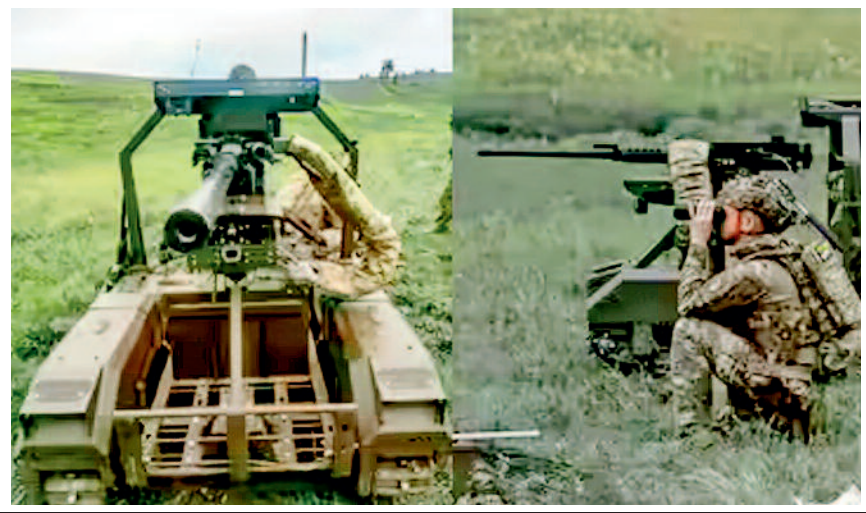

रूसी सैनिकों ने दिया साइलेंट डेथ नाम

जेलेंस्की ने यह भी बताया कि जनवरी से अप्रैल के बीच यूक्रेन की मानवरहित मशीनों ने 22000 मिशन पूरे किए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ये मशीनें धमाका करने से पहले खाइयों और पेड़ों की कतारों से होकर दुश्मन के पास पहुंचती हैं। रूसी सैनिकों ने इन रोबोट को साइलेंट डेथ नाम दिया है, क्योंकि अक्सर धमाका होने के ठीक पहले ही इनकी आवाज सुनाई देती है।

यूक्रेन का लक्ष्य प्रति माह 35,000 रूसियों को मारना है

यूक्रेनी अधिकारियों का लक्ष्य अब हर महीने लगभग 35,000 रूसी सैनिकों को हताहत करना है, और उनका कहना है कि इस साल यह लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। इस रणनीति का उद्देश्य क्रेमलिन पर दबाव बढ़ाना है, ताकि वह रूस की शहरी आबादी और मध्यम वर्ग से अधिक संख्या में सैनिकों की भर्ती करने के लिए मजबूर हो जाए। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी जीसीएचक्यू द्वारा बुधवार को जारी एक नए अनुमान के अनुसार, रूस में कुल सैन्य मृतकों की संख्या लगभग 500,000 है।

खबर संक्षेप

शुभेंदु मंत्रिमंडल का विस्तार आज, 35 मंत्री लेंगे शपथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को घोषणा की कि उनके मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत सोमवार को 35 मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल आरएन. रवि सुबह 11 बजे लोक भवन में शपथ दिलाएंगे। उन्होंने रविवार शाम को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''कल पश्चिम बंगाल की जनता द्वारा चुनी गई राष्ट्रवादी सरकार के पूर्ण मंत्रिपरिषद का गठन होगा।''

पीओके में घुसने की कोशिश कर रहे तीन पकड़ाए

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में सेना ने तीन लोगों को पकड़ लिया और कथित तौर पर देश से बाहर निकलने के उनके प्रयास को विफल कर दिया, जबकि एक अलग घटना में जवानों ने नियंत्रण रेखा पार करने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसने के आरोप में गिरफ्त में ले लिया। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि उरी क्षेत्र में सोपोर के दो व्यक्तियों को सतर्क चिनार योद्धाओं ने उरी सेक्टर में अपने सहयोगी गाइड के साथ शत्रुतापूर्ण इरादे से भागने का प्रयास करते समय पकड़ लिया।

केंद्रीय मंत्री रवनीत ने दलित समुदाय से मांगी माफी

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपनी हालिया आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए रविवार को अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से माफी मांगते हुए कहा कि एक मंत्री के रूप में उन्हें ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। भाजपा के नेता बिट्टू ने कहा कि वह पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष भी माफी मांगने के लिए तैयार हैं। बिट्टू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब आयोग ने संगरूर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से बिट्टू द्वारा कथित तौर पर जातिवादी टिप्पणियों के इस्तेमाल के संबंध में एक जून तक रिपोर्ट मांगी है।

अमेरिका फंड भी देने तैयार, ईरान बोला- अमेरिका की बातों पर भरोसा नहीं

ट्रम्प बोले- परमाणु मुद्दे पर सहमति नहीं बनी तो युद्ध ही विकल्प, ईरान भी अड़ा

अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते में ईरान को बड़ी आर्थिक मदद देने की बात सामने आई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, समझौता होने पर ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 28.53 लाख करोड़ रुपए) का फंड दिया जा सकता है। साथ ही अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति भी मिल सकती है। एक ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया है। उनका कहना है कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को यह आर्थिक सहायता देने का वादा किया जाएगा। इस पर ईरान ने कहा कि ट्रंप की बातों का कोई भरोसा नहीं।

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि दोनों देश परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते के करीब हैं। ट्रम्प के मुताबिक, ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और उसके पास मौजूद संवर्धित (एनरिच्ड) यूरेनियम को खत्म कर दिया जाएगा। ईरान इस बात पर सहमत हो गया है और अगर वह परमाणु हथियार बनाने के अपने फैसले से नहीं हटता तो युद्ध ही एकमात्र विकल्प रहेगा। उन्होंने कहा, मेरी सबसे बड़ी गारंटी यह होनी चाहिए, कि उनके पास कोई परमाणु हथियार नहीं होगा। वे इस पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप के इस दावे को ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया।

ईरान ने ट्रंप के दावे को किया खारिज

हालांकि, ईरान ने ट्रम्प के दावे को खारिज कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं चल रही है। वहीं, फार्स न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि समझौते के मसौदे में परमाणु सामग्री को नष्ट करने जैसी कोई शर्त शामिल नहीं है।

अमेरिका की बातों पर भरोसा नहीं : ईरान

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान सिर्फ कार्रवाई पर भरोसा करता है। जब तक अमेरिका कदम नहीं उठाएगा, ईरान भी कोई रियायत नहीं देगा। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि पिछले 24 घंटे में 24 जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी गई। ईरान के मुताबिक समुद्री ट्रैफिक को नियंत्रित तरीके से चलाया जा रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट में तैरती हुई बारूदी सुरंग दिखी

ओमान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक संदिग्ध तैरती हुई समुद्री बारूदी सुरंग (फ्लोटिंग माइन) देखे जाने की जानकारी दी है। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने शनिवार को जहाजों और मछुआरों को सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की। समुद्री बारूदी सुरंगें पानी के अंदर या समुद्र की सतह के पास लगाई जाने वाली विस्फोटक चीजें होती हैं। इनका इस्तेमाल दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों को नुकसान पहुंचाने या डुबाने के लिए किया जाता है।

समझौता नहीं तो युद्ध का विकल्प भी खुला : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न करे। दोनों देश परमाणु समझौता होने के बहुत करीब हैं, लेकिन अगर बातचीत सफल नहीं होती है तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी खुला है। ट्रंप ने कहा, "हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं। अगर समझौता नहीं हुआ तो 'डिपार्टमेंट ऑफ वॉर' के साथ आगे बढ़ेंगे।

पिछले 24 घंटे के हुए ये बड़े अपडेट्स

ट्रम्प बोले- ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा: ट्रम्प ने कहा कि संभावित समझौते में ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा और होर्मुज स्ट्रेट में किसी तरह का टोल नहीं लगेगा।

होर्मुज टोल पर अमेरिका की ओमान को चेतावनी: अमेरिका ने कहा कि अगर ओमान ने ईरान की टोल वसूली व्यवस्था का साथ दिया, तो शामिल देशों, कंपनियों और लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हजारों श्रद्धालु फंसे

बद्रीनाथ हाईवे पर महाजाम सड़क धंसना बना मुसीबत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अगर आप इस सप्ताहांत बद्रीनाथ या हेमकुंड साहिब की यात्रा की योजना बना रहे थे, तो आपको भी भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता। जोशीमठ के आसपास, बद्रीनाथ हाईवे पर इस समय हजारों श्रद्धालु कई किलोमीटर लंबी गाड़ियों की कतारों में फंसे हुए हैं। हर दिन 30,000 से ज्यादा लोग बद्रीनाथ धाम की तरफ और लगभग 10,000 लोग हेमकुंड साहिब की ओर जा रहे हैं, जिससे सड़कों पर भारी दबाव बढ़ गया है। इस स्थिति से निपटने के लिए, प्रशासन ने टोकन-आधारित गेट सिस्टम लागू किया है और वाहनों की एकतरफा आवाजाही शुरू कर दी है।

जोशीमठ और विष्णुप्रयाग के बीच सड़क धंसी

जोशीमठ और विष्णुप्रयाग के बीच लगभग 10 किलोमीटर का रास्ता यातायात को धीमा कर रहा है। दरअसल, बीते सालों में जमीन धंसने के कारण इस सड़क की हालत काफी खराब हो गई है। चमोली के एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि इससे पहले से ही भीड़भाड़ वाले इस हाईवे पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। नृसिंह मंदिर के पास गेट पर अपनी बारी का इंतजार करते समय श्रद्धालु थोड़ा आराम भी कर सकते हैं और पास के पवित्र मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं।

30 मिनट के बैच में छोड़ी जा रही हैं गाड़ियां

यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए, गाड़ियों को 30-30 मिनट के बैच में आगे बढ़ने दिया जा रहा है। अधिकारी लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं ताकि यात्रा के सबसे व्यस्त समय में बद्रीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा पूरी तरह से बाधित न हो।

'मन की बात' में पीएम का खास संदेश

युवा बना रहे रिकॉर्ड, एस्ट्रोनॉमी पर भारतीयों का आकर्षण ज्यादा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में देशवासियों से कई अहम बातें शेयर कीं। उन्होंने युवाओं की अद्भुत प्रतिभा का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के एथलीट नए-नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। इस दौरान उन्होंने भारतीय एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर से बातचीत का जिक्र भी किया। गुरिंदरवीर ने बताया, "मैं इंडियन नेवी में पेटी ऑफिसर हूं और भारत का सबसे तेज स्प्रिंटर हूं। हाल ही में मैंने 100 मीटर में 10.09 सेकंड का नेशनल रिकॉर्ड बनाया है। वहीं, अनिमेष कुजूर ने बताया कि वो भी नेशनल रिकॉर्ड होल्डर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में बताया कि हाल ही में उन्हें नीदरलैंड्स जाने का अवसर मिला। वहां उन्होंने कई बैठकों में हिस्सा लिया। इसी दौरान एक ऐसा क्षण आया जिसने हर भारतीय को गर्व से भर दिया।

चोल काल की धरोहर भारत को मिलीं

नीदरलैंड्स में आयोजित एक विशेष समारोह में चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गईं। इस कार्यक्रम में नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। मोदी ने कहा कि चोल साम्राज्य के समृद्ध इतिहास और संस्कृति पर हम सभी को गर्व है। उन्होंने बताया कि सरकार भारत की ऐसी अमूल्य धरोहरों के संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

खगोल विज्ञान पर भारतीयों का आकर्षण

पीएम मोदी ने खगोल विज्ञान का जिक्र करते हुए कहा, भारतीयों में खगोल विज्ञान यानी एस्ट्रोनॉमी के प्रति हमेशा विशेष आकर्षण रहा है। आजकल देशभर में एस्ट्रोनॉमी क्लब्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, स्कूलों से लेकर पार्कों तक इनकी गतिविधियां दिखाई देती हैं।

भारत की पहली गंगा डॉल्फिन रेस्क्यू एम्बुलेंस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली गंगा डॉल्फिन रेस्क्यू एम्बुलेंस के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की एक घटना है, जहां एक गंगा डॉल्फिन नहर में फंस गई थी। ऐसे समय में 'नमामि गंगे अभियान' के तहत बनी एम्बुलेंस उसके लिए उम्मीद बनकर पहुंची।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस...

कोलकाता। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर देशभर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं और खासकर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने आकर्षक पोस्टरों और प्रभावशाली विचारों के माध्यम से तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों को दर्शाया तथा लोगों को इसके प्रति जागरूक होने का संदेश दिया।

छह साल की बेटी को पीट-पीटकर मार डाला

चाईबासा। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में एक व्यक्ति ने अपनी छह वर्षीय बेटी को कथित तौर पर लाठी से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार रात उस समय घटी जब सोनिया पूर्ति नाम की लड़की तांतनगर चौकी के तहत खैरिया तंगर गांव में अपने घर के अंदर सो रही थी। बच्ची का पिता लाल सिंह पूर्ति पिछले कुछ दिनों से असामान्य व्यवहार कर रहा था। आरोपी ने अचानक लाठी उठाई और लड़की को बुरी तरह से पीटने लगा। लड़की की चीखें सुनकर पड़ोसियों ने उसे बचाया और चाईबासा के सदर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया, आरोपी ने अपनी पत्नी पर भी हमला करने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने उसे रोक लिया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

कसीनो-ऑनलाइन गेमिंग में जीत-हार का इंतजार नहीं, दांव लगाते ही कटेगा जीएसटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन गेमिंग और कसीनो पर जीएसटी को बरकरार रखते हुए साफ कर दिया है कि टैक्स खेल के नतीजे या कसीनो के अंतिम मुनाफे पर नहीं, बल्कि खिलाड़ी द्वारा दांव लगाते ही लागू हो जाएगा। कोर्ट ने कसीनो कंपनियों की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें टैक्स सिर्फ 'ग्रॉस गेमिंग रेवेन्यू' पर लगाने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कसीनो और जुआ गतिविधियों में जीएसटी की गणना खिलाड़ियों के दांव लगाने के समय से होगी, न कि खेल खत्म होने के बाद कैसीनो के वास्तविक मुनाफे के आधार।

कसीनो कंपनियों की दलीलें की खारिज

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कसीनो कंपनियों की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि जीएसटी केवल ग्रॉस गेमिंग रेवेन्यू (जीजीआर) यानी खिलाड़ियों को जीत की राशि देने के बाद बची रकम पर ही लगाया जाना चाहिए। कसीनो का तर्क था कि यदि खिलाड़ियों को भुगतान की गई जीत की राशि दांव से अधिक हो जाए तो कर योग्य आय ही नहीं बचती।

जीएसटी कर योग्य आपूर्ति पर लगाया जाता है

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीएसटी किसी कारोबारी के लाभ या हानि पर नहीं, बल्कि कर योग्य आपूर्ति (टैक्सेबल सप्लाई) होने पर लगाया जाता है। अदालत ने कहा कि जैसे ही कोई व्यक्ति कसीनो में चिप्स या टोकन खरीदकर किसी खेल में दांव लगाता है, उसी समय जीएसटी लागू हो जाता है। इसके लिए खेल का नतीजा आने या खिलाड़ी के जीतने-हारने का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

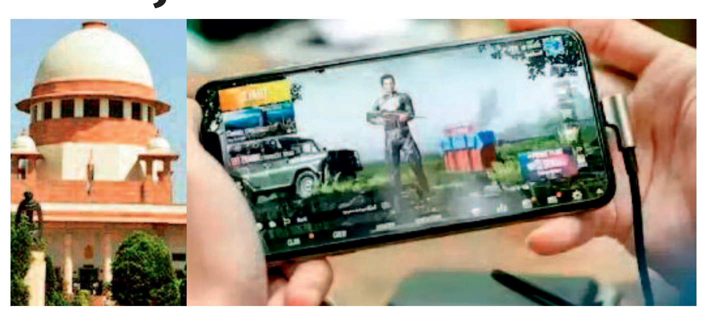

चिप्स व टोकन के जरिए लेनदेन : अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि कसीनो में इस्तेमाल होने वाले चिप्स और टोकन केवल दांव लगाने का माध्यम हैं। खिलाड़ी इनके बिना खेल में भाग नहीं ले सकता। इसलिए यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि चिप्स या टोकन के जरिये होने वाले लेनदेन में कोई कर योग्य दावा उत्पन्न नहीं होता। पीठ ने कहा कि यदि जीएसटी की गणना केवल कैसीनो के अंतिम लाभ या हानि के आधार पर की जाए तो इससे कर देयता को कम दिखाने या छिपाने की संभावना पैदा हो सकती है। इसके विपरीत, खिलाड़ी की ओर से दांव लगाए जाने के आधार पर कर निर्धारित करने से कर प्रणाली अधिक पारदर्शी और प्रभावी रहती है।

अदालत ने जीत-हार पर की बड़ी टिप्पणी

अदालत ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी दांव हार जाता है, तो कसीनो उस रकम को अपनी कमाई मानता है लेकिन जब कोई खिलाड़ी बड़ी रकम जीत जाता है, तो कसीनो यह कहता है कि उसे नुकसान हुआ है, इसलिए उस राशि पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए। अदालत के इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि ऑनलाइन गेमिंग, फैंटेसी स्पोर्ट्स, कसीनो और दांव आधारित अन्य खेलों में जीएसटी की देनदारी खिलाड़ी की ओर से दांव लगाए जाने के समय ही तय होगी और इसे कसीनो के अंतिम वित्तीय परिणाम से नहीं जोड़ा जा सकता।

आतंकियों के नए हथियार का तोड़ निकालने में जुटीं एजेंसियां

एजेंसी ▶▶ जम्मू

भारतीय अधिकारी पाक अधिकृत कश्मीर से जम्मू-कश्मीर में पहुंच रहे टेलीकॉम सिग्नल्स की बढ़ती संख्या पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। सीमा पर नए टावर लगाए जाने से ये सिग्नल आतंकवादी गुटों को आपस में संपर्क बनाए रखने का जरिया बन रहे हैं और साथ ही भारतीय सुरक्षा व्यवस्थाओं को धोखा देने की कोशिश भी कर रहे हैं। तकनीक की इस नई चाल ने स्थानीय अधिकारियों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

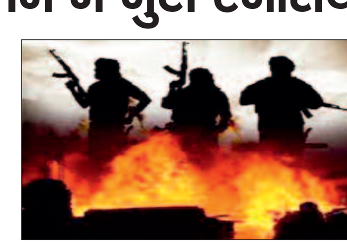

भारतीय एजेंसियां सिग्नल्स रोकने के लिए कर रही काम

ये गैरकानूनी सिग्नल सिर्फ सरहद पार ही नहीं करते, बल्कि जम्मू-कश्मीर की जेलों में बंद उग्रवादियों को भी अपने साथियों से बातचीत करने या भागने की योजना बनाने का मौका दे सकते हैं। इस खतरे से निपटने के लिए भारतीय एजेंसियां इन ट्रांसमिशनों को रोकने या निष्क्रिय करने के लिए तकनीकी उपाय ढूंढ रही हैं। सरकार इस पूरे मामले पर पैनी नजर बनाए हुए है और इन सिग्नल्स को रोकने के लिए एजेंसियां लगातार तकनीकी हल खोजने में जुटी हैं।

रायपुर
सोमवार 1 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 24, अंक : 311
12+4+4=20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 40.6
न्यून. 24.6

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

यूरिया की कमी पूरी करेगा ढेंचा, मूंग की हरी खाद भी धान से पहले इनकी बुवाई, मिट्टी में दबाने से मिलेगी नाइट्रोजन

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इस खरीफ सीजन में यूरिया की कमी से जूझ रहे किसानों को राहत देने के लिए सरकार ने ढेंचा और मूंग से तैयार होने वाली हरी खाद उतारने की तैयारी कर ली है। केंद्र सरकार के निर्देश पर देश भर में यह काम खेत बचाओ अभियान के तहत किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में इसके क्रियान्वयन में ▶▶| शेष पेज 7 पर

- किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर दिया जाएगा ढेंचा, मूंग का बीज
- खरीफ के धान की बुवाई से पहले खेतों में हरी खाद पैदा करेंगे
- देश भर में खेत बचाओ अभियान के तहत चल रहा काम

'खेत बचाओ अभियान' का हिस्सा

केंद्र सरकार के देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' के बीच छत्तीसगढ़ में भी मिट्टी की सेहत सुधारने और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब केंद्र सरकार का 'खेत बचाओ अभियान' देशभर में मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग और सतत कृषि को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। अभियान के तहत हजारों शिविर आयोजित किए जा चुके हैं और लाखों किसानों तक वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन का संदेश पहुंचाया गया है।

रायपुर से बस्तर तक लक्ष्य तय

कृषि विभाग ने राज्य के सभी संभागों और जिलों के लिए संशोधित लक्ष्य जारी किए हैं। कृषि विभाग के अनुसार सबसे बड़ा लक्ष्य बिलासपुर संभाग को दिया गया है, जहां 1,464 क्विंटल बीज वितरण का प्रावधान किया गया है। इसके बाद दुर्ग संभाग को 1,217 क्विंटल, सरगुजा ▶▶| शेष पेज 7 पर

ये है मामला

राज्य में कृषि विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों ने हरिभूमि को बताया कि खरीफ सीजन में धान की बुवाई से पहले ढेंचा और मूंग की बुवाई की जानी है। इसके बीज लगाने के करीब 30-40 दिनों में यह फसल तैयार हो जाती है। यह होने के बाद धान की फसल बोने से पहले ढेंचा और ▶▶| शेष पेज 7 पर

4,207 क्विंटल बीज वितरण होगा सभी जिलों में

राज्य सरकार ने खरीफ सीजन 2026 के लिए हरी खाद के उपयोग को बढ़ावा देने का अभियान तेज कर दिया है। कृषि विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में ढेंचा और मूंग के 4,207 क्विंटल बीज वितरण का संशोधित लक्ष्य तय किया है। ▶▶| शेष पेज 7पर

रायपुर जिले को 120 क्विंटल बीज

रायपुर जिले के लिए 120 क्विंटल हरी खाद बीज का लक्ष्य तय किया गया है। जिला कृषि कार्यालय ने चार विकासखंडों-धरसीवां, आरंग, अभनपुर और तिल्दा में 1,000 एकड़ क्षेत्र में हरी खाद की बुआई कराने की योजना बनाई है। इसके लिए किसानों का चयन कर ▶▶| शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

सिर पकड़ सड़क पर लेटे नजर आए बनर्जी, भाजपा बोली- वे बस ड्रामा कर रहे

अभिषेक के बाद अब टीएमसी सांसद कल्याण पर हमला, सिर पर लगी चोट

पश्चिम बंगाल के हुगली स्थित चंडीतला पुलिस स्टेशन के सामने तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी पर हमले की जानकारी सामने आई है। टीएमसी सांसद ने आरोप लगाया है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया और उनके सिर पर पत्थर या गेंद जैसी चीज (वस्तु) मारकर चोट पहुंचाई है, जबकि भाजपा का कहना है कि वह घायल नहीं हुए हैं, सिर्फ ड्रामा कर रहे हैं।

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हमले के बाद तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी पर हमले की खबर से सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। सिर पर भीगा हुआ रूमाल रखे कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि चंडीतला थाने में डिपुटेशन (ज्ञापन) देने जाते वक्त उन पर हमला किया गया। उन्होंने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने जा रहे लोगों पर हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि रविवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में एक पुलिस थाने के बाहर भीड़ द्वारा हमला किये जाने के कारण उनके सिर पर चोट लगी है। उन्होंने कहा कि वह विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में एक ज्ञापन सौंपने के लिए वहां गए थे। यह घटना पार्टी नेता अभिषेक बनर्जी पर स्थानीय लोगों द्वारा कथित तौर पर हमला किये जाने के एक दिन बाद हुई। अभिषेक चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने के लिए दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर कस्बे गए थे।

टीएमसी प्रमुख ममता ने सांसद से की मुलाकात, भाजपा पर लगाए आरोप

अभिषेक पर हमले के पांच आरोपी गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई। अभिषेक पर शनिवार को दक्षिण सोनारपुर में हमला हुआ था, जहां वे चुनाव बाद हिंसा के पीड़ित कार्यकर्ताओं से मिलने गए थे। अपोलो में डॉक्टरों ने अभिषेक को घर पर आराम की सलाह दी। बाद में उन्हें बेले व्यू अस्पताल ले जाया गया। अभिषेक से मिलने के बाद ममता बनर्जी ने शनिवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

भाजपा-टीएमसी के बीच नारेबाजी

बताया जा रहा है कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने तृणमूल समर्थकों के खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाए, जिसके बाद माहौल और गर्म हो गया। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात किए गए। इसी दौरान किसी ने उन पर गेंद या पत्थर जैसी चीज से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में चोट लग गई।

सोशल मीडिया पर पोस्ट की तस्वीर

तृणमूल कांग्रेस ने 'एक्स' पर ममता बनर्जी की सांसद के साथ एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें सांसद के माथे पर पट्टी बंधी हुई थी। पार्टी ने अपनी पोस्ट में कहा, जो लोग यह मानते हैं कि हिंसा और धमकियों से हमें चुप कराया जा सकता है, तो उन्होंने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है। हर हमला सत्य और न्याय के लिए लड़ने के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है। सत्य को दबाया नहीं जा सकता। हमें न्याय से वंचित नहीं किया जा सकता। हम पीछे नहीं हटेंगे।

कल्याण बनर्जी से मिलने पहुंचीं ममता

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमले के बाद पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी उनसे मिलने पहुंचीं। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि घटना की जानकारी मिलते ही पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी तुरंत कल्याण बनर्जी के आवास पहुंचीं और इस कठिन समय में उनके तथा उनके परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की। टीएमसी ने अपने बयान में कहा, जो लोग यह सोचते हैं कि हिंसा और डराने-धमकाने के जरिए हमें चुप कराया जा सकता है, उन्होंने इतिहास से कोई सबक नहीं लिया है।

भाजपा बोली- ध्यान भटकाना चाहते हैं कल्याण

भाजपा ने कल्याण बनर्जी के खुद के चोट लगने के दावों को झूठा करार दिया है। भाजपा का कहना है कि कल्याण बनर्जी ड्रामा कर रहे हैं। उन्हें चोट नहीं आई है। वो अभिषेक बनर्जी के मामले से ध्यान भटकाना चाहते हैं।

प्रदीप सोनी हत्याकांड में मिले अहम सुराग

जंगल में मिले सामान की मदद से आरोपियों तक पहुंचेगी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पेंड्रा

सराफा व्यापारी प्रदीप सोनी हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस को कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस ने घटनास्थल से करीब 8 किलोमीटर दूर जंगल क्षेत्र से जला हुआ और बिखरा हुआ सामान बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी जंगल में रुके थे और पहचान छिपाने के उद्देश्य से कुछ सामान को आग के हवाले कर दिया। पुलिस द्वारा बरामद सामग्री को जब्त कर लिया गया है और उसकी बारीकी से जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद सामान का संबंध हत्या और लूटकांड से है या नहीं। वहीं, पुलिस को उम्मीद है कि इन सुरागों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

व्यापारी की हत्या

गौरतलब है कि पेंड्रा के कोटमी साप्ताहिक बाजार में मंगलवार शाम को सराफा व्यापारी प्रदीप सोनी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद से पुलिस की कई टीमें लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में मिले अहम सुरागों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने की संभावना है।

म्यांमार में चीनी सीमा के पास धमाका

विस्फोटकों से भरी इमारत उड़ी, 55 लोगों की मौत

नेपीडॉ। म्यांमार के पूर्वोत्तर इलाके में रविवार को हुए एक भीषण धमाके में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों अन्य घायल हो गए। धमाका एक ऐसी इमारत में हुआ, जहां खनन कार्यों में इस्तेमाल होने वाले भारी मात्रा में विस्फोटक रखे गए थे। यह हादसा नामखाम टाउनशिप के कौंगटुप गांव में दोपहर के करीब हुआ। यह इलाका चीन की सीमा से तीन किमी दक्षिण में स्थित है।

खबर संक्षेप

रविचंद्रन अकादमिक क्षेत्र में करेंगे वापसी

नई दिल्ली। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव के रूप में इस सप्ताह सेवानिवृत्त हुए एम. रविचंद्रन अब आईआईटी, मद्रास में संकाय सदस्य के रूप में अकादमिक क्षेत्र में वापसी करने जा रहे हैं। पृथ्वी विज्ञान सचिव के रूप में 29 मई को पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले रविचंद्रन की योजना देश के इस प्रतिष्ठित संस्थान में महासागर विज्ञान से अपना जुड़ाव बनाए रखने का है।

उफनती नदी में फंसे 50 तीर्थयात्रियों का रेस्क्यू

देहरादून। चंपावत जिले के श्री रीठा साहिब गुरुद्वारे में रविवार को एक बड़ी त्रासदी होने से टल गई, जब वार्षिक जोड़ मेले के दौरान उफनती नदी में फंसे 50 से अधिक तीर्थयात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ और मौसम संबंधी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए एसडीआरएफ की एक टीम को मेला स्थल पर पहले ही तैनात कर दिया गया था।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार में रियायतें आज से लागू

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने भारत और ओमान के बीच हुए व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत ओमान से आयातित वस्तुओं पर सीमा शुल्क रियायत संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। यह व्यवस्था एक जून से प्रभावी होगी। भारत और ओमान के बीच सीईपीए पर पिछले साल दिसंबर में हस्ताक्षर किए गए थे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत

लोहरदगा। झारखंड के लोहरदगा जिले में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों की पहचान इतवरिया उरांव (70) और लक्ष्मी देवी (50) के रूप में हुई है। सेन्हा पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी नीरज झा ने बताया, तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने पर दोनों महिलाओं की मौके पर ही मृत्यु हो गई। रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। यह घटना तब हुई, जब दोनों महिलाएं अपने घरों के बाहर बैठी थीं।

छात्र ने उठाए सीबीएसई पर सवाल, टेंडर प्रक्रिया में 15 गड़बड़ियों का दावा

झारखंड के छात्र ने ब्लॉग में किया खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली से जुड़े एक टेंडर को लेकर झारखंड के 12वीं कक्षा के छात्र सार्थक सिद्धांत ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। छात्र ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई द्वारा जारी किए गए टेंडर दस्तावेजों, आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) के विभिन्न संस्करणों की तुलना करने पर कम से कम 15 ऐसी विसंगतियां सामने आई हैं, जो टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाती हैं। सार्थक सिद्धांत का कहना है कि उसने पुराने और नए आरएफपी ▶▶| शेष पेज 7 पर

50 करोड़ टर्नओवर की शर्त पर भी सवाल

ब्लॉग में दावा किया गया है कि टेंडर के लिए निर्धारित 50 करोड़ रुपये के वित्तीय मानदंड में भी ऐसे बदलाव किए गए, जिनसे कुछ चुनिंदा कंपनियों को फायदा मिला। सार्थक का कहना है कि संबंधित कंपनी इस पात्रता सीमा को केवल 1.7 प्रतिशत के मामूली अंतर से पूरा कर रही थी। ऐसे में पात्रता शर्तों में बदलावों ने संदेह पैदा किया है।

भ्रष्टाचार से जुड़े प्रावधानों में कथित ढील

छात्र ने यह भी आरोप लगाया है कि भ्रष्ट आचरण से जुड़े प्रावधानों की समय-सीमा को आधा कर दिया गया। इसके अलावा परियोजना अनुभव और तकनीकी पात्रता से जुड़े नियमों में भी बदलाव किए गए। उसका दावा है कि इन संशोधनों का समग्र प्रभाव यह रहा कि कुछ बड़ी और स्थापित कंपनियों की तुलना में एक विशेष एजेंसी को अधिक लाभ मिला।

क्या हैं छात्र के प्रमुख आरोप?

सार्थक के अनुसार सबसे गंभीर बदलाव खराब प्रदर्शन से जुड़े प्रावधानों में किए गए। उसका दावा है कि पुराने आरएफपी में खराब रिकॉर्ड वाली कंपनियों को बाहर रखने के लिए तीन महत्वपूर्ण क्लॉज मौजूद थे, लेकिन नए आरएफपी में हटा दिया गया। छात्र के मुताबिक, पहले टेंडर दस्तावेज में ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को अयोग्य माना गया था, जबकि बाद में इस शर्त को बदलकर वर्तमान में ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया। उसका सवाल है कि यदि कोई कंपनी पहले किसी सरकारी या सार्वजनिक संस्था द्वारा ब्लैकलिस्ट की जा चुकी है तो उसे पात्रता की छूट क्यों दी गई।

डूब रही नाबालिग को बचाने पांच कूदे सभी की मौत, बच गई लड़की की जान

एजेंसी ▶▶| मंत्रालयम

- तुंगभद्रा नदी में फिसलकर गिर गई थी नाबालिग

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में जो हुआ, वह बहादुरी, इंसानियत और त्रासदी की ऐसी कहानी है, जिसे सुनकर दिल भारी हो जाता है। यहां एक नाबालिग लड़की तुंगभद्रा नदी में फिसलकर गिर गई थी, जिसे बचाने के लिए पांच लोग नदी में कूद गए। पुलिस का कहना है कि सभी लोग पानी में डूब गए, वहीं लड़की को बचा लिया गया है। मृतक आस-पास के गांवों के रहने वाले थे।

एक-एक कर नदी में उतरते गए

लड़की को बचाने के लिए पहले एक व्यक्ति नदी में उतरा। फिर दूसरा, तीसरा और देखते ही देखते कुल पांच लोग उसे बचाने की कोशिश में नदी में कूद गए। आखिरकार लड़की को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन इस बीच नदी का तेज बहाव उन पांच लोगों पर भारी पड़ गया, जिन लोगों ने किसी और की जिंदगी बचाने के लिए अपनी जान दांव पर लगाई थी।

पांच परिवारों में छा गया मातम

घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में नदी किनारे पहुंच गए। परिजनों में चीख-पुकार मच गई, जिस बच्ची के लिए लोग जान की बाजी लगा रहे थे, वह तो बच गई, लेकिन पांच परिवारों के घरों में मातम छा गया। लड़की को बचाने निकले पांच लोग वापस नहीं लौट सके। पुलिस का कहना है कि मृतक आसपास के गांवों के रहने वाले थे।

चारों राज्यों में अगले साल चुनाव

ओडिशा समेत चार राज्यों में एसआईआर, 28 तक एंट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के गणना चरण की शुरुआत हो गई है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। इन चारों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। आयोग ने 14 मई को 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से एसआईआर का तीसरा चरण शुरू किया था।

3.67 करोड़ मतदाता

वर्तमान चरण में शामिल चारों राज्यों में मिलाकर 3.67 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। ओडिशा में सबसे अधिक 3.34 करोड़ से अधिक मतदाता है और उनके लिये 38,123 बीएलओ और 8,391 बीएलए हैं। मिजोरम में 8.75 लाख, सिक्किम में 4.71 लाख और मणिपुर में 20.92 लाख मतदाता हैं।

मन की बात में किया मल्हार की दुर्लभ ताम्र पट्टिकाओं का उल्लेख

मोदी के 'मन' को छू गईं मल्हार की दुर्लभ ताम्र पट्टिकाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

- जिले सहित प्रदेश के लिए गौरव की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में मल्हार की दुर्लभ ताम्र-पट्टिकाओं का उल्लेख किया गया। ज्ञान भारतम अभियान के अंतर्गत पुरातात्विक नगरी मल्हार में मिली ताम्र-पट्टिकाओं का प्रधानमंत्री द्वारा किए गए उल्लेख को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना और गौरवशाली इतिहास का राष्ट्रीय सम्मान बताया है। यह न केवल बिलासपुर जिले, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव ▶▶| शेष पेज 7 पर

संबंधित संस्थाओं से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करेगा जिला प्रशासन

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' में मल्हार की ऐतिहासिक खोज के उल्लेख को जिले के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम् अभियान के माध्यम से जिले में ऐतिहासिक पांडुलिपियों, अभिलेखों और पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण का कार्य लगातार किया जा रहा है। मल्हार में प्राप्त ताम्र-पट्टिकाएं न केवल क्षेत्र के प्राचीन इतिहास को नई रोशनी में प्रस्तुत करेंगी, बल्कि शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिए भी महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री ▶▶| शेष पेज 7 पर

15 सौ वर्ष पुरानी हैं पट्टिकाएं

लगभग 1400 से 1500 वर्ष पुरानी मानी जा रही ये ताम्र-पट्टिकाएं पांडुवंशी शासनकाल, विशेषकर महर्षि बालार्जुन के कालखंड से संबंधित महत्वपूर्ण ऐतिहासिक साक्ष्य हैं। प्राचीन ब्राह्मी लिपि और पाली भाषा में अंकित ये अभिलेख तत्कालीन शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों की अमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह खोज छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक परंपरा का सशक्त प्रमाण है।

विधायक दीपेश बने वर, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 21 जोड़ों ने लिए सात फेरे

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में रविवार को बेमेतरा विधायक दीपेश साहू अन्य जोड़ों के साथ विवाह बंधन में बंधे। कार्यक्रम में 21 जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेकर नए जीवन की शुरुआत की। समारोह को विशेष पहचान विधायक दीपेश साहू के विवाह ने दिलाई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के मंच पर आम नवयुगलों के साथ विधायक का विवाह सामाजिक समानता और सादगी का संदेश देता नजर आया। विवाह संस्कार के दौरान सभी नवदंपतियों को शासन की ओर से निर्धारित सहायता राशि और उपहार भी प्रदान किए गए। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कार्यक्रम में शामिल होने बेमेतरा पहुंचे, लेकिन अचानक बदले मौसम और कार्यक्रम की परिस्थितियों के कारण वे मुख्य समारोह स्थल तक नहीं पहुंच सके। बाद में उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में नवविवाहित जोड़ों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। आयोजन का सबसे आकर्षक दृश्य विधायक दीपेश साहू की पारंपरिक छत्तीसगढ़ी शैली में निकली बारात रही। दूल्हे के रूप में विधायक बैलगाड़ी पर सवार होकर विवाह स्थल पहुंचे। बैलगाड़ी की कमान स्वयं उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने संभाली। बारात में जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बड़ी संख्या शामिल हुई। छत्तीसगढ़ी लोकधुनों पर नृत्य और पारंपरिक माहौल ने पूरे आयोजन को उत्सवी स्वरूप प्रदान किया।

मुख्यमंत्री साय ने विश्राम गृह में नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

विस अध्यक्ष डॉ. रमन ने नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

सामूहिक विवाह समारोह में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं खाद्य मंत्री दयालदास बघेल भी शामिल हुए। नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को सामाजिक समरसता और जरूरतमंद परिवारों के लिए सहायक महत्वपूर्ण योजना बताते हुए इसकी सराहना की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से भी मुलाकात की।

खबर संक्षेप

पुलिया से टकराकर बाइक नीचे गिरी, युवक की मौत

अंतागढ़। अंतागढ़-आमाबेड़ा मुख्य मार्ग पर बांध मोड़ पुलिया के पास दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि बाइक पुलिया से टकराने के बाद सीधे नीचे जा गिरी। शिकायत पर पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए विवेचना में लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुसागांव निवासी शनिराम कावड़े 30 मई की शाम अपने साथी अनुज कोर्राम के साथ धौड़ाई से घर लौट रहा था। उसी दिन रात करीब साढ़े नौ बजे दोनों लोहत्तर चौक पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात कुछ दोस्तों से हुई। दोस्तों के आग्रह पर वे ग्राम तुसकाल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकल पड़े। बाइक अनुज कोर्राम चला रहा था। रात करीब 10 बजे जब उनकी बिना नंबर की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल अंतागढ़-आमाबेड़ा मुख्य मार्ग पर स्थित बांध मोड़ पुलिया के पास पहुंची, तभी चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया।

तूफान से गार्डन के पेड़ों में लगी आग, सकते में लोग

राजनांदगांव। शहर के मां शीतला मंदिर परिसर के समीप स्थित नेहरू उद्यान में शनिवार रात लगभग 8.30 बजे के करीब हवा-तूफान के बीच पाम के वृक्षों में भीषण आगजनी हो गई। एक के बाद एक कई वृक्ष इसकी चपेट में आ गए। तेज हवाओं के बीच आग की लपटे बढ़ती चली गई। जिससे आसपास क्षेत्र में आगजनी को लेकर घंटों दहशत का माहौल बना रहा। मां शीतला मंदिर परिसर के सामने स्थित गार्डन में अचानक पाम के ऊंचे वृक्ष में आग जलती हुई दिखाई दी। कुछ ही मिनट में तेज हवा के चलते आसपास के अन्य वृक्षों में भी आग लग गई। तेज हवाओं की वजह से आग की लपटे धूं-धूं कर फैलने लगी और चिंगारी दूर तक हवा में उड़ती हुई दिखाई दी। जिससे आसपास के निवासी दहशत में आ गए।

ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

महासमुंद। जिले की पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सट्टा का संचालन नागपुर से किए जाने की जानकारी मिली है। पुलिस ने बताया कि थाना सांकरा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि भगतदेवरी में नरेश निषाद की दुकान में नरेश निषाद एवं मनोहर मांझी आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खेला जा रहा है। इसके बाद छापा मारकर आरोपी नरेश निषाद, मनोहर मांझी के मोबाइल फोन की जांच की गई। आरोपियों ने बताया कि नागपुर के मधुसूदन से बात कर आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा लगाते थे एवं हार जीत का पेमेंट लोकल व्यक्ति के माध्यम से प्राप्त किया जाता था। फोन-पे के माध्यम से भी ग्राहकों से पैसे लिए जाते है।

प्रशासन ने जारी किए आदेश, जांच के बाद होगी कार्रवाई

गलत मेडिकल रिपोर्ट और थाने में प्रताड़ना की जांच करेंगी दो समितियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

सोमनी क्षेत्र में एक नाबालिग से जुड़े विवादित प्रकरण में अब जिला प्रशासन एक्शन लेने की तैयारी में है। कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी जितेन्द्र यादव ने इस मामले की जांच के लिए दो अलग-अलग जांच दल गठित कर दिए हैं। समितियों द्वारा पुलिस कर्मियों द्वारा नाबालिग के साथ की गई मारपीट और प्रताड़ना के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोमनी द्वारा गलत मेडिकल रिपोर्ट जारी किए जाने की सूक्ष्मता के साथ जांच की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव के सोमनी क्षेत्र से पुलिस और स्वास्थ्य व्यवस्था को शर्मसार करने वाली एक बेहद गंभीर लापरवाही सामने आई है। एक चौदह वर्षीय नाबालिग बच्ची अपने स्वास्थ्यगत समस्या से परेशान थी। इसी परेशानी के चलते परिजनों ने सोमनी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बच्ची के खून की जांच कराई थी। जांच के दौरान वहां के डॉक्टरों ने बच्ची का यूरिन टेस्ट भी किया और उसे दो महीने की गर्भवती बता दिया। इस रिपोर्ट के बाद जब परिजनों ने महज चौबीस घंटे के भीतर जिला अस्पताल में दोबारा जांच कराई तो वहां रिपोर्ट निगेटिव आई। इस बीच सोमनी पुलिस द्वारा नाबालिग के साथ अपराधी मानकर ऐसा कृत्य किया गया। जिससे पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े हो गए है। रातभर थाने में नाबालिग की पिटाई भी की गई।

बाल संरक्षण आयोग ने भी लिया संज्ञान

सोमनी में हुए इस मामले की गूंज राजधानी तक पहुंच गयी है। बाल संरक्षण आयोग ने मामले को संज्ञान में ले लिया है। आयोग की अध्यक्ष के एक दो दिनों के भीतर परिजनों के घर पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके बाद पुलिस से इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली जाएगी। इधर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी इस मामले में राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

थाने में मारपीट की जांच करेंगे एडीएम

प्रशासन ने सोमनी थाने में पुलिस कर्मियों द्वारा नाबालिग के साथ की गई मारपीट और दुर्व्यवहार की जांच के लिए एडीएम सीएल मार्कण्डेय की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की है। जिसमें संयुक्त कलेक्टर शीतल बसंत, एसडीएम गौतमचंद पाटिल और सीएसपी अलेक्जेंडर किरो को शामिल किया गया है। प्रशासन ने तत्काल जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

होगी कार्रवाई

पूरे मामले की जांच के लिए दो अलग-अलग समितियां गठित कर दी गई है। इस प्रकरण में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- जितेन्द्र यादव, कलेक्टर

एफआईआर दर्ज करने की परिजनों ने उठाई मांग

नाबालिग की गलत मेडिकल रिपोर्ट जारी किए जाने और थाने में की गई मारपीट और प्रताड़ना के मामले में परिजनों द्वारा दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की गई है। वहीं शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार का कहना है कि यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कार्रवाई के लिए अल्टीमेटम भी दे दिया है। अब इस मामले में एक्शन का इंतजार किया जा रहा है।

सीएमएचओ करेंगे रिपोर्ट की जांच

प्रशासन ने सोमनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा नाबालिग के स्वास्थ्य परीक्षण में बरती गई लापरवाही की जांच के लिए भी एक पृथक से समिति का गठन किया है। जिसमें सीएमएचओ डॉ. नेतराम नवरतन, डीपीएम संदी ताम्रकार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तरूण कोठारी, पैथोलाजिस्ट डॉ. अनुजा भार्गव तिवारी को शामिल किया गया है।

कोर्ट ने अपना पुराना आदेश वापस लेते हुए याचिका पर सुनवाई के लिए दुबारा बहाल किया

महिला डाक्टर ने हाईकोर्ट में पेश किया फर्जी सर्कुलर बाद में माफी मांगी

हरिभूमि न्यूज : बिलासपुर

संविदा नियुक्त एक महिला आयुर्वेदिक डॉक्टर की नियमितीकरण की मांग को लेकर दायर याचिका मामले में हाईकोर्ट ने अपना ही आदेश वापस ले लिया है। दरअसल, मामले में याचिकाकर्ता महिला डॉक्टर ने सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष एक सर्कुलर पेश किया। बाद में पता चला कि सर्कुलर पूरी तरह फर्जी था। महिला डॉक्टर को अपनी गलती का अहसास हुआ और कोर्ट में एक रिव्यू पिटिशन दायर करते हुए कोर्ट से माफी मांगी, जिस पर कोर्ट ने अपना पुराना आदेश वापस लेते हुए याचिका पर सुनवाई के लिए उसे दुबारा बहाल किया। याचिका के मुताबिक बलौदाबाजार-भाटापारा के मोपका प्राथमिक स्वास्थ्य आयुष केंद्र में संविदा पर कार्यरत आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. ममता मिश्रा ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने 28 मई 2010 को जारी सरकारी सर्कुलर पेश किया,इसमें संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण पर विचार करने के निर्देश दिए गए थे। याचिका में सेवाकाल के 18 साल पूरा करने की बात कही गई। लिहाजा नियमितीकरण के लिए खुद को पात्र बताया।

अंतरिम राहत हो गई खत्म

हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए बीते 5 जनवरी को याचिकाकर्ता को अभ्यावेदन करने और संबंधित अधिकारियों को 4 महीने के भीतर अंतिम फैसला लेने कहा था। कोर्ट के निर्णय के बाद पता चला कि पेश सर्कुलर ही फर्जी है। महिला डॉक्टर ने अपनी चूक स्वीकारते हुए हाईकोर्ट में रिव्यू पिटिशन दायर की। हाईकोर्ट ने केस को दुबारा बहाल कर दिया है, जिससे याचिकाकर्ता को मिली अंतरिम राहत खत्म हो गई है।

सुकमा जिले में चौथे दिन 60 गांवों में बिजली की गई बहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर संभाग अंतर्गत सुकमा जिले में 28 मई की दोपहर को आंधी, तूफान एवं बारिश से विद्युत लाइन की तबाही हुई, जिससे उपभोक्ताओं परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे 11 केवी के 34, एलटी के 60 यानि 94 पोल टूट गए और छिंदगढ़, नेतानार, कूकानार, गादीरास व तोंगपाल उपकेंद्र बंद रहे। विद्युत कंपनी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अशोक कुमार गुप्ता, अधीक्षण अभियंता केव्ही मैथ्यू, सुकमा के कार्यपालन अभियंता एचके ध्रुव के नेतृत्व में सहायक, कनिष्ठ अभियंताओं के साथ कर्मचारियों के प्रयास से बंद उपकेन्द्रों की सप्लाई शुरू की। 117 गांवों में से 52 गांव तीसरे दिन बिजली बहाल हो सकी। साथ ही चौथे दिन रविवार को 60 गांव में बिजली बहाल होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली, वहीं 5 गांव की बिजली अभी भी बंद है। अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता के नेतृत्व में कर्मचारी बंद बिजली को बहाल करने में जुटे हुए हैं।

लोग कर रहे रतजगा

लाइट गुल होने से गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि कभी थोड़ी बहुत राहत मिल जाती है। लेकिन रात का रतजगा करना पड़ रहा है। उमस और गर्मी से कारण थोड़ी- थोड़ी देर में नींद टूट जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आज बिजली बहाल हो जाएगी तो राहत मिलेगी।

5 गांव में आज बहाल होगी बिजली

विद्युत कंपनी जगदलपुर वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री मैथ्यू ने बताया कि 5 गांवों की विद्युत लाइन को सुधारने में कर्मचारी जुटे हुए है, सोमवार को बंद बिजली बहाल होगी।

कई मकानों के छप्पर उड़े, 12 घंटे बाद जली लाइट

मैनपुर। गरियाबंद जिले के देवभोग क्षेत्र में शनिवार दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज आंधी-तूफान और भीषण अंधड़ के चलते अंचल के सैकड़ों गांवों में बिजली गुल हो गई, जो करीब 12 घंटे बाद अगले दिन रविवार को बहाल हो पाई। इस अंधड़ ने जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत दी, वहीं ग्रामीण इलाकों में भारी तबाही मचाई है। आंधी के कारण कई कच्चे मकानों के छप्पर उड़ गए और कुछ घरों के ऊपर विशाल पेड़ गिर गए, जिससे ग्रामीणों को रातभर भीषण उमस और अंधेरे में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अंधड़ का सबसे ज्यादा असर ग्राम झाखरपारा में देखने को मिला। यहाँ अचानक आए चक्रवाती तूफान ने तबाही मचाते हुए ग्रामीण रघुराम, गाडाराम, रसिकराज, गणेश राम, देवीसिंह और कृष्णचंद के मकानों के छप्पर (कवेलू और शेड) उड़ा दिए। हवा की रफ्तार इतनी तेज थी कि कवेलू ताश के पत्तों की तरह उड़ने लगे। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए पीड़ित परिवारों ने तुरंत अपने घरों से निकलकर पड़ोस के पक्के मकानों में शरण ली। इस अफरा-तफरी के दौरान एक ग्रामीण के सिर पर कवेलू गिरने से वह चोटिल भी हो गया।

सोने के झुमके गिरवी रख 1.5 लाख गबन करने वाली महिला गिरफ्तार

जगदलपुर। कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में सोने के झुमके गिरवी रखकर लगभग 1.5 लाख रुपये गबन करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने वर्ष 2024 में अपनी बेटी के इलाज के लिए पैसों की आवश्यकता होने पर सोने के झुमके सूरज नागवानी को तौल करवाने के लिए दिए थे, ताकि उनकी बिक्री से राशि प्राप्त की जा सके। सूरज ने अपनी मां नीतू नागवानी के साथ मिलकर उक्त झुमकों को किसी अन्य व्यक्ति के पास गिरवी रख दिया और प्राप्त राशि का स्वयं उपयोग कर लिया। प्रार्थी ने अपने झुमके वापस मांगे, तो आरोपियों ने टालमटोल करना शुरू कर दिया और न तो झुमके लौटाए, न ही पैसे दिए। मामले की शिकायत कोतवाली थाना में दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान आरोपी नीतू नागवानी लगातार गुमराह करती रही और साक्ष्य छुपाने के साथ-साथ विवेचना में सहयोग नहीं किया।

दो दिन, दो रात खनिज विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई

खरेंगा में निकले कंकालों से जागे अफसर, ग्रामीणों में अब भी दहशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

खरेंगा में अवैध रेत उत्खनन से निकलने वाले कंकाल का भूत मानो माइनिंग अधिकारियों पर समा गया है। इस घटना के बाद माइनिंग पर उठे सवालों के बाद खनिज विभाग की टीम इस कदर एक्शन में आ गई है कि दिन रात ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरु कर दी है। महज दो दिन और दो रात में 17 ट्रैक्टरों और 4 हाइवा पर जब्ती की कार्रवाई की है। माइनिंग के एक्शन से रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है। गत दिनों ग्राम खरेंगा स्थित महानदी के श्मशान में अवैध रेत उत्खनन से वहां दफन 10 कंकाल बाहर आ गए थे जिससे गांव में भारी आक्रोश पनप गया। इस संवेदनशील मामले से माइनिंग विभाग की जमकर छिछालेदर हुई। विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने के बाद दानीटोला, कोलियारी, भोयना, मथुरा आदि गांवों से सौ से अधिक चक्रधारी परिवार मिट्टी की लाल ईंट का निर्माण कर आजीविका चलाते हैं।

ईंट बनाने की छूट, परिवहन करने पर हो रही कार्रवाई

दानीटोला, कोलियारी, भोयना, मथुरा आदि गांवों से सौ से अधिक चक्रधारी परिवार मिट्टी की लाल ईंट का निर्माण कर आजीविका चलाते हैं। कोलियारी में अपने परिवार के साथ ईंट निर्माण करने वाले धनीराम चक्रधारी बताते हैं कि शासन उनके पारम्परिक रोजगार को देखते हुए 10 लाख ईंट बनाने की छूट देता है, लेकिन इसके परिवहन पर कोई राहत नहीं है। लगातार हो रही माइनिंग की कार्रवाई से ईंट बेचना मुश्किल हो गया है। ईंट परिवहन कर रहे ट्रैक्टरों की लगातार धरपकड़ से चक्रधारी परिवार सकते में हैं।

शहर में रेत सप्लाई बाधित

सुभाष नगर, शीतलापारा निवासी मनोज ध्रुव, संतोष पटेल, जसपाल पटेल ने बताया कि आवास निर्माण का कार्य जारी है। पिछले दो दिन से रेत की आपूर्ति नहीं होने से काम रूक गया है। हालत यह हो गई है कि हजार, ग्यारह सौ रुपए में मिलने वाली ट्रैक्टर ट्राली रेत की कीमत 1400 से 1500 रुपये हो गई है। आवास निर्माताओं का कहना है कि अवैध रेत उत्खनन परिवहन पर जमकर कारवाई करें लेकिन वैध परिवहन का भी आप्शन होना चाहिए। वैध रेत परिवहन के लिए शहर के आसपास ऐसी कोई भी खदान नहीं है जहां से रायल्टी के साथ बिना किसी रोक-टोक के रेत का परिवहन कर सके।

42 डिग्री की तपिश में बिना सेफ्टी बेल्ट पोल पर चढ़ने की मजबूरी

बिना हेलमेट और टूल बॉक्स के काम कर रहे लाइनमैन, मंडरा रहा हादसों का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

भीषण गर्मी में लोगों को राहत दिलाने 42 डिग्री तापमान में भी बिना रूके लगातार कम कर रहे विघुत कर्मचारियों का जज्बा वाकई प्रेरणा दायक और सराहनीय है अपनी जान जोखिम में डालकर और लगातार पसीना बहाकर यह कर्मचारी निर्बाध विघुत आपूर्ति सूनिश्चित करने कार्य करते दिख रहे है ताकि लाखो लोग इस भीषण गर्मी में अपने घरो में आराम से कुलर और पंखा में आराम कर सके। ग्रामीण इलाको में लगाए गए बिजली के तार और कलपूर्जे कई जगह बेहद पुराना होने के कारण जर्जर और दयनीय स्थिति में जिसके कारण हवा, आंधी तुफान के साथ गर्मी में लगातार बिजली उपकरण फाल्ट हो रहे है जगह–जगह बिजली के तार टूट रहे है लेकिन बिजली विभाग के कर्मचारी इस 42 डिग्री तापमान में जान जोखिम में डालकर दिन रात किसी भी समय सुधार कार्य करते नजर आ रहे है।

बिना सेप्टी खम्भों पर चढ़ रहे विद्युतकर्मी

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर एवं क्षेत्र में विद्युत कर्मी बिना सेफ्टी बेल्ट के पोल पर चढने को मजबूर है जिससे कभी भी बडी दुघर्टना हो सकती है। इतना ही नहीं विद्युत कर्मियों को कई वर्षो से वर्दी, हेल्मेट एवं टूल बाक्स नहीं मिला है, इस क्षेत्र में विभाग व कंपनी के द्वारा लगभग दो दर्जन विद्युल लाईनमेंन एवं सहायक लाईमेन तथा अन्य कर्मचारी पदस्थ है लेकिन आज तक इन्हे पार्यप्त सुरक्षा संसाधन सेफ्टी बेल्ट सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराया गया है।

बोलने पर विभागीय गाज गिरने का डर

विद्युत कंपनी ने पदस्थ कुछ कर्मियो नें बताया की सेफ्टी बेल्ट, वर्दी, टुल बाक्स, हेल्मेंट के अभाव में लाईन का काम करना पड रहा है। सामग्री के नहीं होने पर कार्य के दौरान हो रही परेशानी के विषय किससे कहे कुछ बोलने पर विभागीय गाज गिरने का डर लगा है इसलिए अपने -अपने से आला अधिकारियों को परेशानियों की जानकारी भी नहीं दे पाते। दुसरी तरफ बिजली विभाग के निजीकरण होने के कारण ठेकेदार के द्वारा भी अपने वेतन के अनुसार ही लडको की भतऍ किया गया है।

सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कार्यभार संभालते ही कहा- स्वदेशी हथियारों के विकास और तीनों सेनाओं के इंटीग्रेशन पर तेजी से करेंगे काम

एआई फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान और चीन मामलों के एक्सपर्ट के रूप में मशहूर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्हें महत्वाकांक्षी मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान को लागू करने और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने का प्राथमिक दायित्व दिया गया है। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है, जिन्होंने शनिवार को देश के सर्वोच्च सैन्य कमांडर के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद को छोड़ा है। बता दें कि मिलिट्री थिएटराइजेशन प्लान भारतीय सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) को एक साझा भौगोलिक क्षेत्र के तहत एकीकृत करने की एक महत्वाकांक्षी रक्षा सुधार योजना है। इसके तहत वर्तमान में अलग-अलग काम करने वाली 17 सिंगल-सर्विस कमानों को मिलाकर तीन प्रमुख एकीकृत थिएटर कमांड में तब्दील किया जा रहा है, ताकि युद्ध या आपातकाल के समय तीनों सेनाएं एक ही कमांडर के नेतृत्व में मिलकर त्वरित और अचूक कार्रवाई कर सकें।

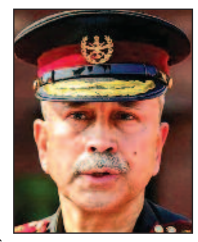

एडमिरल कृष्णा ने संभाला नौसेना प्रमुख का पदभार

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने रविवार को भारतीय नौसेना के 27वें प्रमुख के रूप में आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्हें साउथ ब्लॉक परिसर में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लिया है, जो इसी दिन अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं। रिटायरमेंट से पहले एडमिरल त्रिपाठी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। 1 जुलाई 1987 को नौसेना में कमीशन प्राप्त करने वाले एडमिरल स्वामीनाथन संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली के विशेषज्ञ माने जाते हैं।

स्वदेशी हथियार पर रहेगा जोर

सीडीएस जनरल सुब्रमणि ने यह भी कहा, हम अपने सशस्त्र बलों में स्वदेशी हथियार सिस्टम के डेवलपमेंट, उनको सेना में शामिल करने और सेनाओं के एकीकरण की दिशा में में तेजी काम करेंगे। हमारी सेनाओं ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा में लगातार प्रोफेशनलिस्म और निर्णायक क्षमता का प्रदर्शन किया है। हम अपने भारत की संप्रभुता बनाए रखने और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साहस के साथ करेंगे देश की सेवा

जनरल सुब्रमणि ने आगे कहा, 'मैं भारत के नागरिकों को आश्वासन देना चाहता हूं कि सशस्त्र बल, समर्पण, साहस, सम्मान और प्रोफेशनलिस्म के साथ देश की सेवा करना जारी रखेंगे।

सीडीएस को अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों का है अनुभव

अपने 40 साल से ज्यादा के करियर में, जनरल सुब्रमणि ने अलग-अलग तरह के संघर्षों और भू-भागों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साथ ही, कमांड, स्टाफ और प्रशिक्षण से जुड़े कई पदों पर रह चुके हैं। जनरल सुब्रमणि ने 1 जुलाई, 2024 से 31 जुलाई, 2025 तक सेना के उप प्रमुख के तौर पर और मार्च, 2023 से जून, 2024 तक सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया है।

खबर संक्षेप

मोदी दमन व सूरत में परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे

सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच जून को गुजरात के सूरत में 18,000 करोड़ की लागत वाली परियोजनाओं और केंद्र शासित प्रदेश दमन में एक हवाई अड्डे का उद्घाटन और आधारशिला रखेंगे। सूरत के जिलाधिकारी तेजस परमार ने बताया कि मोदी अपराह्न लगभग 2.45 बजे सूरत पहुंचेंगे, जहां वह हजीरा क्षेत्र में एक औद्योगिक संयंत्र का दौरा करेंगे। इसके बाद, वह सूरत के इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

नौ हजार फुट की ऊंचाई पर सैनिकों ने किया योग

ईटानगर। भारतीय सेना के जवानों ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के शि-योमी जिले में समुद्र तल से लगभग नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित पसांग सोनम झील तट पर योग सत्र में भाग लिया। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले चल रहे महीनेभर के कार्यक्रमों के तहत किया गया। एक विज्ञप्ति के अनुसार, अग्रिम क्षेत्रों में तैनात सैनिकों ने उत्साहपूर्वक योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। इस अवसर पर सैनिकों के लिए योग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया गया कि इससे शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक दृढ़ता और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

फरवरी में बनी थी ट्रेड डील की रूपरेखा

भारत-अमेरिका के बीच फाइनल ट्रेड डील: आज से बैठक, टैरिफ-तेल और रक्षा समझौतों पर लगेगी मुहर?

दोनों देश पहले चरण के अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यापक व्यापार समझौते के लिए कानूनी और नीतिगत ढांचे पर भी चर्चा करेंगे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बदला समीकरण

जानकारों ने कहा- ये प्रस्ताव भारत के हित में है

एआई फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है, अब केवल इस डील पर ऑफिशियल मुहर लगनी बाकी है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी आज यानी 1 जून से नई दिल्ली में चार दिनों तक बैठक करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी। भारत की तरफ से इस डील में नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। वहीं अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करने वाले हैं। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में कई अहम विषयों पर बातचीत होगी। भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी 2026 को एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तय की थी। इसके तहत दोनों देशों ने चरणबद्ध तरीके से व्यापारिक बाधाएं कम करने और टैरिफ में राहत देने पर सहमति जताई थी। समझौते के तहत अमेरिका ने भारत पर लगाए गए शुल्कों में कटौती करने का आश्वासन दिया था। अमेरिका ने पहले भारत से आयात होने वाले कई उत्पादों पर 50% तक शुल्क लगाया था, जिसे घटाकर 18% करने की बात कही गई थी। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25% अतिरिक्त शुल्क को भी हटाने और शेष शुल्क को 18% तक सीमित करने का प्रस्ताव था। अमेरिका की घरेलू राजनीति और टैरिफ नीति में बदलाव के कारण वार्ताओं की दिशा प्रभावित हुई। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पॉवर्स एक्ट के तहत लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को चुनौती देने वाले मामले में फैसला सुनाया। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 150 दिनों के लिए 10% समान शुल्क लागू करने की घोषणा कर दी। इस फैसले के बाद फरवरी में प्रस्तावित भारत-अमेरिका वार्ता टल गई थी।

भारत की ओर से बड़े प्रस्ताव

- भारत ने व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कई कृषि वस्तुओं पर शुल्क घटाने या समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। जिसमें डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स,
- रेड सोरघम (पशु आहार), ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स इसके बदले भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से लगभग 500 अरब डॉलर मूल्य के उत्पाद खरीदने की इच्छा जताई है। इसी तरह ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, बहुमूल्य धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद, कोकिंग कोल आदि को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।

भारत का निर्यात 87.3 अरब डॉलर पहुंचा

- अमेरिका वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर सामने आया। भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 87.3 अरब डॉलर पहुंच गया।
- अमेरिका से आयात 15.95% बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार अधिशेष घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 40.89 अरब डॉलर था।

ये हैं बातचीत के मुद्दे

- बाजार पहुंच
- गैर-शुल्क बाधाएं
- सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा
- निवेश प्रोत्साहन
- आर्थिक सुरक्षा सहयोग
- सप्लाई चेन से जुड़ी रणनीतिक साझेदारी

इजरायल ने लेबनान के ऐतिहासिक किले पर किया कब्जा

साल में सबसे बड़ी घुसपैठ, हिजबुल्लाह को बड़ा झटका

एजेंसी ▶▶ लेबनान

इजरायल की सेना ने लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले पर कब्जा कर लिया है। ये बीते 26 साल में लेबनान के अंदर इजरायल की सबसे बड़ी घुसपैठ है। इजरायली सेना की ओर से जारी तस्वीरों और वीडियो में किले पर इजरायली झंडे लहराते दिखाई दिए हैं। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि सेना ने कई दिनों तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद यह कामयाबी हासिल की है। ब्यूफोर्ट किला दक्षिणी लेबनान में 700 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना है। इसी वजह से इसका रणनीतिक महत्व भी है। इसका निर्माण 12वीं सदी में क्रूसेडर्स ने किया था। 1190 में मुस्लिम शासक सलाउद्दीन अय्यूबी ने इस पर कब्जा कर लिया था। 1982 में इजरायल के लेबनान पर हमले के दौरान भी इजरायल ने इस किले पर कब्जा कर लिया था। साल 2000 में इजराइल के लेबनान से हटने के बाद किला फिर लेबनान के नियंत्रण में आ गया।

नेतन्याहू बोले- ये बहुत बड़ा कदम

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने इजरायली सेना को लेबनान में अपना अभियान बढ़ाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, ब्यूफोर्ट किले पर कब्जा एक बहुत बड़ा कदम है, और जिस नीति का हम नेतृत्व कर रहे हैं, उसमें यह एक बड़ा बदलाव है। हम सभी मोर्चों पर सक्रिय हैं- सीरिया, गाजा और लेबनान में। हमने अपने समुदायों की सुरक्षा के लिए अपनी सीमाओं के पार सुरक्षा घेरे स्थापित किए हैं।

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

शहडोल में दिल दहला देने वाली घटना

मां ने तीन मासूम बेटियों के साथ जहर खाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहडोल

जिले के पपौंध थाना क्षेत्र के हिरवाह गांव से एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां ने अपनी तीन मासूम बेटियों को कीटनाशक देने के बाद खुद भी जहर खाकर जान दे दी। इस सामूहिक आत्महत्या कांड में चारों की दर्दनाक मौत हो गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी और मातम का माहौल है। मृतका की पहचान अनीता सिंह के रूप में हुई है, जो हिरवाह गांव में अपनी 7 एकड़ जमीन पर बने प्रधानमंत्री आवास में रहती थी। उसके साथ उसकी तीन बेटियां अर्पिता (7 वर्ष), कृष्णकुमारी (4 वर्ष) और रितिका (2 वर्ष) थीं। अनीता का पति पेशे से ट्रक ड्राइवर है और आजीविका के लिए हैदराबाद में रहता था। यह परिवार मूल रूप से तिखवा गांव का निवासी है। घटना के समय घर में कोई अन्य वयस्क सदस्य मौजूद नहीं था। पपौंध थाना प्रभारी बृजेंद्र मिश्रा ने बताया कि घटना के बाद जब ग्रामीणों और पुलिस की मदद से चारों को अस्पताल ले जाया गया, तब तक अनीता और दो बच्चियों की सांसें थम चुकी थीं। हालांकि, एक बच्ची उस वक्त जीवित थी।

सूने घर में क्यों उठाया आत्मघाती कदम, पता नहीं चला

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वेश्यावृत्ति कर रही हर महिला 'मजबूर' नहीं, उनकी राय सुनें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि वेश्यावृत्ति में लगी हर महिला को मजबूर मानकर उसे पुनर्वास केंद्र में भेज देना गलत है। कोर्ट ने कहा है कि बहुत सी महिलाएं स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। अगर महिला वयस्क है तो बिना उसकी मर्जी जाने उसे पुनर्वास केंद्र में भर्ती कर देना गलत होगा। प्रज्वला बनाम भारत सरकार' मामले में जस्टिस जेबी पारडीवाला और आर महादेवन की बेंच ने यह बड़ा फैसला दिया है। अर्जी में वेश्यावृत्ति से मुक्त की गई महिलाओं के पुनर्वास की व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की गई थी।

एक ही नजरिए से देखना गलत : कोर्ट ने व्यवस्था को अव्यावहारिक और पुरुषवादी सोच से ग्रस्त बताया। फैसले में कहा 'इम्मोरल ट्रेफिक प्रीवेंशन एक्ट, 1956' की धारा 17 में हर 'सेक्स वर्कर' को एक ही नजरिए से देखा जाता है। कानून में इस बात का फर्क नहीं किया जाता कि महिला से जबरन यह काम करवाया जा रहा है या वह अपनी इच्छा से इसे कर रही है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं स्पेशलिस्ट : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी, खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), लिवर व किडनी रोग, थाइरॉयड सर्जरी, ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

चिंतन

सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़े सुविधाओं का दायरा

भारत-बांग्लादेश सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में फेंसिंग का कार्य शुरू होना केवल सुरक्षा का मामला नहीं है, बल्कि वहां रहने वाले लाखों लोगों के जीवन में स्थिरता और विश्वास लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। लंबे समय से सीमा के कई हिस्सों में बाड़ नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को घुसपैठ, तस्करी, फसल चोरी और सुरक्षा संबंधी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। अब जब सीमा पर कंटीले तार लगाने और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की प्रक्रिया शुरू हुई है, तो लोगों में नई उम्मीद जगी है। चुनाव के कारण क्षेत्र में ठप पड़े कामों पर अब एक्शन शुरू हो चुका है। भाजपा की नई सरकार बंगाल में विकास के वादे के साथ आई। लोगों को उम्मीद है कि अब यहां सुरक्षा के साथ सुविधाएं भी मिलेंगी। मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार स्थित सकारपाड़ा गांव की स्थिति इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती है। लगभग चार हजार आबादी वाले इस गांव के अधिकांश लोग खेती पर निर्भर हैं। यहां घरों के बाद सीधे खेत शुरू हो जाते हैं और खेतों के बाद बांग्लादेश की सीमा आ जाती है। वर्षों से स्थानीय किसानों की शिकायत रही है कि सीमा पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण उनकी फसलें नुकसान का शिकार होती रही हैं। बंगाल की बांग्लादेश के साथ करीब 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जो किसी भी भारतीय राज्य की सबसे लंबी सीमा मानी जाती है। इसके बावजूद करीब 600 किलोमीटर क्षेत्र ऐसा है, जहां अब तक फेंसिंग का कार्य अधूरा रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार भारत-बांग्लादेश सीमा के अधिकांश हिस्से में बाड़ लग चुकी है, लेकिन शेष क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से चुनौती बना हुआ है। ऐसे में सीमावर्ती जिलों में फेंसिंग का विस्तार समय की मांग है। हाल के दिनों में नई राज्य सरकार द्वारा बीएसएफ को भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज की गई है। जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलिगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में जमीन हस्तांतरण और सुरक्षा ढांचे के विकास का कार्य शुरू हुआ है। यह कदम सीमा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा। बीएसएफ आउटपोस्ट, निगरानी तंत्र और फेंसिंग के माध्यम से अवैध घुसपैठ तथा तस्करी पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। हालांकि केवल बाड़ लगाना ही पर्याप्त नहीं होगा। सीमावर्ती क्षेत्रों की सबसे बड़ी समस्या विकास और सुविधाओं का अभाव भी है। इन इलाकों में सड़क, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, सिंचाई और रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ-साथ इन क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। यदि सीमावर्ती गांवों के युवाओं को रोजगार, किसानों को बेहतर बाजार और ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी, तभी सुरक्षा उपायों का वास्तविक लाभ समाज तक पहुंचेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासी देश की सुरक्षा व्यवस्था का पहला मानवीय चेहरा होते हैं। इसलिए उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना राष्ट्रीय हित का विषय है। फेंसिंग से जहां सुरक्षा बढ़ेगी, वहीं सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीणों की खेती, आवागमन और दैनिक जीवन प्रभावित न हो। इससे घुसपैठ और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण मजबूत होगा तथा स्थानीय लोगों में सुरक्षा का भाव बढ़ेगा, लेकिन इस प्रक्रिया की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब सीमावर्ती गांवों में रहने वाले नागरिकों को सुरक्षा के साथ-साथ विकास, सुविधाएं और बेहतर जीवन के अवसर भी प्राप्त होंगे।

शिक्षा नीति
अखिलेश आर्येन्दु

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9 से त्रिभाषा सूत्र लागू करने का फैसला किया है। इसका मकसद इससे बच्चों में भाषाई, राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना है। हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करने की मांग भी दशकों से होती रही है। वहीं, दक्षिण में (तमिलनाडु) में हिंदी के विरोध से चुनाव जीते जाते रहे हैं। कुछ खास दलों द्वारा किया गया हिंदी का विरोध शिक्षण संस्थानों और राज्य के मान-सम्मान से भी जोड़ने का कार्य किया गया। देश प्रथम का नारा का मतलब- स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म और स्वदेशी वस्तुओं को अहमियत देने से है, तभी भारत दुनिया का हर तरह से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अभिनंदनीय होगा।

त्रिभाषा से होगा राष्ट्र चेतना का जागरण

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9 से त्रिभाषा सूत्र लागू करने का फैसला किया है। इसका मकसद इससे बच्चों में भाषाई, राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना है। गौरतलब है भारत में भाषा का मुद्दा आजादी के बाद से ही चर्चा का विषय रहा है। खासकर हिंदी एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में लागू करने और उसे सम्मान के साथ सीखने का मुद्दा राजनीति के गलियारों में समर्थन व विरोध के रूप में जाना गया है। उत्तर भारत में हिंदी और उसकी बोलियों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है। हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करने की मांग भी दशकों से होती रही है। वहीं, दक्षिण में (तमिलनाडु) में हिंदी के विरोध से चुनाव जीते जाते रहे हैं। कुछ खास दलों द्वारा किया गया हिंदी का विरोध शिक्षण संस्थानों और राज्य के मान-सम्मान से भी जोड़ने का कार्य किया गया।

त्रिभाषा सूत्र शिक्षण संस्थानों में लागू करने की पहल छह दशक पूर्व की गई थी, लेकिन छात्रों में अपनी मातृभाषा के प्रति लगाव नहीं पैदा हुआ। इसकी वजह भारतीय भाषाओं की अपेक्षा अंग्रेजी को ज्यादा तरजीह देना रहा है। केंद्र सरकार ने इस कमी को समझा और एनसीईआरटी ने सत्र 2026-27 में 9वीं कक्षा में त्रिभाषा फार्मूला लागू करने का निर्देश जारी किया है। गौरतलब है त्रिभाषा सूत्र का फार्मूला कोठारी आयोग ने छह दशक पूर्व दिया था, जिसे कोठारी आयोग के नाम से जाना जाता है। इसे त्रिभाषा सूत्र (फार्मूला) कहा जाता है। वक्त-दर-वक्त इसमें संशोधन किए जाते रहे। 2020 के नई शिक्षा नीति के तहत इसे लागू करने का प्रस्ताव किया गया। इसका मकसद बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ भाषाई, सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रवादी चेतना को बढ़ावा देने के रूप में बताया गया। नई शिक्षा नीति के इस भाषाई फार्मूले के दस्तावेज में कहा गया कि –संवैधानिक प्रावधानों, जनता, क्षेत्रों और संघ की आकांक्षाओं, बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए-त्रिभाषा फार्मूला लागू रहेगा। साथ में यह भी स्पष्ट किया गया कि त्रिभाषा फार्मूला अधिक लचीला होगा और किसी भी राज्य में कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी। देश के हर बच्चे को यह सहुलियत होगी कि वह अपने राज्य, क्षेत्र और रुचि के मुताबिक कोई भी दो भाषा पढ़े, जो भारतीय हों।

नई शिक्षा नीति के अनुसार (एनईपी 2020) छात्र भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के अलावा कोरियाई, स्पेनिश, जापानी, जर्मन और फ्रेंच जैसी कोई भी भाषा रुचि के अनुसार सीख सकेगा। नई पीढ़ी में भाषाई अभिरुचि के विकास के साथ सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना के जागरण के प्रयास में एनसीईआरटी लगा हुआ है। दो भारतीय भाषा सीखने से छात्र जहां भारतीय सांस्कृतिक विविधता और भाषाओं की अहमियत को समझ सकेगा वहीं पर भारत की ज्ञान परंपरा और लोक धर्म को भी समझ सकेगा। गौर तलब है भाषा महज शिक्षा प्राप्त करने का माध्यम या विषय ही नही है, बल्कि उस भाषा में सृजित साहित्य, ज्ञान, परंपराओं के साथ उसमें चिंतन की प्रवृत्ति भी विकसित होगी। आजादी के सतहत्तर साल बाद भारत के राजनीतिक दलों में भाषा के मुद्दे पर एक समान चिंतन या समझ पैदा नही हो पाई है।

इसका परिणाम यह दिखाई दे रहा है कि देश में राष्ट्र भाषा या राष्ट्रीय भाषा की अहमियत और समझ विकसित नहीं हो पाई है। जो लोग 2020 की शिक्षा नीति और 9वीं में लागू होने वाली त्रिभाषा शिक्षा नीति को अपने राजनीतिक स्वार्थ की वजह से विरोध कर रहे हैं, उनका विरोध न केवल छात्र के मानसिक और सामाजिक चेतना के विकास में अवरोधक है, बल्कि राष्ट्रीय भाषाई एकता को सबल बनाने की कोशिश पर प्रतिघात जैसा है। भारत आर्थिक रूप से भले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनने की दिशा में दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रहा हो, लेकिन राष्ट्र एकता की आधार भाषाई एकता के मामले में सबसे पीछे है।

गौरतलब है कि एनसीईआईआरटी ने हर क्षेत्र और हर तरह के छात्रों-छात्राओं के हित को ध्यान में रखकर इसे लागू किया है। विदेशी छात्रों, दिव्याग छात्रों और दूसरे तरह के छात्रों को इस फार्मूला से कोई दिक्कत आने वाली नहीं है। यानी शैक्षिक सहजता, मानसिक संतुलन और व्यावहारिक जरूरतों को इससे पूर्ति हो पाएगी। बोर्ड ने त्रिभाषा सूत्र के हर बिंदु और नजरिए पर शिद्दत के साथ गौर किया है। आजादी के वक्त और उसके बाद राष्ट्र भाषा का मुद्दा हल नहीं किया गया, जिसका परिणाम हुआ कि भारत की कोई राष्ट्र भाषा संविधान में इंगित नहीं हो पाई। जब कि हिंदी राष्ट्र भाषा बनने की हकदार थी और है, क्योंकि यह सभी भाषाओं से अधिक क्षेत्रफल में और सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली, लिखी और समझी जाने वाली भाषा है। यह चूक या भूल आज तक ठीक नहीं हो पाई है। वरना कोई वजह नहीं कि त्रिभाषा सूत्र पर बेमतलब विरोध किया जाता। किसी भी देश की राष्ट्र भाषा उस देश की आत्मा होती है, क्योंकि राष्ट्र रूपी शरीर में दिल आत्मा रूपी प्राण-वायु से ही धड़कता है। सनातन से भारत में भाषा दिल की धड़कन रही है। वह चाहे संस्कृत, पाली, प्राकृत रही हो या तमिल, कन्नड़ या पंजाबी रही हो। सभी भाषाओं में विपुल साहित्य लिखा गया। इसलिए दक्षिण से यदि त्रिभाषा फार्मूले का विरोध दिखता है तो बेहद अफसोस और चिंता होती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अधिक से अधिक भाषा सीखने से व्यक्ति की मानसिक, बौद्धिक, तार्किक, रचनात्मकता, वैज्ञानिकता और संवेदनात्मकता, समीक्षात्मक शक्ति और सहज चिंतन का विकास होता है। विडम्बना यह है कि गुलामी की भाषा अंग्रेजी हमारे रग-रग में इस तरह घुसपैठ कर चुकी है कि अपनी मातृभाषा पर भी ध्यान देना भूल गए हैं। फिर अपनी मातृभाषा पर गर्व कैसे करेंगे? यह नहीं कहा जा रहा है कि अंग्रेजी को छोड़ हिंदी या दूसरी भारतीय भाषाओं को सीखो। हमारा कहना बस इतना है कि मातृभाषा को भी उतनी ही अहमियत देनी होगी जितनी अंग्रेजी को। आजादी के अमृत काल में देश के युवा वर्ग के साथ-साथ शिक्षकों, समाज सेवियों, अभिभावकों, भाषा और शिक्षाविदों, समाज सुधार करने वाले संगठनों और राष्ट्रधर्मियों को सरकार के इस भाषाई पहल का समर्थन ही नहीं करना चाहिए, बल्कि इसकी जरूरत को त्रिभाषा फार्मूले का विरोध करने वालों को भी समझाना चाहिए। इससे भारत की सभी भाषाओं की अहमियत बढ़ेगी और हिंदी का एकतरफा राजनीतिक विरोध भी खत्म होगा।

स्वदेशी अपनाने का प्रधानमंत्री का आह्वान महज विदेशी वस्तुओं की जगह स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि भाषा, संस्कृति, शिक्षा, विचार और साहित्य के क्षेत्र में भी इसकी उपयोगिता समझने और अपनाने के लिए है। इस मुद्दे को हर किसी को देशहित, विद्यार्थी-हित, समाज और संस्कृति-हित के रूप में देखने और समझने की जरूरत है। देश प्रथम का नारा का मतलब –स्व-भाषा, स्व-संस्कृति, स्व-धर्म और स्वदेशी वस्तुओं को अहमियत देने से है, तभी भारत दुनिया का हर तरह से शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में अभिनंदनीय होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

कमजोर मानसून
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

महंगाई का लगेगा तड़का अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

मौसम विभाग द्वारा जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंता का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो-चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की आशंका बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर-पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से विलंबित हो रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को मानें तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी, उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है, अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता। दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हालांकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था, वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है, उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है, वह किसी से छिपी नहीं हैं। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। कुल मिलाकर, कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हर युग में प्रासंगिक 'महादेव'

संकलित
दर्शन

कुछ दिन पहले किसी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं आदियोगी शिव का प्रशंसक हूं। प्रशंसक होने का अर्थ है कि उसकी भावनाओं से जुड़ जाना। मेरे साथ ऐसा नहीं है। मैं शिव को महत्वपूर्ण इसलिए मानता हूं, क्योंकि उनका योगदान काल के परे है। इसलिए वे सदा प्रासंगिक हैं। किसी भी पीढ़ी में किसी इंसान की प्रशस्ति उस योगदान के लिए की जाती है, जो उसने उस पीढ़ी या आने वाली पीढ़ियों के लिए किया है। इस धरती पर कई ऐसे लोग आए हैं, जिन्होंने दूसरों के जीवन में योगदान किया है। जो उस समय की जरूरत के अनुसार था, वह उसे लेकर आया। गौतम बुद्ध के समय समाज कर्मकांडों में लिपटा हुआ था। जब उन्होंने बिना किसी कर्मकांड के आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू की तो वह लोकप्रिय हो गए। अगर समाज में कर्मकांड नहीं होते, तो वह इतने महत्वपूर्ण नहीं होते। कृष्ण बहुत महत्वपूर्ण थे, लेकिन फिर भी, यदि पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध नहीं होता, तो वह सिर्फ अपने आसपास की जगहों पर प्रभावशाली होते। आदियोगी या शिव का महत्व यही है कि उनके साथ ऐसी कोई घटना नहीं हुई। कोई युद्ध नहीं हुआ, कोई टकराव नहीं हुआ। उन्होंने मानव चेतना को इस प्रकार से विकसित करने के साधन और तरीके दिए कि वे हर युग में प्रासंगिक रहें। हमने उन्हें महादेव की उपाधि दी, क्योंकि उनके योगदान के पीछे की बुद्धि, दृष्टि और ज्ञान अद्भुत है।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

संकलित
प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। राजा को शिक्षा ग्रहण करते हुए कई महीने बीत गए, मगर राजा को कोई लाभ नहीं हुआ। गुरु तो रोज खूब मेहनत करता थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिए। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया- राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है.. गुरुवर कृपा कर के आप शीघ्र इस प्रश्न का उत्तर दीजिए, राजा ने विनती की। गुरूजी ने कहा- राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।.. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं।

अंतर्मन

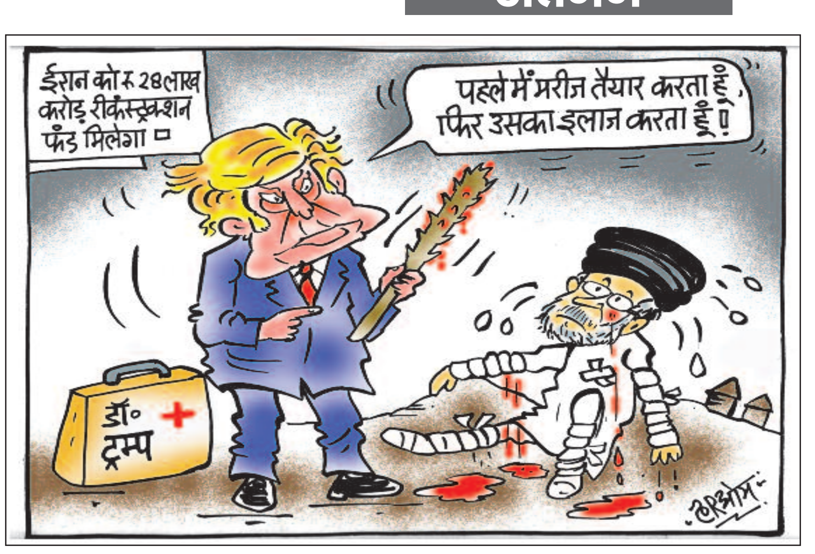

आज की पाती

विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ न हो

अभी नीट परीक्षा के पेपर लीक का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब सीबीएसई अर्थात केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का मामला सुर्खियों में छा गया है। हालांकि केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भी शायद माना है कि इसमें गड़बड़ी हुई है और विद्यार्थियों को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं का हल निकाला जाएगा। लेकिन सोचने वाली बात तो यह है कि देश के सबसे बड़ा शिक्षा बोर्ड ने इतनी बड़ी गलती कैसे कर दी? अब चाहे शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड इसके लिए जो तर्क दें, लेकिन क्या इससे विद्यार्थियों को इंसाफ मिलेगा? जो उन्हें मानसिक रूप से परेशानी हुई, क्या उसकी भरपाई होगी? बहरहाल, विद्यार्थियों के हितों से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

– मनोज राजपूत, दुर्ग

करंट अफेयर

बच्चे नए तंबाकू उत्पादों के प्रति जल्दी आकर्षित होते हैं

वयस्कों की तुलना में बच्चों के नये तंबाकू और निकोटीन उत्पादों की ओर आकर्षित होने की आशंका नौ गुना अधिक होती है, जिससे वे इस उद्योग की विपणन रणनीतियों का प्रमुख शिकारबन रहे हैं। यह बात प्रमुख जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर चेतावनी देते हुए कही। विशेषज्ञों ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अपने उत्पादों को युवाओं के लिए आकर्षक बनाने के वास्ते स्वादयुक्त विकल्पों, आकर्षक डिजाइन, डिजिटल प्रचार और अन्य तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है जिससे नई पीढ़ी के निकोटीन की लत से ग्रस्त होने को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया इस वर्ष का विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'अनमास्किंग द अपील: काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन' विषय के साथ मना रही है। इसका उद्देश्य तंबाकू और निकोटीन उत्पादों को विशेष रूप से बच्चों के लिए आकर्षक दिखाने हेतु अपनाई जाने वाली रणनीतियों और तौर-तरीकों को उजागर करना है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईसीपीआर) निदेशक शालिनी सिंह ने कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योग अक्सर बच्चों और युवाओं को अपने विपणन प्रयास में केंद्रित करता है।

ऑफ बीट

सूर्य हमारे अस्तित्व के लिए क्या आवश्यक है

आज इस बात के बहुत ज़्यादा सबूत नहीं हैं कि प्राचीन लोग मानते थे कि सूरज की रोशनी ही बीमारी को ठीक कर सकती है। इसके बजाय, इस बात के ज़्यादा सबूत हैं कि वे ठीक होने के लिए सूरज की गर्मी का इस्तेमाल करते थे। एबर्स पेपीरस ईसा पूर्व 1500 साल के आसपास का प्राचीन मिस्र का चिकित्सा 'स्क्रॉल' है। इसमें ''नसों को लचीला बनाने'' के लिए मरहम बनाने की विधि दी गई है। यह मरहम शराब, प्याज, कालिख, फल और पेड़ के अर्क लोबान और लोहबान से बनाया गया था। इसे लगाने के बाद, व्यक्ति को ''सूर्य के प्रकाश में रखा जाता था।'' उदाहरण के लिए, खांसी के इलाज के लिए अन्य नुस्खों में विभिन्न सामग्री को एक बर्तन में डालकर धूप में रखना शामिल था। यही तकनीक चिकित्सा लेखन में भी है जिसका श्रेय यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेट्स को दिया जाता है जिनका काल लगभग 450-380 ईसा पूर्व माना जाता है। लगभग 150 ई. में आधुनिक तुर्की में सक्रिय रहे चिकित्सक एरेटियस ने लिखा था कि सूर्य का प्रकाश सुस्ती सहित कई बीमारियों को ठीक कर सकता था। इसमें वह बीमारी भी है जिसे हम आज अवसाद के रूप में पहचानते हैं। सुस्ती मिटाने का अर्थ है प्रकाश में लेटना, सूर्य की किरणों के संपर्क में आना; तथा अपेक्षाकृत गर्म स्थान में रहना।

ट्रेंड

गंगा डॉल्फिन की रक्षा

गंगा डॉल्फिन की रक्षा करके हम न केवल एक प्रजाति का संरक्षण कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की अमूल्य विरासत की रक्षा भी कर रहे हैं। इस दिशा में देश की पहली डॉल्फिन बचाव एम्बुलेंस बेहद उपयोगी साबित हो रही है।

- **नरेंद्र मोदी,** मोदी

सांसद पर हमला निंदनीय

सोनारपुर में सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। यह भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति का घिनौना चेहरा है। राजनीतिक मतभेद कभी भी हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकते। केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार, दोनों को ही अपराधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

जवाबदेही तय की जाएगी

सभी अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हर स्तर पर लापरवाही के लिए जवाबदेही तय की जाएगी। कोई भी बिल्डर, अधिकारी या प्राधिकरण कानून से ऊपर नहीं है। दिल्ली सरकार अपने लोगों के साथ खड़ी है।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

भ्रष्ट भाजपा राजनीति

भाजपा बेईमानी से चुनाव जीतती है, इस तथ्य को भाजपा के एक विधायक ने स्वीकार किया है, जिन्होंने एक मुठभेड़ में भ्रष्ट भाजपा राजनीति का पर्दाफाश किया है और उसे कुचल भी दिया है। इस बार जनता भाजपा के सारे हथकंडे उजागर कर देगी।

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

शेखर ने वैभव को अपनी फिल्म में लेने की जताई मंशा

नई दिल्ली। दिग्गज फिल्ममेकर शेखर कपूर अपनी आगामी फिल्म 'मासूमः द न्यू जेनरेशन' को लेकर चर्चाओं में हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि इस फिल्म में दिग्गज संगीतकार एआर रहमान संगीत देंगे। अब शेखर कपूर ने युवा क्रिकेटर और नई सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने वैभव को अपनी फिल्म में लेने की भी मंशा जताई। शेखर कपूर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी के फैन बन गए। शेखर कपूर ने आज अपने एक्स अकाउंट पर वैभव सूर्यवंशी की एक तस्वीर साझा की। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, 'अगर सूर्यवंशी इतने शानदार क्रिकेटर न होते, तो मैं उन्हें अपनी फिल्म 'मासूमः द न्यू जेनरेशन' में ले सकता था।''

लाइफ Style

राशा

लाल कपड़ों में दिलाई मां रवीना की याद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राशा थडानी हाल ही अपनी अपकमिंग फिल्म 'श्रीनिवास मंगपुरम' के एक इवेंट में नजर आईं। यहां से उनका लुक वायरल हो रहा है। यूजर्स ने उनकी तुलना उनकी मां रवीना टंडन से की है। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी फिल्म 'श्रीनिवास मंगपुरम' से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं।

इस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ नजर आएंगी। हाल ही में हैदराबाद में इस फिल्म का एक इंट्रोडक्शन इवेंट हुआ। इसमें दोनों कलाकारों का परिचय कराया गया। इस इवेंट से राशा थडानी का लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कई यूजर्स ने उनकी तुलना उनकी मां रवीना टंडन से की है। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा गया 'ऐसा क्यों लगता है कि हम रवीना टंडन को देख रहे हैं?' वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि राशा थडानी लोगों के बीच से उठकर स्टेज पर आती हैं। इसके बाद अपने साथी कलाकार जय कृष्णा घट्टामनेनी को केक खिलाती हैं। आपको बता दें कि यह इंट्रोडक्शन इवेंट सुपरस्टार कृष्णा की जयंती के मौके पर आयोजित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए, जय कृष्णा अपने दादा के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा 'मेरे लिए, मेरे दादा भगवान के समान हैं। उनके लिए मेरे दिल में जो प्यार और सम्मान है, उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता।' राशा थडानी, जो इस फिल्म के साथ टॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं, उन्होंने तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया।

हॉलीवुड मसाला

अमेरिकी अभिनेत्री मिका से तुलना

मुंबई। महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैंस तो 'ऑफ कैंपस' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैंपस' में ऐली हेस का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

स्पाइडर मैन- ब्रांड न्यू डे के बाद रिटायर होंगे टॉम?

लॉस एंजिल्स। अभिनेता टॉम हॉलैंड अपनी फिल्म 'स्पाइडर मैन-ब्रांड न्यू डे' के बाद पीटर पार्कर के किरदार से रिटायर हो सकते हैं। उन्होंने हाल में हुई एक बातचीत में कहा कि वह अब किसी नए अभिनेता के लिए पीटर पार्कर का रास्ता खोलना चाहते हैं। अभिनेता टॉम हॉलैंड स्पाइडर मैन सीरीज की चार फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। मगर हाल ही में एम्पायर मैगजीन से हुई बातचीत में उन्होंने कहा, 'अगला किरदार चाहे माइल्स मोरालेस हो, स्पाइडर-ग्वेन हो, स्पाइडर-वुमन हो या ऐसा ही कोई और, मैं उसके अगले अध्याय की नींव रखने में अपना योगदान देना चाहूंगा। मैं नहीं जानता कि किस तरह मैं इसमें शामिल रहूंगा। मगर स्पाइडर मैन के किरदार को किसी और को सौंपने के बारे में सोच रहा हूं।'

कॉकटेल-2 के सेट से बीटीएस तस्वीरें जारी...

मुंबई। कॉकटेल 2 में रश्मिका मंदाना पहली बार कृति सेनन और शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म कॉकटेल 2 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से पहले शाहिद कपूर ने कॉकटेल 2 की कुछ बीटीएस तस्वीरों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। एक्टर शाहिद ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में एक फोटो कॉकटेल 2 की शूटिंग के दौरान की दिखाई दी। इस फोटो को शेयर कर एक्टर ने कैप्शन लिखा- 'व्हाट ए फन।' इसके अलावा भी उन्होंने कुछ और फिल्म से जुड़ी तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में कृति और रश्मिका भी नजर आईं। इसके अलावा शाहिद ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें फिल्म की स्टार कास्ट शूटिंग के बीच के समय में इंजॉए करते नजर आ रहे हैं।

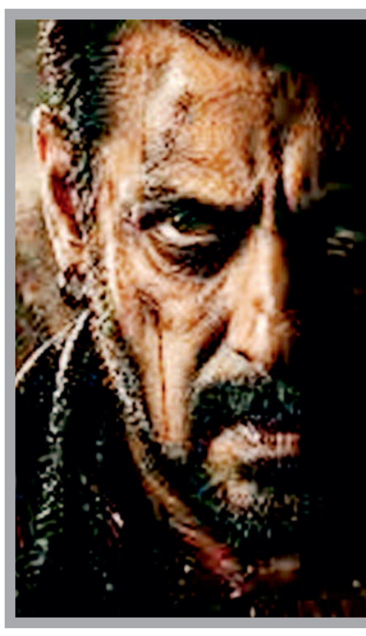

एसवीसी-63 से सामने आई पहली झलक

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जो कि एसवीसी63 के सेट से बताई जा रही है। इस तस्वीर को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स अपने रिएक्शन दे रहे हैं। सलमान खान ने हाल ही में निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की फिल्म की शूटिंग शुरू की है। इस फिल्म को अस्थाई तौर पर एसवीसी63 कहा जा रहा है। सलमान खान की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसे उनकी आगामी फिल्म एसवीसी 63 के सेट की तस्वीर बताया जा रहा है। इस तस्वीर में सलमान एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। सलमान के चेहरे पर साफ गुस्सा नजर आ रहा है, उनके आस-पास कई लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

टीवी मसाला

कोई भी किसी और को राम के रूप में नहीं देखना चाहता: अरुण

नई दिल्ली। अपकमिंग फिल्म 'रामायण' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। इसके निर्देशक नितेश तिवारी हैं। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम का मुख्य किरदार निभा रहे हैं। साई पल्लवी सीता का किरदार निभा रही हैं, जबकि यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट में एक खास बात यह है कि इसमें दिग्गज एक्टर अरुण गोविल को भी कास्ट किया गया है। अरुण गोविल टीवी सीरीज 'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए मशहूर हैं। इस फिल्म में, गोविल भगवान राम के पिता, राजा दशरथ का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इस बीच उन्होंने रणबीर कपूर की तारीफ की है। एक बातचीत में अरुण गोविल ने रणबीर के बारे में यह साफ किया कि उन्हें इस एक्टर की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, 'राम के तौर पर, मैं उनके बारे में अभी कुछ नहीं बता पाऊंगा, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। इसमें कोई शक नहीं है। वह एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, हर एक्टर हर किरदार को अपने ही अंदाज में निभाता है। उन्होंने भी भगवान राम का किरदार अपने ही अनोखे अंदाज में निभाया होगा।' जब फिल्म 'रामायण' का पहला लुक रिलीज हुआ था, तब कई लोगों ने रणबीर कपूर के लुक की आलोचना की थी। इस बारे में अरुण गोविल से पूछा गया। इस पर उन्होंने बताया 'शायद इसकी एक वजह यह भी है कि भगवान राम के रूप में मेरा अभिनय ही एक पैमाना बन गया था। यह आज भी लोगों के दिलों और दिमागों में जिंदा है। कोई भी किसी और को राम के रूप में देखना नहीं चाहता।

'नाटक के बीच में रोते बच्चे को संभाला'

नई दिल्ली। टीवी और फिल्मों के अलावा अभिनेता स्वप्निल जोशी थिएटर भी सक्रिय हैं। स्वप्निल जोशी 'लगना पंचमी' नाम का नाटक थिएटर में करते हैं। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक आते हैं। हाल ही में जब वह यह नाटक कर रहे थे तो अचानक शो में एक बच्चा रोने लगा। इस वजह से नाटक में खलल पड़ गया। ऐसे में गुस्सा होने की बजाय स्वप्निल जोशी ने मजेदार रिएक्शन दिया। स्वप्निल जोशी के नाटक के बीच में एक छोटा बच्चा रोने लगा। ऐसे में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस को रोक दिया और प्यार से कहा, 'माफ कीजिए क्या आप बच्चे को बाहर ले जा सकते हैं?' दर्शकों ने भी जवाब में माफी मांगी। तब स्वप्निल ने जवाब दिया, 'कोई दिक्कत नहीं है, बस बात यह है कि सबका ध्यान भंग हो रहा है।'स्वप्निल जोशी बोल ही रहे थे कि बच्चा फिर से रोने लगा। तब स्वप्निल जोशी ने कहा, 'प्यारे छोटे बच्चे तुम्हें भी नाटक देखना पसंद है, है ना?'

'डोला रे डोला' गाने की शूटिंग के दौरान मेरी तबीयत खराब थी : माधुरी

मुंबई। माधुरी दीक्षित को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि शाहरुख खान की 2002 की ब्लॉकबस्टर फिल्म देवदास के 'डोला रे डोला' गाने की शूटिंग के दौरान माधुरी दीक्षित चार महीने की प्रेग्नेंट थीं। अब इन चर्चाओं और अटकलों पर खुद माधुरी दीक्षित ने प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। एक बातचीत में माधुरी दीक्षित ने अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने बेटे की जन्म की तारीख भी बताई। माधुरी ने कहा, 'आरिन का जन्म 2003 में हुआ था। आप हिसाब लगा लीजिए।'माधुरी दीक्षित के बड़े बेटे आरिन अब 23 साल के हैं और उनका जन्म 17 मार्च 2003 को हुआ था। फिल्म देवदास 12 जुलाई 2002 को रिलीज हुई थी, इससे पहले इसका प्रीमियर 23 मई 2002 को कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। हालांकि, माधुरी ने स्पष्ट किया कि शूटिंग शारीरिक रूप से काफी थकाने वाली थी, लेकिन इसका कारण उनकी प्रेग्नेंसी नहीं थी। उन्होंने कहा कि मैं बहुत ट्रेवल कर रही थी, इसलिए मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी। मैं लगातार शूटिंग के लिए इधर-उधर जा रही थी। मेरी सारी शूटिंग रात में होती थी। इसलिए मेरे लिए यह बहुत थकाने वाला था। मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी, लेकिन कुछ खास नहीं था। माधुरी की ये प्रतिक्रिया तब आई है, जब कुछ दिन पहले दिवंगत कोरियोग्राफर सरोज खान की पूर्व असिस्टेंट रुबीना खान के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गाने की शूटिंग के दौरान माधुरी प्रेग्नेंट थीं। रुबीना ने 'डोला रे डोला' गाने के बारे में बात करते हुए कहा था, 'इसमें एक स्टेप है जिसमें माधुरी मैम घूमकर बैठती हैं। वह शॉट सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक चलता रहा, क्योंकि वह चार महीने की प्रेग्नेंट थीं। इसलिए वह ठीक से घूम नहीं पा रही थीं और उन्हें चक्कर आ रहे थे। उस समय उन्हें बुखार भी था।

'धुरंधर में जो दिखाया गया है, वो सब सच है'

मुंबई। आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 रिलीज के बाद से ही चर्चाओं में है। जहां एक तरफ पहले पार्ट ने फैनबेस बनाया, वहीं दूसरी तरफ दूसरे पार्ट ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। इन सब के बीच फिल्म की स्टोरी के रियल होने पर कई लोगों ने सवाल खड़े किए। इसी बीच अब एक पाकिस्तानी पत्रकार का इस मामले पर बड़ा बयान सामने आया है। पाकिस्तानी पत्रकार आरिफ अजाकिया ने हाल ही में बॉलीवुड फिल्म धुरंधर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फिल्म में दिखाए गए ल्यारी और कराची के हालात को हकीकत के काफी करीब बताया है। दरअसल, रणवीर सिंह की यह फिल्म 2025 में रिलीज हुई थी और अब एक बार फिर चर्चा में है। फिल्म में कराची के लयारी इलाके में सक्रिय क्राइम और गैंगस्टर नेटवर्क को दिखाया गया है, जो असल घटनाओं से प्रेरित बताया जाता है। पत्रकार सौरभ द्विवेदी से बातचीत के दौरान आरिफ अजाकिया ने कहा कि उन्होंने खुद लयारी में रहकर वही सब देखा है, जो फिल्म में दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि वह जमशेद टाउन के मेयर भी रह चुके हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'मैं लयारी में पैदा हुआ और वहीं पला-बढ़ा हूं, इसलिए फिल्म में जो दिखाया गया है, वो सब सच है।'इतना ही नहीं, आरिफ अजाकिया ने अपनी जड़ों को लेकर भी एक दिलचस्प बात कही। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता भारत के जूनागढ़, गुजरात से थे। उन्होंने कहा, 'मैं कराची में पैदा हुआ हूं, लेकिन खुद को भारतीय मूल का मानता हूं, पाकिस्तानी नहीं।'फिल्म धुरंधर में एक भारतीय एजेंट की कहानी दिखाई गई है, जो एक गुप्त मिशन पर होता है। इसमें आतंकवाद, खुफिया ऑपरेशन और बॉर्डर के बीच के तनाव जैसे मुद्दों को भी दिखाया गया है। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी अहम किरदारों में हैं।

36 साल खुद को कमरे में रखा बंद, जिया सात्विक जीवन

सुचित्रा : इंदिरा की कुर्सी के लिए बन गई थीं खतरा!

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में वैसे तो कई दमदार और उम्दा हीरोइनें रही हैं, जिन्होंने दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया और सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। पर एक हीरोइन ऐसी रही, जिसे 'पर्दे की देवी' का दर्जा मिला हुआ था। इस एक्ट्रेस को महानायिका कहा जाता था। संजीव कुमार से लेकर धर्मेंद्र और उत्तम कुमार तक इस एक्ट्रेस के फैन थे। यह थीं सुचित्रा सेन, जिन्होंने दशकों तक फिल्मी पर्दे के साथ लोगों के दिलों पर राज किया और कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। पर सुचित्रा सेन की जिंदगी में कुछ ऐसा हुआ, जिसके कारण वह लोगों की नजरों से छुपने लगी थीं। हालात ऐसे हो गए थे कि उन्होंने 36 साल तक खुद को कमरे में बंद कर लिया। यहां तक कि जब सुचित्रा सेन को दादासाहेब फाल्के सम्मान दिया जाना था, तो वह उसे लेने के लिए भी बाहर नहीं निकली थीं। सुचित्रा सेन एक ऐसी एक्ट्रेस रहीं, जिन्होंने इंदिरा गांधी की कुर्सी के लिए भी खतरा पैदा कर दिया था या यूं कहें कि वह इंदिरा गांधी की कुर्सी के लिए खतरा बन गई थीं।

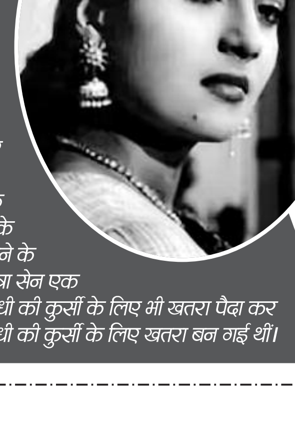

असली नाम और परिवार दंगे हुए तो भागना पड़ा

सुचित्रा सेन ब्रिटिश भारत के बंगाल के बेलकुची थाना स्थित भंगा बारी गांव में पैदा हुई थीं। वह पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं और असली नाम था रोमा दासगुप्ता। हालांकि, फिल्मों में आने के बाद रोमा फिर सुचित्रा सेन बन गई थीं। साल 1947 में जब भारत-पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो दंगे-फसाद होने लगे। उसमें पिता ने किसी तरह खुद की और परिवार की जान बचाई और बंगाल आकर बस गए। यहां आने के बाद पिता ने सुचित्रा सेन की शादी एक रईस बिजनेसमैन आदिनाथ सेन के बेटे दीबानाथ सेन से करवा दी। तब सुचित्रा सेन 16 साल की थीं।

पिता ने 16 की उम्र में करवा दी शादी

सुचित्रा सेन की पढ़ाई बीच में छूट चुकी थी, पर उन्हें गाने और एक्टिंग का बहुत शौक था। ऐसे में पति और ससुर ने उन्हें बहुत सपोर्ट किया। पति के सपोर्ट से सुचित्रा सेन ने साल 1952 में अपने एक्टिंग कॅरियर की शुरुआत की। शुरुआत बंगाली फिल्मों से की थी, और फिर धीरे-धीरे हिंदी फिल्मों में भी आ गईं। सुचित्रा सेन की पहली फिल्म 'शेष कोथाय' थी, जो एक बंगाली फिल्म थी, पर कभी रिलीज नहीं हो सकी।

सुचित्रा सेन की हिट फिल्में

देवदास, मुसाफिर, बंबई का बाबू, ममता, सरहद, आंधी, शारे चोतोर, सप्तपदी. सात पाके बाधा, दीप ज्वेले जय, अग्निपरीक्षा, उत्तर फाल्गुनी।

अवॉर्ड और सम्मान

सुचित्रा सेन इंटरनेशनल अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस हैं और उन्हें सिल्वर प्राइज मिला था। मॉस्को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सुचित्रा को सात पाके बॉधा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था।

1953 से मिला स्टारडम उत्तम कुमार संग 30 फिल्में

फिर साल 1953 में सुचित्रा ने 'शारे चोतोर' में काम किया, जो सुपरहिट रही। इसमें सुचित्रा सेन की उत्तम कुमार के साथ जोड़ी थी। देखते ही देखते सुचित्रा सेन और उत्तम कुमार की जोड़ी हिट हो गई। करीब दो दशक तक उन्होंने लगभग हर फिल्म में साथ काम किया और वो हिट रहीं। सुचित्रा सेन ने अपने कॅरियर में 60 फिल्में कीं, जिनमें से 30 में वह उत्तम कुमार के साथ नजर आईं।

इंदिरा गांधी ने बैन करवा दी आंधी

साल 1955 में सुचित्रा सेन ने फिल्म देवदाससे बॉलीवुड में कदम रखे। इसमें दिलीप कुमार और वैजयंतीमाला भी थीं। फिल्म सुपरहिट रही। फिर तो 60 से लेकर 70 के दशक तक सुचित्रा सेन का ही जलवा रहा। हालांकि, साल 1974 में आई फिल्म 'आंधी' ने एक विवाद खड़ा कर दिया। इस फिल्म में सुचित्रा सेन ने आरती देवी नाम का किरदार निभाया था। कहा गया है कि यह किरदार तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से प्रेरित है और कांग्रेस पार्टी की छवि भी खराब कर सकता है। जबकि यह किरदार उनसे प्रेरित नहीं था। पर इंदिरा गांधी ने 'आंधी' की रिलीज रुकवा दी। फिर साल 1975 में जब इमरजेंसी लगी, तो 'आंधी' को इंदिरा गांधी ने बैन करवा दिया। इसके बाद तो हर तरफ 'आंधी' की ही चर्चा होने लगी। हालांकि, साल 1977 में जब कांग्रेस पार्टी हार गई और जनता पार्टी सत्ता में आई तो 'आंधी' को टीवी पर प्रीमियर किया था। तब इस फिल्म की हर किसी ने तारीफ की।

खबर संक्षेप

चाकू की नोक पर लूट करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

कुरूद। भखारा थाना क्षेत्र स्थित शराब दुकान परिसर में युवक से चाकू की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद फरार चल रहे आरोपी समीर निर्मलकर को भखारा पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 25 मई को प्रार्थी अपने बड़े भाई के कहने पर शराब और डीजल खरीदने के लिए तीन हजार रुपये लेकर भखारा आया था। रात करीब आठ बजे वह भखारा शराब दुकान परिसर पहुंचा, जहां पहले से मौजूद आरोपियों ने उससे रुपये की मांग की। प्रार्थी द्वारा मना करने पर आरोपी अंशुमन साहू ने उसके गले पर धारदार चाकू अड़ा दिया। वहीं लोकेश पटेल और एक विधि से संघर्षरत बालक ने उसे पकड़ लिया। इसी दौरान समीर निर्मलकर ने मारपीट कर प्रार्थी के पास रखे तीन हजार रुपये और रेडमी मोबाइल फोन लूट लिया। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना भखारा में अपराध क्रमांक 56/2026 के तहत प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अंशुमन साहू, लोकेश पटेल और विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।
घटना के बाद से फरार चल रहा मुख्य आरोपी समीर निर्मलकर निवासी वार्ड क्रमांक 4 भखारा पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। पुलिस को सूचना मिली कि वह दुर्ग जिले के ग्राम जरवाय में अपने एक दोस्त के घर छिपा हुआ है।

63 हजार का गांजा जब्त और दो आरोपी गिरफ्तार

पखांजुर। अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। अलग-अलग स्थानों पर की गई छापेमार कार्रवाई में पुलिस ने 1 किलो 270 ग्राम गांजा, नगदी राशि और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत 63 हजार 250 रुपये आंकी गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया है।
पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 30 मई को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पीव्ही 37 रूपनगर तिराहा के पास एक व्यक्ति गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम आशुतोष जोद्दार (58 वर्ष), निवासी पीव्ही-44 लखनपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से प्लास्टिक थैले में रखे 850 ग्राम गांजा, 500 रुपये नगद तथा एक इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन बरामद की गई। जब्त गांजे की कीमत लगभग 42 हजार 250 रुपये आंकी गई है। इसी क्रम में पुलिस को एक अन्य सूचना मिली कि पीव्ही132 निवासी मिलन सरकार 50 वर्षीय अपने घर में गांजा छिपाकर बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उसके घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान घर की परछी में पलंग के नीचे रखे मिट्टी के चूल्हे के भीतर से 420 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

अपराध : युवक की हत्या कर शव बोरी में भरकर फेंका गया, 3 गिरफ्तार

ब्लैकमेलिंग से परेशान महिला ने युवक की हत्या की रची थी साजिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

कबीरधाम जिले में युवक की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतक कोमल वर्मा का शव थाना पांडातराई क्षेत्र के ग्राम सोंढ़ा में बोरी के भीतर बरामद हुआ था।

जांच में सामने आया कि अश्लील वीडियो के जरिए कथित ब्लैकमेलिंग और दबाव से परेशान एक महिला ने अपने पति के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी, जबकि शव को ठिकाने लगाने में आरोपी के भाई ने भी सहयोग किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बैहरसरी निवासी कोमल वर्मा 28 मई को घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। कॉल डिटेल और अंतिम लोकेशन की जांच में मृतक का संपर्क मंदाकिनी वर्मा से होना सामने आया।

पूछताछ के दौरान आरोपी महिला मंदाकिनी वर्मा ने बताया कि मृतक अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे लंबे समय से ब्लैकमेल कर रहा था तथा कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता था। घटना वाली रात भी मृतक ने महिला पर संबंध बनाने का दबाव बनाया, जिसके बाद उसने उसे अपने घर बुलाया।

घर पहुंचने पर निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले बड़े पाना से युवक पर हमला किया गया। इस दौरान महिला का पति रामस्नेही वर्मा जाग गया और घटना की जानकारी होने पर दोनों ने मिलकर कोमल वर्मा की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को घर में छिपाकर रखा गया और अगले दिन रामस्नेही वर्मा ने अपने भाई रूपेश वर्मा की मदद से शव को बोरी में भरकर ट्रैक्टर से ग्राम सोंढ़ा ले जाकर फेंक दिया।

आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया गया मामला

हरिभूमि फॉलोअप

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी बोड़ला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में थाना बोड़ला और चौकी पोड़ी पुलिस ने मामले की गहन जांच कर आरोपियों तक पहुंच बनाई। पुलिस ने आरोपी रामस्नेही वर्मा, मंदाकिनी वर्मा एवं रूपेश वर्मा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 62/2026 के तहत धारा 103(1), 238(3) एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

हवलदार को तेज रफ्तार वाहन ने लिया चपेट में, स्थल पर तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले के सांकरा (जोंक नदी) के पास रविवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बागबाहरा थाना में पदस्थ हवलदार दयासागर भोई की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही जान चली गई। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जोंक नदी पुल के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दयासागर भोई गंभीर रूप से घायल होकर ट्रक के नीचे आ गए। अत्यधिक चोट और रक्तस्राव के कारण उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बसना थाना प्रभारी (टीआई) ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक दयासागर भोई वर्तमान में बागबाहरा थाना में हवलदार पद पर पदस्थ थे। वे मूल रूप से बसना क्षेत्र के निवासी थे। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों और पुलिस विभाग के अधिकारियों में शोक की लहर दौड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एनएचएआई की एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दयासागर भोई की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। दयासागर भोई के असामयिक निधन से पुलिस विभाग ने एक कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ जवान खो दिया है।

खेतों से सोलर पंप उड़ाने वाला गिरोह का भंडा फूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जानकारी के अनुसार नरहरपुर क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसान आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई कर अपनी आय बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत लगाए गए सोलर पंप किसानों के लिए वरदान साबित हो रहे थे, लेकिन इसी बीच सक्रिय हुए चोरों के एक गिरोह ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने का काम शुरू कर दिया।

बताया जा रहा है कि गिरोह के सदस्यों ने शुरुआत में एक-दो स्थानों पर सोलर प्लेट पैनल सिस्टम, सोलर पंप, स्टार्टर एवं

केबल वायर और अन्य सामग्री चोरी की। चोरी की सामग्री को ओडिशा में आसानी से बेचकर उन्हें अच्छा मुनाफा मिला। इसके बाद यह उनके लिए नियमित धंधा बन गया। गिरोह एक साल में क्षेत्र के कम से कम 16 किसानों के खेतों में लगे सोलर पंपों से प्लेटें, बैटरियां और अन्य उपकरण चोरी कर चुका था।

ओडिशा में बेचते थे सामान

कांकेर जिले के चारामा थानांतर्गत बागडोंगरी के कुम्हारपारा निवासी 38 वर्षीय जगदीश बंजारा पिता छक्कन बंजारा और नरहरपुर थानांतर्गत निवासी 27 वर्षीय परमेश्वर राठौर पिता सोमनाथ राठौर पर संदेह गहराने पर थाना नरहरपुर में पूछताछ के लिए बुलाया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने साथी उड़ीसा राज्य के जिला नवरंगपुर के थाना कुंदई के ग्राम कोरडीही निवासी 25 वर्षीय मंहगू मरकाम पिता राम मरकाम के साथ मिलकर कांकेर जिले नरहरपुर विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों से सोलर प्लेट पैनल सिस्टम, सोलर पंप, स्टार्टर एवं केबल वायर चोरी कर मैजिक वाहन से उड़ीसा ले जाकर बेचने की बात स्वीकार की।

रामसागर तालाब में डूबने से राजमिस्त्री की गई जान

कुरूद। कुरुद नगर स्थित ऐतिहासिक रामसागर तालाब में शनिवार की दोपहर जलांजलि कार्यक्रम के दौरान डूबे युवक का शव रविवार की सुबह बरामद कर लिया गया है। मृतक की पहचान ग्राम उमरदा निवासी संतोष कंवर (40 वर्ष) के रूप में हुई है। गोताखोरों की टीम ने करीब 18 घंटे की मशक्कत के बाद रविवार सुबह 7:15 बजे शव को पानी से बाहर निकाला। इस हादसे के बाद से मृतक के परिवार और पूरे उमरदा गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पेशे से राजमिस्त्री संतोष कंवर शनिवार को कुरुद में आयोजित अपने एक पारिवारिक दसगात्र कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। दोपहर को जब वे अन्य लोगों के साथ रामसागर तालाब में जलांजलि देने उतरे, तभी अचानक गहरे पानी में चले गए। वहां मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते, संतोष आंखों से ओझल हो चुके थे।

अनियंत्रित नया ट्रैक्टर भोथा मोड़ पर पलटा, युवा चालक की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चारामा

बिलासपुर से पखांजुर शोरूम तक नए ट्रैक्टर की डिलीवरी करने निकला युवा चालक कभी अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सका। भोथा मोड़ के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर पलट जाने से 21 वर्षीय युवा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

जानकारी के अनुसार पॉवरट्रैक कंपनी का नया और बिना नंबर का सोल्ड ट्रैक्टर सड़क मार्ग से बिलासपुर से रायपुर होते हुए पखांजुर शोरूम पहुंचाया जा रहा था। शनिवार दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे के बीच ट्रैक्टर ग्राम पुरी

के समीप स्थित भोथा मोड़ पर पहुंचा। इसी दौरान अचानक सोल्ड ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर पलटने के बाद चालक उसके नीचे दब गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। हादसा इतना भीषण था कि चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के थाना अमृतपुर अंतर्गत ग्राम हरसिंहपुर गड़वार निवासी 21 वर्षीय गंगाधर पिता संतोष कुमार के रूप में हुई है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years
B Pharmacy	4 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE), P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc.,P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmarcy - 12th pass , Maths, Bio
HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 250 सीटों का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु : 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201622400, 9201641200, 9201631200

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल अश्वनीनगर एवं सत्तीबाजार- लेडी प्रिंसीपल, क्लर्क महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर , अंग्रेजी माध्यम में- नर्सरी से पीपी.2, 6वीं से 10वीं सभी विषय, पहली से पांचवीं- पर्यावरण, 5वीं से 8वीं कम्प्यूटर, 11वी-12वी भौतिक, बायो, रसायन, अर्थशास्त्र, बी.एस.टी., एकाउंट, हिंदी शिक्षिकाओं, ड्राईवर, आयाबाई, चपरासी। साक्षात्कार 04.06.2026, प्रात: 10बजे अश्वनीनगर: 0771-2241548.(आरो-081)

आवश्यकता है- श्री कृष्णा हिंदी/ अंग्रेजी स्कूल चंडी (अभनपुर) में अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, कॉमर्स, जीव विज्ञान, रसायन शिक्षक की आवश्यकता है। योग्यता- संबंधित विषयों में स्नातक/ स्नाकोत्तर/बी. एड। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6/6/2026 साक्षात्कार तिथि 07/06/2026 संपर्क - 9926125257, 9893534338. (RO-187)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- प्ले ग्रुप टीचर व महिला सफाई कर्मी हिंदी, अंग्रेजी, गणित, संस्कृत हेतु ग्रेजुएट Bed टीचर (फुल/ पार्ट टाईम) एक कंप्यूटर जानकर 12वीं पास एवं H/S हेतु पो. ग्रेजुएट Bed अनुभवी विवाहित संस्कारी आवेदकों को प्राथमिकता संपर्क- हिंदी माध्यम गौकर्ण हायर सेकेंडरी स्कूल सेजबहार धुसेरा रायपुर मो. 9977604440.(RO-852)

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई हायर सैकेण्डरी स्कूल में सभी विषयों के लिए शिक्षकों की आवश्यकता है। योग्यता-स्नातक स्नातकोत्तर डीएड,बीएड अनिवार्य समय 8से 11:30 तक संपर्क:- रामनगर भिलाई मो.- 62614-43664, 81096-53738. (आरो-282)

Wanted- Shivom Vidyapeeth School, Affiliated with CBSE, Raipur requires PGT: English, Maths, Accountancy, Psychology, Biology, Chemistry. TGT: English, Maths, Science, Sanskrit, S.St. PRT: All Subjects. PPRT: All Subjects. Specified Requirements Career Counsellor, Special Educator, Nurse, Admission Counsellor. Eligibility- Relevant Degree, B.Ed./ CTET (Teachers), Fluent English, 2+ Years Experience. hr@shivom.org, 9109126500.(RO-423)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Requirement- Maths Commerce, Science english teacher contact Vardhman The School Nahar Road Krishna Nagar Santoshi Nagar Raipur. 9109329528.(RO-12)

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- Hari group हेतु सिक्योरिटी गार्ड - 40, सुपरवाइजर - 05, फील्ड आफिसर (अनुभव 05 वर्ष) - 03, लेडीज गार्ड - 10, हाउसकीपीग बाई - 10, गनमेन 05, वेतनमान - 13000 से 20000/- स्थान - कृष्णा प्लाजा अश्वनी नगर सुन्दरनगर रायपुर मो. - 9171511755, 9039437556. (RO-196)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- AMRUTHA HOSPITAL रिसाली, भिलाई में ड्यूटी डॉक्टर वेतन -12000 से 20000/- (योग्यतानुसार), Nursing staff वेतन 8000-15000/-, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव वेतन 10000-15000/- फार्मासिस्ट 8000-12000/-, Ot टेक्नीशियन 8000-12000/- एवं रिसेप्शनिस्ट 8000-12000/-, 9407941063, 8962715440. (आरो न - 283)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- बैंगल की दुकान में कार्य करने हेतु सेल्स गर्ल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें द बैंगल स्टूडियो शुभमके मार्ट के सामने संतोषी नगर रायपुर मो. 93028-22500.(RO-209)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान मे काम करने के लिए जरुरतमंद लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन: 7000 से 10000/- संपर्क भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, रायपुर मोब. 88189 33330, 88719972005.(RO-026)

सेल्स/सुपरवाइजर

JOB VACANCY- Mamta solar 1. योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों से निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है: 1.अनुभवी सेल्स पर्सन आवश्यकताएं: सेल्स में न्यूनतम 2-3 वर्ष का अनुभव, अच्छी कम्युनिकेशन एवं ग्राहक संभालने की क्षमता, ब्रिकी लक्ष्य प्राप्त करने की क्षमता, 2. अनुभवी गोदाम सुपरवाइजर आवश्यकताएं: वेयरहाउस/ गोदाम सुपरविजन में 1-2 वर्ष का अनुभव, स्टॉक प्रबंधन का रिकॉर्ड रखने का ज्ञान, कर्मचारीयों एवं दैनिक कार्यों को संभालने की क्षमता इच्छुक उम्मीदवार तुरंत आवेदन कर सकते हैं। कंपनी का नाम - ममता सोलर संपर्क: 9993112784 पता: G-2 Orange Hive, Mowa, Raipur, (C.G.) Pin-492001(RO-199)

हाउसकीपिंग/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- हाउसकीपिंग- पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने के लिए), ड्राइवर- केवल रायपुर लोकल के लिए, ऑफिस बॉय- केवल रायपुर लोकल के लिए, हाउस सुपरवाइजर, संपर्क करे- 6232022676.(आरो-460)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सेल्स स्टाफ/इंचार्ज

आवश्यकता है- SPDM SUPER MART को इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट के लिए सेल्स स्टाफ 4, स्टॉक इंचार्ज 3, सुपरवाइजर 2, CTO 2, अतिशीघ्र आवश्यकता है l योग्यता:- ग्रेजुएशन, इलेक्ट्रिकल ITI, पता:- SPDM SUPER मार्ट सेक्टर 8-A कमलविहार रायपुर 9301408581, 7489158198.(RO-027)

शोरूम वर्क

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य करने हेतु युवको की आवश्यक है। संपर्क - मनन इंटरप्राइजेज,विधानसभा रोड,मोवा ,थाने के सामने,रायपुर । मोबाइल : 9827109679.(RO-103)

ड्रायवर

आवश्यकता है- घरेलु गाड़ी व एम्बुलेंस चलाने हेतु 2 ड्राइवर की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009.(RO-Adit.)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर (देवास इंदौर रीवा प्रयागराज) मे रह कर काम कर सके सैलरी 12000 + कमीशन + बोनस के साथ महीना 25000/ कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट संपर्क - 6268044316, 9201024747. (Ro-360)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे:- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector - 6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (आरो -4154)

Finance फायनेंस

फाईनेंस - विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9981421206 , 9437550462(RO-4345)

For Rent किराया

किराये पर उपलब्ध- बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) सम्पर्क करें- 9589740766, 9425530355. (RO-40953)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा साइंटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

जैकेट के शेष

हिमाचल में भिलाई ....

प्रदेश में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर हुआ, जहां करीब 500 मीटर गहरी खाई में कार गिर गई। हादसे में अरविंद चंद्राकर, उनकी पत्नी पिंकी चंद्राकर समेत दो बच्चों की मौत हो गई है। कार में दो परिवार सवार थे। चंद्राकर दंपत्ति बच्चों के साथ बेंगलूर में रहकर जॉब करते थे। दोनों परिवारों ने डलहौजी से एक टैक्सी बुक की थी और साच पास इलाके में बर्फ और प्राकृतिक सौंदर्य देखने के लिए रवाना हुए थे। जब कार देर रात तक डलहौजी नहीं लौटी तो वाहन मालिक को अनहोनी की आशंका हुई। उसने वाहन में लगे जीपीएस लोकेशन जांच की जो कालावन क्षेत्र के पास एक ही स्थान पर रुका हुआ था। काफी देर तक वाहन की कोई जानकारी नहीं मिलने पर खोजबीन की गई। शनिवार दोपहर वाहन के खाई में गिरने की खबर मिलने के बाद हिमाचल पुलिस व प्रशासन हरकत में आया।

बिजली का सामान ....

एमएम की तार के दाम 40 रुपए से बढ़कर 55 से 60 रुपए हो गए है। प्लास्टिक महंगा होने के कारण बिजली के स्वीच और अन्य सामानों के दाम भी 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। बिजली के पाइप के दाम भी इजाफा हो गया है।

टाइल्स, विंडो....

बढ़े हैं। प्लाई का रेट भी 15 से 20 फीसदी बढ़ा है। एल्युमिनियम के दाम भी बढ़ने से इसके दरवाजे और खिड़कियों के दाम 20 फीसदी तक बढ़ गए हैं।

फ्रेंच ओपनः दिग्गजों ....

अपनी झोली में डाल लिया।

इस वर्ष भी क्ले कोर्ट का वही निर्मम स्वभाव दिखाई दे रहा है। सिनर कई मौकों पर मैच जीतने की स्थिति में पहुँचने के बावजूद अपनी लय खो बैठे। कुछ क्षणों की एकाग्रता भंग हुई और प्रतिद्वंद्वी ने वापसी का रास्ता खोज लिया। अंतिम सेटों में उनका खेल बिखरता हुआ नजर आया। यह क्ले कोर्ट की सबसे बड़ी ख़ासियत ही यह है कि खिलाड़ी की तकनीक से पहले उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। पिछली बार के उपविजेता सिनर इस बार दूसरे दौर में ही चारों खाने चित हो गये।

कमोबेश यही स्थिति पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के साथ भी देखने को मिली। 39 वर्ष की आयु में भी जिस स्तर का टेनिस वह खेल रहे हैं, वह खेल प्रेमियों को हैरत में डाल देता है। लेकिन उम्र और परिस्थितियों की अपनी सीमाएं होती हैं। इस बार उन्हें एक ऐसे युवा खिलाड़ी ने चुनौती दी, जो उनके करियर की शुरुआत के समय पैदा भी नहीं हुआ था। तीसरे दौर में उन्नीस वर्षीय ब्राजील खिलाड़ी के साथ पाँच सेट तक चले संघर्ष में जोकोविच ने अनुभव, कौशल और इच्छाशक्ति का परिचय दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में उनकी थकान साफ दिखाई दी। जोकोविच अपने प्रतिद्वंदी फोन्सेका से भले ही तीसरे दौर मे हार गये लेकिन उनमें अभी काफी टेनिस बाकी है। उनके पास अनुभव है, दक्षता है, एकाग्रता है लेकिन सामर्थ्य का अभाव दिखने लगा है। पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा है कि वह शुरुआती तीन सेट में जितना बेहतर खेलते हैं, वह लय पांच सेट तक बरकरार नहीं रख पाते। अगर मैच पांच सेट तक खिंच जाता है तो उम्र उनके प्रदर्शन पर हावी हो जाती है। पेरिस की गर्मी, लंबी रैलियां और लगातार शारीरिक दबाव अंततः उन पर भारी रहे। जोकोविच के अलावा मेदवेदेव, बेन शेल्टर, फ्रिट्ज, बबलिक भी बाहर हो चुके हैं। महिला वर्ग में पिछली चैंपियन गाफ भी हार चुकी हैं।

यही फ्रेंच ओपन की वास्तविकता है। यहाँ नाम, प्रतिष्ठा और उपलब्धियाँ सम्मान तो दिला सकती हैं, जीत की गारंटी नहीं। क्ले कोर्ट हर खिलाड़ी को नए सिरे से परखता है। यही कारण है कि टेनिस के इतिहास में अनेक महान खिलाड़ी आए, लेकिन साम्राज्य तो राफेल नडाल जैसा खिलाड़ी ही स्थापित कर सका। नडाल के खाते में फ्रेच ओपन का खिताब चौदह बार दर्ज है , जिस पर विश्वास ही नहीं होता। आज जब एक के बाद एक दिग्गज बाहर हो रहे हैं, तब यह तथ्य और भी स्पष्ट होकर सामने आता है कि रोलां गैरो केवल प्रतिभा का नहीं, बल्कि धैर्य, सहनशक्ति और मानसिक दृढ़ता का भी सर्वोच्च मंच है। यहाँ वही टिकता है जो अंत तक लड़ने की क्षमता रखता है। इस बार यहां नया चैंपियन देखने को मिलेगा क्योंकि पुराना कोई विजेता अब टूर्नामेंट में मौजूद नहीं है।

छत्तीसगढ़ समेत 19 ....

को छत्तीसगढ़ यूपी, दिल्ली, बिहार समेत 19 राज्यों में बारिश-आंधी की चेतावनी है। बारिश के साथ 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलेगी। लोगों को इस दौरान बेहद ही सावधान रहने की जरूरत है। किसानों और मछुआरे बेवजह नदी किनारे न जाएं। भीषण आंधी में उत्तर भारत के कई राज्यों के जिलों में पेड़-पौधे उखड़ सकते हैं।

बेमेतरा कलेक्टर-एसपी पर ....

अध्यक्ष डॉ रमन सिंह अव्यस्था को देखकर फट पड़े। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने सार्वजनिक रूप से जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी बेमतरा में हैं, लेकिन मुख्यमंत्री जी की गरिमा के अनुरूप यह कार्यक्रम बिल्कुल नहीं है। मैं कलेक्टर और एसपी को साफ-साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि यह कोई तरीका नहीं है कि मुख्यमंत्री जी का पीछे से स्वागत किया जाए। क्या इतनी भी जानकारी शायद अफसरों को नहीं है कि चीफ मिनिस्टर और दो-दो डिप्टी चीफ मिनिस्टर यहां बैठे हुए हैं? पूरा मंत्रिमंडल यहां मौजूद है, लेकिन गरिमा का ख्याल नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यहां ढाई घंटे से मौजूद हैं, लेकिन अधिकारी बैठक कहां कराना है जगह तय नहीं कर पाए। उन्होंने इसे अधिकारियों की नकारात्मकता और काम के प्रति लापरवाही करार दिया। उन्होंने कहा कि मैंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन और 15 साल तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहने के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की ऐसी घोर अव्यवस्था कभी नहीं देखी। उन्होंने यह भी कहा कि वे आम तौर पर ऐसे मौकों पर यह सब नहीं बोलते लेकिन जब मुख्यमंत्री और पूरा मंत्रिमंडल यहां मौजूद हो और उसके बाद भी अधिकारियों में कोई गंभीरता न दिखे, तो चुप रहना मुमकिन नहीं था। उन्होंने तंज कसा कि अगर मैं आज नहीं बोलता तो ये अधिकारी कभी नहीं सीखते, उम्मीद है कि वे आज की इस घटना से सबक लेंगे।

पेज एक के शेष

यूरिया की कमी पूरी करेगा...

कृषि विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में ढेंचा और मूंग के 4 हजार 207 क्विंटल बीज वितरण का संशोधित लक्ष्य तय किया है। इसके लिए करीब 8.15 करोड़ रुपये की योजना तैयार की गई है, जिसमें लगभग आधी राशि अनुदान के रूप में दी जाएगी।

रायपुर से बस्तर तक...

संभाग को 768 क्विंटल और बस्तर संभाग को 475 क्विंटल बीज उपलब्ध कराया जाएगा।जिलों की बात करें तो राजनांदगांव को 984 क्विंटल और रायगढ़ को 744 क्विंटल बीज का लक्ष्य मिला है। कोरिया जिले के लिए 540 क्विंटल तथा बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिले के लिए 300 क्विंटल बीज आवंटित किया गया है।

ये है मामला...

मूंग को खेत की जोताई के समय मिट्टी में दबा दिया जाता है। दरअसल ढेंचा और मूंग की जड़ों में इस प्रकार के तत्व होते हैं जिनमें जैविक पदार्थ, नाईट्रोजन होता है। यह मिट्टी में मिलने के बाद यूरिया खाद की कमी को पूरा करने का काम करता है। इससे जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।

4,207 क्विंटल बीज वितरण...

इसके लिए करीब 8.15 करोड़ रुपये की योजना तैयार की गई है, जिसमें लगभग आधी राशि अनुदान के रूप में दी जाएगी।

रायपुर जिले को 120...

बीज वितरण की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक किसान को अधिकतम दो एकड़ तक योजना का लाभ देने का प्रावधान रखा गया है।

छात्र ने उठाए सीबीएसई पर...

दस्तावेजों का अध्ययन कर पाया कि कई महत्वपूर्ण शर्तों को या तो बदल दिया गया या पूरी तरह हटा दिया गया। छात्र ने दावा किया कि इन बदलावों का लाभ विशेष रूप से परीक्षा प्रबंधन कंपनी कोएम्प्ट कंपनी को मिला।

टीसीएस बनाम कोएमप्ट की चर्चा : सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में देश की प्रमुख आईटी और परीक्षा प्रबंधन कंपनियों का भी उल्लेख किया है। उसका दावा है कि टेंडर की मूल शर्तें बड़ी और अनुभवी कंपनियों के पक्ष में थीं, लेकिन बाद में किए गए बदलावों से कोएमप्ट मेट जैसी कंपनी को लाभ मिला।

उसने यह भी कहा कि यह बदलाव किसी सामान्य प्रशासनिक संशोधन की तरह नहीं दिखते, बल्कि एक पैटर्न का संकेत देते हैं, जिसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।

कौन है कोएम्पट? : छात्र ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि कोएम्पट का पूर्व नाम ग्लोबराना था और उसका रिकॉर्ड विवादों से जुड़ा रहा है। उसने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी के पूर्व कार्यकाल को लेकर कई गंभीर सवाल उठ चुके हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

सोशल मीडिया पर चर्चा तेज : सार्थक सिद्धांत के दावों का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यह मामला तेजी से चर्चा का विषय बन गया है। कई शिक्षाविदों, अभिभावकों और छात्रों ने सीबीएसई से पूरे मामले पर स्पष्टीकरण देने और टेंडर प्रक्रिया को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने की मांग की है।

प्रधानमंत्री के 'मन' को...

की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में जिले के ऐतिहासिक नगर मल्हार में ज्ञान भारतम अभियान के तहत प्राप्त दुर्लभ ताम्र-पट्टिकाओं का उल्लेख कर छत्तीसगढ़ की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई। प्रधानमंत्री द्वारा इस महत्वपूर्ण खोज का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मल्हार में प्राप्त यह धरोहर केवल एक पुरातात्विक उपलब्धि नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति और ऐतिहासिक चेतना को समृद्ध करने वाला महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली अतीत को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय मंच से ऐसी उपलब्धियों का उल्लेख किए जाने से न केवल विरासत संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति सम्मान की भावना और मजबूत होती है।

संबंधित संस्थाओं से समन्वय...

सिद्ध होंगी। कलेक्टर ने जिला प्रशासन द्वारा इस अमूल्य धरोहर के संरक्षण और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए संबंधित संस्थाओं के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने की बात कही है।

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेगी।

वृष – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह – व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला – मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेगी।

मकर – क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ – रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

विदेशी धरती पर भारतीय हथियारों की ताकत देखकर घबरा गए दुश्मन देश

आर्मेनिया की सैन्य परेड पाक, तुर्की और अजरबैजान के लिए बड़ा संदेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यह खबर पढ़कर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा, क्योंकि अब दुनिया भारत के हथियारों की ताकत को सलाम कर रही है। आर्मेनिया की राजधानी येरेवन में बीते 28 मई को हुई सैन्य परेड में भारत की बढ़ती रक्षा ताकत का बड़ा संदेश देखने को मिला। इस परेड में कई भारतीय हथियार और डिफेंस सिस्टम दुनिया के सामने दिखाई दिए जिसने भारत के दुश्मनों के होश उड़ा दिए। हथियारों का प्रदर्शन देख यह संकेत मिला कि भारत अब सिर्फ हथियार खरीदने वाला देश नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे एक बड़ा डिफेंस एक्सपोर्टर बनता जा रहा है। खास बात यह है कि यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है, जब दक्षिण कॉकस क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है और आर्मेनिया अपनी सैन्य ताकत तेजी से मजबूत करने में जुटा है।

परेड में दिखे भारत के कई एडवांस हथियार

आर्मेनिया की इस सैन्य परेड में भारत के कई आधुनिक हथियार शामिल थे। इनमें आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, 155एमएम आर्टिलरी गन, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, स्वाथी रडार सिस्टम और एएलएस-50 लोइटरिंग म्यूनिशन यानी सुसाइड ड्रोन प्रमुख रहे। आकाश मिसाइल सिस्टम दुश्मन के विमान, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को रोकने में सक्षम माना जाता है।

लंबी दूरी की मारक पिनाका मिसाइल

वहीं पिनाका सिस्टम लंबी दूरी तक तेजी से हमला करने के लिए जाना जाता है। स्वाथी रडार दुश्मन की तोपों और रॉकेट की लोकेशन पता लगाने में मदद करता है। इन हथियारों के प्रदर्शन ने दिखाया कि भारत अब अलग-अलग तरह के आधुनिक सैन्य सिस्टम तैयार करने में काफी आगे बढ़ चुका है।

आखिर आर्मेनिया भारत से हथियार क्यों खरीद रहा?

आपको बता दें कि अब तक आर्मेनिया रूस के हथियारों पर निर्भर था, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद देश की सप्लाई क्षमता कमजोर हो गई। इन सबके बीच, भारत आर्मेनिया के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरा है क्योंकि भारतीय हथियार अपेक्षाकृत सस्ते हैं, जल्दी मिल जाते हैं और सोवियत दौर की सैन्य संरचना के साथ आसानी से इस्तेमाल किए जा सकते हैं.।

हथियार बाजार में बढ़ रही भारत की पकड़

भारत लंबे समय तक दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देशों में शामिल रहा है, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। मेक इन इंडिया और डिफेंस एक्सपोर्ट नीति के तहत भारत अब अपने हथियार दूसरे देशों को बेच रहा है। आर्मेनिया इसका बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है। अगर भारतीय हथियार युद्ध जैसे हालात में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आने वाले समय में एशिया, अफ्रीका और यूरोप के कई देश भी भारत की तरफ रुख कर सकते हैं। यही वजह है कि आर्मेनिया की इस परेड को सिर्फ सैन्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत आर्मेनिया की बढ़ती रक्षा साझेदारी के पीछे बड़ा भू-राजनीतिक कारण भी है। तुर्किए और पाकिस्तान खुले तौर पर अजरबैजान का समर्थन करते रहे हैं। नागोर्नो-काराबाख संघर्ष में तुर्किए ने अजरबैजान को ड्रोन और सैन्य मदद दी थी, जबकि पाकिस्तान ने कूटनीतिक समर्थन किया। ऐसे में भारत आर्मेनिया को एक रणनीतिक साझेदार के तौर पर देख रहा है।की वैश्विक रणनीतिक ताकत के प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है।

पहली बार हुआ आधिकारिक खुलासा

वियतनाम को भारत देगा ब्रह्मोस मिसाइल, 60 अरब का समझौता

फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने वियतनाम को सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस देने का समझौता किया है। बताया जाता है कि समझौते पर हस्ताक्षर पहले ही हो चुके हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने पहली बार आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की है। इस सौदे का अब तक सार्वजनिक रूप से एलान नहीं किया गया था, लेकिन समझा जाता है कि दोनों देशों के बीच 60 अरब रुपये का यह समझौता हो चुका है। सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला डायलॉग के दौरान वियतनामी प्रतिनिधि के एक सवाल के जवाब में रक्षा सचिव ने यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब भारत सरकार के किसी शीर्ष अधिकारी ने सार्वजनिक मंच से वियतनाम के साथ ब्रह्मोस सौदे के पूरा होने की पुष्टि की है।

व्यापार 25 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

हाल ही में वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी का एलान किया था। प्रधानमंत्री मोदी और लाम की मौजूदगी में दोनों देशों ने 13 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। साथ ही 2030 तक आपसी व्यापार को 25 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी रखा था।

एशिया-प्रशांत में बदल सकते हैं सामरिक समीकरण

वियतनाम के साथ ब्रह्मोस समझौते के खुलासे के बाद एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक समीकरण बदल सकते हैं। चीन के साथ तनाव के बीच वियतनाम को ब्रह्मोस जैसी मारक मिसाइल मिलना उसकी रक्षा क्षमताओं को कई गुना बढ़ा देगा। फिलीपींस भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला दुनिया का पहला देश है। इसके बाद इंडोनेशिया के साथ भी यह सौदा अंतिम चरण में है।

हिंसा के बीच सरकार का बड़ा फैसला

सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन मणिपुर में तैनात होगी

फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मणिपुर में जारी हिंसा के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कोबरा बटालियन को तैनात करने का फैसला लिया है। मणिपुर में कोबरा यूनिट की 2 बटालियन तैनात की जाएगी। मणिपुर में मई 2023 से हिंसा भड़कने के बाद ये पहली बार है, जब कोबरा बटालियन तैनात की जा रही है। ये बटालियन जंगल युद्ध और नक्सल विरोधी अभियानों के लिए खासतौर पर प्रशिक्षित है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीआरपीएफ के औपचारिक प्रस्ताव के बाद गृह मंत्रालय ने तैनाती को मंजूरी दे दी है।

कोबरा बटालियन के बारे में जानिए

कोबरा बटालियन का गठन 2008 में किया गया था। ये देश की प्रमुख आतंकवाद-विरोधी सैन्य टुकड़ी है, जिसे गुरिल्ला युद्धनीति, जंगल युद्ध, खुफिया जानकारी पर आधारित अभियानों और दुर्गम इलाकों में सटीक हमलों में महारत हासिल है।

असम और पश्चिम बंगाल से एक-एक बटालियन भेजी जाएगी। एक अधिकारी ने कहा, सीआरपीएफ के प्रस्ताव की मंत्रालय में जांच हुई और मणिपुर में कोबरा की 2 बटालियनों की तैनाती की मंजूरी दे दी गई।

गायिका सुमन कल्याणपुर का निधन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

हिंदी फिल्मों में 'ना ना करते प्यार तुम्ही से कर बैठे' और 'तुमने पुकारा हम चले आए' जैसे मशहूर गीतों को अपनी आवाज देने वालीं गायिका सुमन कल्याणपुर का रविवार शाम यहां उनके आवास पर निधन हो गया। वह 89 वर्ष की थीं। मराठी में सुमन कल्याणपुर की जीवनी 'सुमन सुगंध' लिखने वाली मंगला खाडिलकर ने बताया, 'सुमन जी ने उम्र संबंधी दिक्कतों के कारण लोखंडवाला स्थित अपने आवास पर रात करीब आठ बजे अंतिम सांस ली। वह शांति से दुनिया छोड़कर चली गईं। पिछले कुछ दिन से वह अपने गाने सुन रही थीं। कल्याणपुर ने 1960 और 70 के दशक में अपनी सुरीली आवाज से लोकप्रियता बटोरी। उन्होंने हिंदी के अलावा मराठी, असमिया, कन्नड, बांग्ला, ओडिया और अन्य भाषाओं में भी गीत गाए। कई लोग उनकी आवाज की तुलना उस समय की दिग्गज गायिका लता मंगेशकर से करते थे, हालांकि सुमन कल्याणपुर खुद इस तरह की तुलना को हमेशा खारिज करती रहीं।

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CULTURE

INVITING APPLICATIONS FOR GRANT-IN-AID UNDER THE SCHEME OF "FINANCIAL ASSISTANCE TO CULTURAL ORGANIZATIONS WITH NATIONAL PRESENCE" FOR THE FINANCIAL YEAR 2026-27.

The Ministry of Culture, Government of India invites applications/ proposals from Cultural Organizations under aforementioned scheme with the objective to provide financial assistance to Cultural Organizations having National Presence to meet the expenditure to be incurred on conducting the cultural programmes / festivals, etc.

Details of scheme guidelines, eligibility criteria, prescribed application format, details of required documents, etc. are available on the website of Ministry of Culture i.e. **https://culture.gov.in/offering/schemes-services/financial-assistance-cultural-organizations-national-presence**

Eligible applicant organizations should submit two copies of applications, complete in all respect **latest by 15th July, 2026 (5.00 PM)** at the following address:-

Director, Eastern Zonal Cultural Centre
IB-201, Sector 3, Salt Lake City
Bidhannagar, Kolkata-700106, West Bengal

Incomplete applications and applications received after last date of receipt of applications WILL BE SUMMARILY REJECTED.

Canvassing by the applicant organizations in any form will lead to disqualification of proposal.

गुमशुदा

निखिल तेम्भुरकर

उम्र लगभग 51 वर्ष, निवासी चुनाभट्टी, रामानंद मंदिर वार्ड, रायपुर, दिनांक 21 मई 2026 से लापता हैं।

यदि किसी व्यक्ति को इनके संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो अथवा कहीं दिखाई दें, तो कृपया तत्काल नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का कष्ट करें।

सूचना देने वाले व्यक्ति को उचित पुरस्कार (इनाम) दिया जाएगा।

परिजन एवं शुभचिंतक
चुनाभट्टी, रामानंद मंदिर वार्ड, रायपुर (छ.ग.)
संपर्क नंबर: 98261 14231

शब्द पहेली - 6243

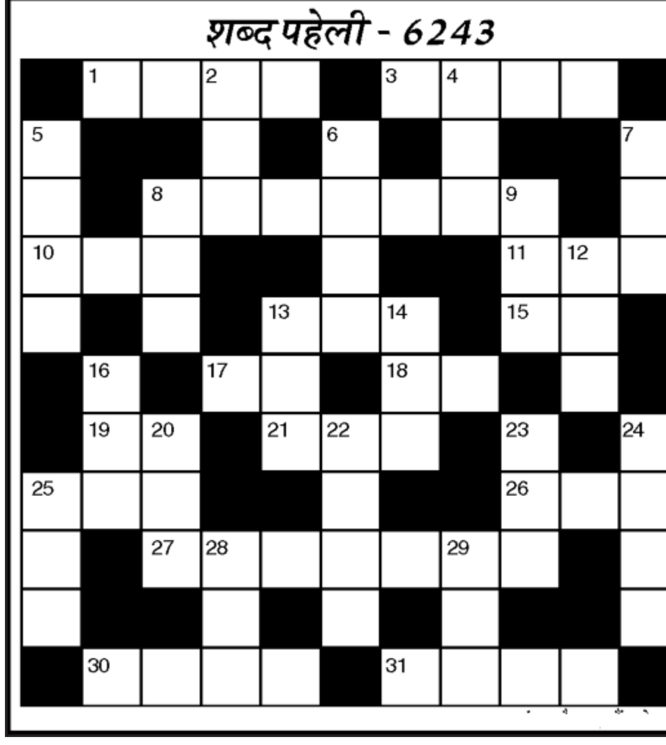

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6242 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला	■	■	क	स	क	■
ह	जी	■	श	■	श	त्रु	ता	■	न्या	य
गु	■	■	ही	र	क	■	र	■	■	म
ज	ला	व	न	■	■	गं	■	अ	नु	ज
र	■	च	■	बे	ल	गा	म	■	की	■
■	शा	न	■	क	■	ज	■	ब	ला	■
■	य	■	श	रा	र	ल	■	न्द	■	त
म	द	द	■	र	■	■	अ	र	मा	न
श	■	■	स	■	शा	य	र	■	■	ब
क	म	■	न	र	म	■	मा	■	मा	द
■	जा	न	म	■	■	म	न	मो	ह	न

सूडोकु नवताल - 6253

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 6252 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

खबर संक्षेप

कॉफी डे ग्लोबल ने कमाया 14 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। कैफे कॉफी डे का संचालन करने वाली कंपनी कॉफी डे ग्लोबल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में 14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जबकि उसकी परिचालन 5.7 प्रतिशत बढ़कर 1,094 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी की मूल इकाई कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का परिचालन लाभ या कर-पूर्व-आय (ईबीआईटीडीए) 27 प्रतिशत बढ़कर 198 करोड़ रुपये हो गया।

असम के चिप संयंत्र में इसी वर्ष से उत्पादन

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि असम के जगीरोड स्थित सेमीकंडक्टर संयंत्र में इसी वित्त वर्ष के भीतर उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

वैष्णव ने शनिवार शाम असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से हुई मुलाकात के बाद यह बात कही। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'असम के मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उनसे जगीरोड स्थित सेमीकंडक्टर संयंत्र की प्रगति पर चर्चा की गई। हमारा लक्ष्य इस वित्त वर्ष के भीतर इस संयंत्र से उत्पादन शुरू करना है।'

उद्योग को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि

मुंबई। उद्योग क्षेत्र को दिए जाने वाले बैंक ऋण की वृद्धि दर अप्रैल 2026 के अंत में बढ़कर 15.1 प्रतिशत रही। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में सात प्रतिशत थी।

आरबीआई ने 41 चयनित बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बताया कि ये बैंक कुल गैर-खाद्य बैंक ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। केंद्रीय बैंक के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 को समाप्त पखवाड़े में गैर-खाद्य बैंक ऋण में सालाना आधार पर 15.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि 9.8 प्रतिशत थी।

सेबी के जुर्माना आदेश को सैट में चुनौती देगी सुजलॉन

नई दिल्ली। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड ने कहा कि वह कंपनी, उसके दो प्रवर्तकों और पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों (सीएफओ) पर 28.95 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने वाले सेबी के आदेश के

खिलाफ प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील करेगी। बीएसई को दी जानकारी में कंपनी ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 29 मई, 2026 को एक आदेश पारित किया, जिसमें उसने 27 जून, 2025 को दिए गए एक पूर्व न्यायिक निर्णय को रद्द कर दिया।

बीते सप्ताह सरसों तेल में रहा सुधार

नई दिल्ली। कम आवक के बीच अचार के मौसम की मांग बढ़ने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल के दाम में मामूली सुधार देखा गया। कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौलातेल के दाम में भी सुधार आया।

दूसरी ओर, डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से सोयाबीन तेल-तिलहन तथा पाम-पामोलीन तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। गर्मी की फसल की आवक शुरू होने की चर्चा के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि मंडियों में सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है।

डीजल में आइसोब्यूटेनॉल मिलाना हो सकता है साल अंत तक अनिवार्य

सरकार अनिवार्य करने का प्रस्ताव वर्ष अंत तक ला सकती है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और परिवहन क्षेत्र को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के लिए सरकार डीजल में आइसोब्यूटेनॉल का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव इस वर्ष के अंत तक ला सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी उमाशंकर ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'डीजल में मिश्रण (ब्लेंडिंग) को गंभीरता से देखा जा रहा है। भारत पेट्रोलियम इस दिशा में आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण पर शोध कर रही है, जिसके परिणाम काफी उत्साहजनक हैं।' उमाशंकर ने कहा, 'ई20 स्तर पर ब्लेंडिंग को लेकर कुछ चिंताएं रही हैं, लेकिन यहां स्थिति अलग है क्योंकि ऐसे ईंधन के लिए वाहन अलग तरीके से बनाए जाएंगे। ई85 या ई100 ईंधन के लिए पेट्रोल पंपों पर अलग डिस्पेंसर भी लगाया जाएगा, जबकि सामान्य मिश्रित पेट्रोल एक ही डिस्पेंसर से उपलब्ध कराया जाता है।' सचिव ने यह भी कहा कि मंत्रालय जल्द ही ट्रक और ट्रेलर को आपस में बदलकर उपयोग करने की सुविधा पर एक मसौदा अधिसूचना ला सकता है। इसका उद्देश्य ऐसा ढांचा विकसित करना है, जिससे इलेक्ट्रिक भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए बैटरी बदलने और बैटरी चार्जिंग की व्यवस्था को बेहतर तरीके से लागू किया जा सके।

पेट्रोल से डीजल की खपत दोगुना

सचिव ने कहा कि डीजल की खपत पेट्रोल से लगभग दोगुनी होने की वजह से इस ईंधन में मिश्रण का प्रभाव देश की ऊर्जा सुरक्षा पर और भी अधिक होगा। उमाशंकर ने कहा, 'इस वर्ष के अंत तक डीजल में मिश्रण को अनिवार्य करने का प्रावधान लागू किए जाने की संभावना है।' परिवहन सचिव ने कहा कि मंत्रालय पिछले 10-12 वर्षों में आगे बढ़ने वाले ईंधन मिश्रण कार्यक्रम को और आगे बढ़ा रहा है।

पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य पूरा

इस क्रम में ई85 पेट्रोल (85 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण वाला पेट्रोल) और ई100 (लगभग शुद्ध एथेनॉल आधारित ईंधन) से जुड़े वाहन विनिर्माण नियमों का मसौदा भी जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत पहले ही पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर चुका है, जिससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने और उत्सर्जन घटाने में मदद मिली है।

कंपनी के सीईओ दुरईस्वामी ने कहा बढ़ती डिजिटल जरूरतें पूरी की जाएगी

वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उतरने की तैयारी में एलआईसी, रणनीतिक निवेश की भी योजना : सीईओ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपनी बढ़ती डिजिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी रणनीतिक निवेश के जरिये या स्वयं नई इकाई स्थापित कर फिनटेक कारोबार शुरू करने के विकल्पों पर विचार कर रही है।

> ■ कंपनी स्वयं नई इकाई स्थापित कर फिनटेक कारोबार शुरू करेगी

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक आर दुरईस्वामी ने यह बात कही है। दुरईस्वामी ने कहा कि बदलते दौर की जरूरतों और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए कंपनी वित्तीय प्रौद्योगिकी तथा बीमा प्रौद्योगिकी (इंश्योरटेक) कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है। साथ ही, एलआईसी विभिन्न संस्थानों में निवेश करने वाली बड़ी वित्तीय इकाई होने के नाते ऐसे विशेष उपक्रमों में रणनीतिक निवेश की संभावनाएं भी तलाश रही है।

सॉफ्टवेयर विकास केंद्र स्थापित

सीईओ ने बताया कि एलआईसी प्रौद्योगिकी नवाचार अपनाने वाली शुरुआती इकाइयों में रही है। कंपनी ने अपने व्यावसायिक अनुप्रयोग विकसित करने के लिए सॉफ्टवेयर विकास केंद्र स्थापित किया है, जहां बड़ी संख्या में विशेषज्ञ कार्यरत हैं। हालांकि, आधुनिक प्रौद्योगिकी ढांचे और नए डिजिटल मंचों के विकास के लिए बाहरी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं का सहयोग भी लिया जाता है।

कंपनी अपनी आईटी प्रणालियों का आधुनिकीकरण कर रही

दुरईस्वामी के अनुसार, एलआईसी अपने आंतरिक प्रौद्योगिकी दल और बाहरी प्रौद्योगिकी साझेदारों, दोनों की क्षमताओं का उपयोग कर रही है। कंपनी विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है और भविष्य में किसी रणनीतिक साझेदारी या नई पहल की घोषणा कर सकती है। उनका कहना है कि एलआईसी का मुख्य उद्देश्य अपनी आईटी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना और प्रतिस्पर्धा के बीच अधिक चुस्त एवं प्रभावी बनना है।

सरकार की और हिस्सेदारी बेचने की तैयारी

केंद्र सरकार द्वारा भविष्य में एलआईसी में और हिस्सेदारी बेचने की संभावना पर उन्होंने कहा कि कंपनी इसके लिए पूरी तरह तैयार है। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी के समय से ही ऐसी संभावित प्रक्रियाओं को ध्यान में रखा गया था। उन्होंने कहा कि हिस्सेदारी बिक्री का अंतिम निर्णय सरकार को लेना है और जब भी ऐसा होगा, एलआईसी उसके सफल क्रियान्वयन में पूरा सहयोग करेगी।

सरकार ने कंपनी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में एलआईसी का आईपीओ आया था, जिसके माध्यम से सरकार ने लगभग 21,000 करोड़ रुपये जुटाए थे और कंपनी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। इससे पहले एलआईसी पूर्ण रूप से केंद्र सरकार के स्वामित्व में थी। उन्होंने कहा कि सरकार सूचीबद्ध कंपनियों के लिए निर्धारित न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी मानकों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन मौजूदा बाजार परिस्थितियों को देखते हुए उचित समय का इंतजार किया जा रहा है।

पहली बार लाभांश की सिफारिश

दुरईस्वामी ने कहा कि आईपीओ के बाद एलआईसी ने शेयरधारकों को बेहतर प्रतिफल देने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। हाल ही में कंपनी ने एक के बदले एक बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की और लाभांश में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर 10 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

आरबीआई मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर को रख सकता है यथावत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, ऊर्जा कीमतों में तेजी और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी चुनौतियों के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस सप्ताह अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर (रेपो दर) को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है। इसके अलावा केंद्रीय अपने सतर्क रुख पर भी कायम रहेगा।

> ■ खाड़ी तनाव व ऊर्जा कीमतों में तेजी जैसी चुनौतियां के प्रमुख कारण

आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक तीन से पांच जून तक होगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच जून को नीतिगत निर्णयों की घोषणा करेंगे। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती ऊर्जा कीमतों, कमजोर होते रुपये और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण आरबीआई अपने मुद्रास्फीति के अनुमान बढ़ा सकता है तथा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान में कटौती कर सकता है। अप्रैल में आरबीआई ने पश्चिम एशिया संघर्ष के ऊर्जा आपूर्ति, महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव का आकलन करने के लिए 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाते हुए रेपो दर को अपरिवर्तित रखा था। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक शोध विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा अस्थिर परिस्थितियों को देखते हुए जून की मौद्रिक नीति में यथास्थिति बनाए रखे जाने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अगले तीन तिमाहियों में पांच प्रतिशत से ऊपर रह सकती है, जबकि चालू तिमाही में इसके चार से 4.1 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।

तटस्थ नीति रुख बनाए रखने की संभावना

आरबीआई ने शुक्रवार को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा था कि वह चालू वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी वृद्धि और मुद्रास्फीति पूर्वानुमान प्रणाली की समीक्षा और उसमें सुधार करेगा। क्रिसिल की प्रधान अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा कि आरबीआई के रेपो दर को अपरिवर्तित रखने और तटस्थ नीति रुख बनाए रखने की संभावना है।

सेंट्रल बैंक की संपत्ति प्रबंधन व क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शुल्क आधारित आय बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में संपत्ति प्रबंधन सेवाएं और क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना बनाई है।

> ■ चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से शुरू करने की योजना

बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कुमार ने कहा कि इसके लिए निदेशक मंडल से मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा, /"हम इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले साझेदारों को जोड़ने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करने की प्रक्रिया में हैं, ताकि यह कारोबार शुरू किया जा सके। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के मध्य तक हम इसे शुरू करने की स्थिति में होंगे। कुमार ने कहा कि बैंक गैर-ब्याज आय बढ़ाने वाले अन्य उत्पाद भी पेश करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट ग्राहकों

के लिए नकदी प्रबंधन सेवाएं काफी महत्वपूर्ण हैं। यह उत्पाद विकसित किया जा रहा है और अगस्त तक इसे पेश किए जाने की उम्मीद है।

विदेशी मुद्रा कारोबार भी शुरू कर रहे

सीईओ ने कहा, "हम ऋण पत्र (एलसी) और गारंटी पत्र (एलजी) के कारोबार के जरिये विदेशी मुद्रा लेनदेन को केंद्रीकृत कर रहे हैं। साथ ही विदेशी मुद्रा कारोबार भी शुरू कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि शुरुआत में बैंक अपने उन कॉरपोरेट ग्राहकों को लक्ष्य बनाएगा जो वर्तमान में ये सेवाएं अन्य बैंकों से ले रहे हैं।

खाड़ी संकट का इस्पात उत्पादों की कीमतों पर मामूली असर : सेल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल) का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट का उसके इस्पात उत्पादों की कीमतों पर केवल मामूली असर पड़ेगा। कंपनी ने कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक समुद्री मार्गों की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। प्रमुख इस्पात कंपनी सेल के नवनियुक्त चेयरमैन अशोक पांडा ने बताया कि कंपनी दुबई से चूना पत्थर (लाइमस्टोन) जैसे कच्चे माल की खरीद करती है।

पांडा ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष की वजह से माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है। पहले माल की लागत एवं भाड़ा (सीएफआर) लगभग 23-24 डॉलर प्रति टन होता था, लेकिन अब यह बढ़कर करीब 35 डॉलर प्रति टन हो गया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बढ़ी हुई लागत का इस्पात की बिक्री कीमतों पर बहुत सीमित असर पड़ेगा।

अगले सप्ताह खुलेंगे दो कंपनियों के आईपीओ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शेयर बाजार में अगले सप्ताह दो कंपनियों सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज और हेक्सागन न्यूट्रिशन के कुल लगभग 770 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुलने जा रहे हैं।

> ■ सीएमआर ग्रीन और हेक्सान न्यूट्रिशन लाएगी निर्गम

दोनों ही कंपनी के आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) है, इसलिए कंपनियों को इस सार्वजनिक निर्गम से कोई राशि

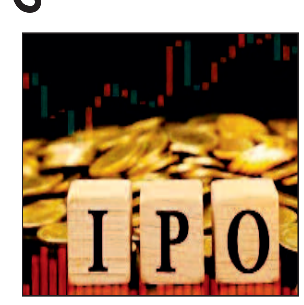

प्राप्त नहीं होगी। पूरी राशि बिक्री करने वाले शेयरधारकों को जाएगी। ये प्रस्ताव ऐसे समय में आ रहे हैं जब लगातार बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शेयर बाजार में सुस्ती देखी जा रही है। हाल के सप्ताहों में कई कंपनियों को आईपीओ के लिए नियामकीय मंजूरी मिली है, लेकिन अनिश्चित बाजार परिस्थितियों के कारण कई कंपनियों ने अपनी सूचिबद्धता योजनाएं टाल दी हैं।

42 से 45 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय

कंपनी ने अपने 139 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के लिए 42-45 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। प्रस्तावित आईपीओ में प्रवर्तकों द्वारा 3.08 करोड़ से अधिक शेयरों का ओएफएस शामिल है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर निर्गम का आकार 138.87 करोड़ रुपये आंका गया है।

बाजार पूंजीकरण में रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में आई गिरावट का असर देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों पर भी देखने को मिला। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से कुल 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक

सूचकांक सेंसेक्स कुल 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत और एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे आ गया। बाजार में कमजोरी के इस रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई।

ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह अमेरिका-ईरान संबंधों से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा से तय होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।इसके अलावा प्रमुख आर्थिक आंकड़ों की घोषणा, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तथा रुपये-डॉलर की विनिमय दर पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

> ■ खाड़ी युद्ध से जुड़े घटनाक्रम की भी होगी बड़ी भूमिका

रेलिगेयर ब्रोकिंग के शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा कि बाजार भागीदारों की नजर अमेरिका-ईरान की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों पर बनी रहेगी। ये दोनों कारक मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं, रुपये की स्थिरता और विदेशी निवेश प्रवाह को सीधे प्रभावित करते हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को मई माह का अंतिम एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई (पीएमआई) आंकड़ा जारी होगा, जबकि बुधवार को सेवा क्षेत्र और समग्र पीएमआई के आंकड़े आएंगे। इनसे मांग, कारोबारी गतिविधियों और विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक मजबूती का संकेत मिलेगा।

मिश्रा के अनुसार, सप्ताह की सबसे महत्वपूर्ण घटना शुक्रवार को होने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का निर्णय होगा। निवेशक ब्याज दरों, मुद्रास्फीति और नकदी प्रबंधन को लेकर केंद्रीय बैंक के रुख पर विशेष ध्यान देंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर तथा विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े भी अर्थव्यवस्था की गति और बाहरी क्षेत्र की स्थिति का आकलन करने में मदद करेंगे।

रुपए की चाल भी दिशा तय करेगी

इनके अलावा वैश्विक बाजारों का प्रदर्शन, संस्थागत निवेशकों का निवेश प्रवाह और रुपये की चाल भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि घरेलू स्तर पर आरबीआई की नीतिगत बैठक सबसे महत्वपूर्ण रहेगी।

तनाव से हवाई सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हुआ

खाड़ी तनाव से देश में ही छुट्टियां मना रहे संपन्न भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, हवाई सेवाओं में व्यवधान और विदेश यात्रा की बढ़ती लागत के बीच संपन्न भारतीय परिवार इन गर्मियों में विदेशी गंतव्यों के बजाय छुट्टियां बिताने के लिए घरेलू स्थलों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

> ■ विदेश की यात्रा की बढ़ती लागत बनी एक वजह

इसके चलते लक्जरी होटल उद्योग की बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। आईटीसी होटल्स, रेडिसन होटल ग्रुप और द लीला पैलेसेस, होटल्स एंड रिजॉर्ट्स जैसे प्रमुख होटल समूहों ने इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान घरेलू पर्यटन स्थलों पर बुकिंग में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की है।

उच्चस्तरीय पर्यटन बने विकल्प

द लीला पैलेसेस, होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुराग भटनागर ने कहा कि संपन्न भारतीय यात्रियों की विदेश यात्रा में दीर्घकालिक रुचि बनी हुई है, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितता, उड़ानों में व्यवधान और बढ़े हुए यात्रा खर्च के कारण कई लोग देश के भीतर उपलब्ध उच्चस्तरीय पर्यटन विकल्पों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

घरेलू पर्यटन स्थलों की ओर रुख

शर्मा ने कहा कि अवकाश स्थलों पर औसत कमरों की बुकिंग दर करीब 75 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि सप्ताहांत के दिनों में मांग और भी अधिक मजबूत रहती है। शर्मा के अनुसार, पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में जारी तनाव और यात्रा संबंधी व्यवधानों का अंतरराष्ट्रीय धारणा पर कुछ प्रभाव पड़ा है, जिसके कारण यात्रियों का एक वर्ग घरेलू पर्यटन स्थलों की ओर रुख कर रहा है।

पहाड़ी और धार्मिक पर्यटन स्थलों की मांग बढ़ी

लोग अब घर के निकट उच्च गुणवत्ता वाले और यादगार अनुभवों को अधिक महत्व दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि रेडिसन के लिए सबसे तेज वृद्धि उन भारतीय पर्यटन स्थलों से आ रही है जो या तो गर्मी से राहत प्रदान करते हैं या फिर सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अनुभवों के लिए प्रसिद्ध हैं। शर्मा ने कहा कि इस गर्मी में पहाड़ी और धार्मिक पर्यटन स्थलों की मांग सबसे अधिक रही है।

अवकाश स्थलों की बुकिंग बढ़ी

आईटीसी होटल्स के प्रबंध निदेशक अनिल चड्ढा ने कहा कि कंपनी के विभिन्न अवकाश स्थलों पर बुकिंग का रुझान उत्साहजनक बना हुआ है और कई गंतव्यों में मांग पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि हाल की अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने कुछ यात्रियों को अपनी विदेश यात्रा योजनाओं पर पुनर्विचार करने और घरेलू पर्यटन स्थलों को चुनने के लिए प्रेरित किया है।

कमरों की बुकिंग पिछले साल से पांच फीसदी बढ़ी

रेडिसन होटल ग्रुप, दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) निखिल शर्मा ने बताया कि कंपनी के भारत स्थित होटलों में इस वर्ष गर्मियों के दौरान कुल कमरों की बुकिंग का स्तर पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग पांच प्रतिशत बढ़ा है।

फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराया

किंग कोहली का 'फिनिशिंग टच' टाइटन्स पर बनाए रखा दबदबा

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 75 रन) के अर्धशतक से रविवार को आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरा खिताब अपने नाम कर खचाखच भरे नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में अपने दर्शकों को खुशियां मनाने का मौका दिया। आरसीबी ने अपने आक्रामक खेल से टूर्नामेंट में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और इसका समापन एक और ट्रॉफी से किया। आरसीबी ने पिछले चरण में 18 साल बाद पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती थी और रविवार को कोहली ने छक्का लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

टॉस जीतकर गेंदबाजी करने वाली आरसीबी के गेंदबाजों ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए गुजरात टाइटन्स को 8 विकेट पर 155 रन ही बनाने दिए। छह दिन में तीसरे स्थल पर तीसरा मैच खेल रही गुजरात टाइटन्स पर थकान हावी दिखी।

इसके बाद कोहली (42 गेंद, नौ चौके और तीन छक्के) और वेंकटेश अय्यर (32 रन) की अच्छी शुरुआत दिलाई, जिससे आरसीबी 18 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन बनाकर मुंबई इंडियंस (पांच ट्रॉफी) और चेन्नई सुपर किंग्स (पांच ट्रॉफी) के बाद लगातार खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बन गई। कोहली ने पैर में हो रही दिक्कत के बावजूद आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक जड़ा, उन्होंने 25 गेंद में सात चौके और दो छक्के से पचास रन पूरे किए।

आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी

विराट कोहली ने फाइनल मुकाबले में 25 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से वह पचासे तक पहुंचे। यह विराट के आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी है। इससे पहले उन्होंने 2018 में राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 26-26 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की थी।

आरसीबी लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम

आरसीबी ने लगातार दूसरे सीजन में खिताब जीतकर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के क्लब में एंट्री कर ली। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार का नाम आईपीएल के दो दिग्गज कप्तानों महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ लिया जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बनी। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में लगातार दो बार खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में लगातार दो बार खिताब जीता था। आरसीबी ने 2025 के बाद 2026 में यह कारनामा किया। रजत पाटीदार से पहले महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा लगातार दो सीजन आईपीएल खिताब जीते हैं।

ऑरेंज कैप पर वैभव का कब्जा, गिल को पछाड़ा

आईपीएल इतिहास में हर सीजन सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को ऑरेंज कैप से सम्मानित किया जाता है। आईपीएल के एक सीजन में जो खिलाड़ी सबसे ज्यादा रन बनाता है, उसे स्पेशल ऑरेंज कैप के साथ प्राइज मनी भी दी जाती है। आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने आखिर में लंबी छलांग लगाई और शीर्ष स्थान हासिल करते हुए ऑरेंज कैप पर कब्जा जमा लिया। इस रेस मे उन्होंने साई सुदर्शन और शुभमन गिल को पछाड़ा, जिसके चलते वैभव अब 15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले आईपीएल के पहले बैटर बने। वैभव ने 16 मैचों में एक शतक की मदद से 776 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 72 छक्के भी जड़े। शुभमन गिल (732) और साई सुदर्शन (722) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन रहे। क्लासेन ने इस सीजन 624 रन बनाए। रेंज कैप जीतने वाले खिलाड़ी को साल 2008 से अब तक 10 लाख रुपए की प्राइज मनी दी जाती रही है।

रबाडा ने दूसरी बार जीता पर्पल कैप

गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल 2026 का खिताबी मुकाबला हार गई। इसके बाद भी टीम रबाडा ने पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया। क्वालीफायर-1 में आरसीबी हार गई थी और इसी वजह से रबाडा को एक अतिरिक्त मैच मिल गया। उन्होंने 17 मैचों में 29 बल्लेबाजों को आउट किया। आर्चर की इकोनॉमी 9.68 की रही। साउथ अफ्रीका के रबाडा ने दूसरी बार आईपीएल में पर्पल कैप जीता है। इससे पहले 2020 सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से भी सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। तब भी उनकी टीम फाइनल में हार गई थी।

एक से ज्यादा खिताब जीतने वाली चौथी टीम बनी आरसीबी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु एक से ज्यादा खिताब जीतने वाली चौथी टीम बनी। चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने 5-5 बार आईपीएल का खिताब जीता है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 3 बार आईपीएल का खिताब जीता है। अब आरसीबी ने दो बार आईपीएल का खिताब जीत लिया है। राजस्थान रॉयल्स, डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस ने 1-1 बार आईपीएल का खिताब जीता है।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का जितेश बो भुवनेश्वर	12	12	2	0
गिल का पाटीदार बो हेजलवुड	10	8	2	0
सिंधू का पाटीदार बो रसिख सलाम	20	18	3	0
बटलर स्ट जितेश बो कृणाल	19	23	1	0
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	50	37	5	0
अरशद का सलाम बो हेजलवुड	15	6	0	2
तेवतिया का पाटीदार बो सलाम	07	5	1	0
होल्डर का हेजलवुड बो भुवनेश्वर	07	5	1	0
राशिद का शेफर्ड बो सलाम	07	3	0	1
रबाडा नाबाद	03	3	0	0

अतिरिक्त : 05 कुल योग : 20 ओवर में 155/8 रन

गेंदबाजी : जैकब डफी 4-0-38-0, भुवनेश्वर कुमार 4-0-29-2, जोश हेजलवुड 4-0-37-2, रसिख सलाम 4-0-27-3, कृणाल पंड्या 4-0-23-1.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4	6
वेंकटेश का रबाडा बो सिराज	32	16	4	2
विराट कोहली नाबाद	75	42	9	3
पडीक्कल का अरशद बो रबाडा	01	4	0	0
पाटीदार का रबाडा बो राशिद	15	13	1	1
कृणाल पगबाधा बो राशिद	01	2	0	0
डेविड का बटलर बो अरशद	24	17	3	1
जितेश शर्मा नाबाद	11	14	1	0

अतिरिक्त : 02 कुल योग : 18 ओवर में 161/5 रन

गेंदबाजी : सिराज 4-0-36-1, रबाडा 3-0-44-1, जेसन होल्डर 2-0-16-0, राशिद खान 4-0-25-2, अरशद खान 4-0-32-1, प्रसिद्ध कृष्णा 1-0-7-0.

खबर संक्षेप

ब्रिटिश ओपन स्क्वाश : दूसरे दौर में अभय और चोटरानी

बर्मिंघम। भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वाश प्रतियोगिता के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं लेकिन रमित टंडन और अनाहत सिंह इस पीएसए डायमंड स्तर के टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मैटियस नुडसेन को 11-8 11-5 11-4 से, जबकि विश्व में 44वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमां को 11-8 12-14 11-6 11-7 से हराया। टंडन फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे डुसोर्ड के खिलाफ मैच के बीच से हट गए। उस समय यह भारतीय खिलाड़ी 14-12 4-7 से पीछे चल रहा था। महिला वर्ग में विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत मिस्त्र की विश्व में 36वें नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गारास से हार गईं।

जाबरा ओपनः अवनी और दीक्षा ने बनाई शीर्ष दस में जगह

एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अवनी प्रशांत और दीक्षा डागर ने अंतिम दौर में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जाबरा लेडीज ओपन डी फ्रांस में शीर्ष 10 में जगह बनाई। अवनी अंतिम दौर में दो अंडर 69 का स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रही, जबकि दीक्षा (71) ने संयुक्त नौवां स्थान हासिल करके वर्तमान सत्र में तीसरी बार शीर्ष 10 में जगह बनाई। अवनी ने 72-68-69 के कार्ड खेल कर कुल चार अंडर पार का स्कोर बनाया। दीक्षा ने 67-72-71 का स्कोर बनाकर कुल तीन अंडर पार का स्कोर हासिल किया।

फ्रेंच ओपन

पहली बार क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक, स्वियातेक को हराया

एजेंसी ▶▶| पेरिस

मार्टा कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। कोस्त्युक ने इस सत्र में अभी तक क्ले कोर्ट पर कोई मैच नहीं गंवाया है। इससे पहले स्वियातेक के खिलाफ उन्हें तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा था। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक सेट भी नहीं जीता था। रविवार को अपना 25वां जन्मदिन मना रही स्वियातेक ने पहले सेट में अच्छी चुनौती पेश की लेकिन इसके बाद कोस्त्युक हावी हो गई और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही।

कोको गॉफ का अभियान समाप्त

मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया, जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की। इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा।

पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं क्रिस्टिया

सत्र के अंत में संन्यास लेने की योजना बना रही रोमानियाई अनुभवी खिलाड़ी सोराना क्रिस्टिया ने चीन की क्वालीफायर वांग जियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर अपने दूसरे रोलां गैरां क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उन्होंने 17 साल बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाई।

नॉर्वे चेस : विमेंस कैटेगरी में नंबर-1 पर दिव्या, ग्रैंडमास्टर गुकेश की वापसी

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपने हमवतन आर प्रज्ञानानंदा को क्लासिकल मुकाबले में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए और खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा जबकि महिला वर्ग में दिव्या देशमुख शीर्ष पर पहुंच गई।

इस बीच मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन की मुश्किलें और बढ़ गईं क्योंकि उन्हें अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से हार का सामना करना पड़ा। इससे वह पांच राउंड के बाद छह खिलाड़ियों की तालिका में सबसे नीचे आ गए।

■ प्रज्ञानानंद और कार्लसन हारे

वेस्ली सो इस जीत से 8.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वह अलीरेज़ा फ़िरोजा से पीछे हैं, जिन्होंने अब तक प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखते हुए 10 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी है।

दिव्या ने 84 चाल में जीती बाजी : महिला वर्ग में भारत की विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख ने चीन की झू जिनर को क्लासिकल बाजी में हराकर तीन अंक हासिल किए। इससे वह 8.5 अंकों के साथ पहली बार छह खिलाड़ियों की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गईं। भारतीय खिलाड़ी ने 84 चाल में जीत हासिल की। भारत की ही कोनेरु हम्पी ने चीन की जू वेनजुन को हराया। हम्पी के 4.5 अंक हैं और इस जीत के बावजूद वह सबसे निचले स्थान पर हैं।

पेनल्टी शूटआउट में जीतकर पीएसजी बनी यूरोपीय चैंपियन

एजेंसी ▶▶| बुडापेस्ट

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने एक रोमांचक फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बुडापेस्ट में खेले गए फाइनल में अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था, जिसके बाद पीएसजी ने पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को 4-3 से हराकर लगातार दूसरी बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगाल्हेस ने अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार दिया, जिससे पीएसजी को शूटआउट में जीत मिल गई।

'इम्पैक्ट प्लेयर' का नियम खत्म कर देना चाहिए : सचिन

मुंबई। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाने के लिए विवादास्पद इम्पैक्ट प्लेयर नियम को खत्म करने की वकालत की और साथ ही कुछ अन्य बदलाव करने के लिए भी सुझाव दिए। आईपीएल में इंपैक्ट प्लेयर का नियम 2023 में लागू किया गया था। इसके तहत टीम अंतिम एकादश में शामिल किसी खिलाड़ी को पहले से घोषित किए गए पांच संभावित खिलाड़ियों में से किसी एक से बदल सकती हैं। तेंदुलकर ने कहा, 'मेरी निजी राय है कि कुछ ऐसी बातें हैं, जिनसे मुझे लगता है कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' का नियम खत्म कर देना चाहिए।'

भारतीय टीम का दबदबा, कोरिया को हराया

एजेंसी ▶▶| काकामिगाहारा

अंडर-18 एशिया कप

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंडर-18 एशिया कप के पूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया को 3-1 से पराजित किया। भारत की तरफ से नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने गोल किए। इस तरह से पहले दिन मलेशिया को हराने

वाली भारतीय टीम ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा।

भारतीय टीम की शानदार शुरुआत : भारत ने शानदार शुरुआत की और पहले क्वार्टर में पेनल्टी हासिल की। नौशीन (चौथे मिनट में) ने पेनल्टी को गोल में बदलकर भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर में बढ़त को दोगुना कर दिया। खेल के 21वें मिनट में श्रुति ने एक शानदार मैदानी गोल दागा, जिससे भारत हाफ टाइम तक 2-0 से आगे था।

इंडोनेशिया के अल्फियन और फिकरी की जोड़ी को हराया

सिंगापुर ओपन: सात्विक-चिराग बने चैंपियन

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता।

एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब है। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया।

जीत के बाद कोर्ट पर किया डांस

जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

दो साल के खिताबी सूखे को किया खत्म

पहले गेम में पिछड़ने के बाद बढ़ाई गति

कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया। यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही।

सिंगापुर ओपन जीतने वाली बनी पहली भारतीय पुरुष जोड़ी

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे। सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी।

1997 में जिस समंदर ने भारत को सूखे से बचाया था, 2026 में वो है खामोश

भारत में मानसून को लेकर इस साल नई चिंता सामने आई है। वैज्ञानिकों ने भी चेतावनी जारी कर दी है कि इस साल भारत के मानसून पर अल नीनो का सबसे खतरनाक असर दिख रहा है। जब भी अल नीनो आता है, भारत के लिए परेशानी का कारण बनता है।

नई दिल्ली। अगर अल नीनो का असर भारत पर पड़ता है, तो सीखे की स्थिति बढ़ सकती है। लेकिन, इस बार स्थिति थोड़ा अलग है। साल 2026 में आने वाले अल नीनो को लेकर ही चिंता नहीं है, बल्कि वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी टेंशन है हिंद महासागर का खामोश बैठना।

आमतौर पर जब भी प्रशांत महासागर में अल नीनो एक्टिव होता है, तो भारत में सूखा पड़ने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। लेकिन, साल 1997 में इतिहास का सबसे खतरनाक अल नीनो आने के बाद भी भारत में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई थी। ऐसा इसलिए हुआ था क्योंकि हमारे अपने हिंद महासागर ने ढाल बनकर मानसून बचाया था। लेकिन, इस बार कहानी पूरी तरह से अलग है। डेटा बता रहा है कि 2026 में हिंद महासागर पूरी तरह शांत बैठा है, जिससे भारत के पास अल नीनो से लड़ने का कोई बैकअप प्लान नहीं बचा है।

अल नीनो के खतरे ने बढ़ाई आईएमडी की टेंशन

क्या है अल नीनो

प्रशांत महासागर में जब भी पूरब से पश्चिम चलने वाली हवाएं कमजोर होती हैं, तो समुद्र का गर्म पानी दक्षिण अमेरिका के तटों की ओर जमा होने लगता है। पानी के इस तरह गर्म होने की घटना को अल नीनो कहते हैं। इसका सीधा असर भारत के मानसून पर पड़ता है। मानसून का नियम है, जब गर्मियों में भारत की जमीन तपती है, तो हिंद महासागर से नमी वाली ठंडी हवाएं खिंची चली आती हैं और बारिश होती है। लेकिन, अल नीनो इस पूरे सिस्टम को खराब करने का काम करता है। अल नीनो बादलों और नमी को भारत से दूर प्रशांत महासागर की ओर खींच लेता है, जिससे भारत में बारिश कम होती है। आंकड़ों के अनुसार 1951 से 2022 के बीच 60% अल नीनो वाले सालों में भारत में सूखा या कम बारिश हुई है।

हिंद महासागर बना था ढाल

जब अल नीनो मानसून को कमजोर करने की कोशिश करता है, तो हिंद महासागर एक्टिव हो जाता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में इंडियन ओशन डाइपोल कहा जाता है। इसमें अफ्रीका के पास का समंदर गर्म हो जाता है और इंडोनेशिया के पास का पानी ठंडा रहता है। यह स्थिति दो प्रकार की होती है। पॉजिटिव आईओडी और नेगेटिव आईओडी।

पॉजिटिव आईओडी

यह स्थिति भारत के लिए एक वरदान की तरह काम करती है, क्योंकि यह मानसून की हवाओं को दोगुनी ताकत से भारत की ओर धकेलता है। 1997 में इसी पॉजिटिव आईओडी ने अल नीनो के असर को पूरी तरह खत्म कर दिया था।

किसानों की बढ़ सकती है मुसीबत

सितंबर के महीने में अल नीनो का असर सबसे खतरनाक होगा। यह वही महीना है जब किसानों की फसल धान, दालें, कपास और तिलहन पकने की कगार पर होती हैं। वैज्ञानिक इसे ग्रेन-फिलिंग स्टेज कहते हैं, जिसमें पौधों के दानों में न्यूट्रिएंट्स भरते हैं। इस समय फसलों को सबसे ज्यादा पानी की जरूरत होती है। अगर सितंबर में बारिश रुकी, तो पूरी की पूरी तैयार फसल बर्बाद हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए आईएमडी ने मानसून का अनुमान घटाकर 90% कर दिया है, जो सामान्य से कम की श्रेणी में आता है। इस साल सूखा पड़ने की आशंका 60% तक बढ़ गई है, जो आम सालों में महज 16% होती है।

रोचक खबरें

भारत में अनोखा पानी में तैरने वाला चर्च, हर 6 महीने में बदलता है रंग

बेंगलुरू। कर्नाटक की हरी-भरी वादियों के बीच एक ऐसी रहस्यमयी जगह मौजूद है, जिसे देखकर पहली नजर में यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यह है शेट्टीहल्ली रोजरी चर्च, जो हर मानसून में पानी के बीच अकेला खड़ा दिखाई देता है। चारों तरफ फैला गहरा पानी, टूटी हुई पुरानी दीवारें और सन्नाटे से भरा माहौल इस जगह को किसी हॉलीवुड हॉरर फिल्म जैसा बना देता है। यही वजह है कि लोग इसे फ्लोटिंग चर्च और कर्नाटक का हॉन्टेड चर्च तक कहने लगे हैं। हालांकि, इस चर्च की असली पहचान इसकी डरावनी कहानियों में नहीं, बल्कि इसके शानदार इतिहास और अनोखी खूबसूरती में छिपी है।

इस चर्च का निर्माण 1860 के दशक में फ्रांसीसी मिशनरियों ने करवाया था। उस समय यह चर्च इलाके में रहने वाले ब्रिटिश एस्टेट मालिकों और स्थानीय ईसाई समुदाय के लिए प्रार्थना का मुख्य केंद्र हुआ करता था। फ्रेंच गोथिक शैली में बने इस चर्च की ऊंची मेहराबें, पत्थरों पर की गई नक्काशी और बड़ी-बड़ी खिड़कियां इसकी भव्यता को अलग पहचान देती थीं. हेमावती नदी के किनारे बना यह चर्च कभी लोगों की प्रार्थनाओं और धार्मिक गतिविधियों से गुलजार रहता था। लेकिन, 1960 के दशक में इसकी किस्मत पूरी तरह बदल गई। हेमावती बांध बनने के बाद आसपास का इलाका धीरे-धीरे जलाशय में बदलने लगा। पानी का स्तर बढ़ने से गांव खाली कराए गए और लोगों को दूसरी जगह बसना पड़ा। इसी के साथ यह चर्च भी वीरान हो गया। समय के साथ इसकी छत गिर गई, दीवारें टूटने लगीं, लेकिन इसके विशाल खंभे और मेहराब आज भी मजबूती से खड़े हैं। मानसून के मौसम में यह चर्च आधा पानी में डूब जाता है। दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो कोई पुरानी इमारत झील के ऊपर तैर रही हो. वहीं सर्दियों में पानी कम होने पर लोग पैदल यहां तक पहुंच सकते हैं।

दुनिया का अनोखा आइलैंड, जहां है सुअरों का राज! समुद्र में टूरिस्ट के साथ लगाते हैं गोते

नासाउ। दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो अपनी अनोखी खासियतों की वजह से लोगों को हैरान कर देती हैं। ऐसी ही एक जगह बहामास के एक्जुमा इलाके में मौजूद पिग आइलैंड है, जहां इंसानों से ज्यादा सुअर रहते हैं। इस द्वीप की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां के सुअर समुद्र में तैरते नजर आते हैं। यही वजह है कि दुनियाभर से हजारों टूरिस्ट सिर्फ इन स्विमिंग पिग्स को देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। नीले समंदर के बीच बसे इस छोटे से आइलैंड पर सुअरों की बड़ी आबादी रहती है। पर्यटक नावों के जरिए यहां पहुंचते हैं और सुअरों के साथ पानी में उतरकर तस्वीरें खिंचवाते हैं। कई लोग इन्हें खाना खिलाते हैं, जबकि कुछ टूरिस्ट मस्ती-मजाक में इन्हें ड्रिंक्स तक ऑफर करते नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर इस जगह के वीडियो और तस्वीरें अक्सर वायरल होते रहते हैं। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस निर्जन आइलैंड पर इतने सारे सुअर आए कहां से? इसे लेकर कई कहानियां मशहूर हैं। एक कहानी के अनुसार, सालों पहले कुछ नाविक लंबी समुद्री यात्रा पर निकले थे। उन्होंने रास्ते में खाने के लिए सुअरों को इस द्वीप पर छोड़ दिया था, ताकि लौटने पर उनका इस्तेमाल कर सकें। लेकिन, वे नाविक कभी वापस नहीं आए और सुअर यहीं बस गए।वहीं, दूसरी कहानी यह बताती है कि कई दशक पहले इस इलाके के पास एक जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस जहाज से कुछ सुअर बचकर तैरते हुए इस द्वीप तक पहुंच गए। बाद में प्रजनन के कारण इनकी संख्या तेजी से बढ़ती चली गई और पूरा आइलैंड इनका घर बन गया। टूरिस्टों के लिए यह जगह किसी रोमांच से कम नहीं है। समुद्र में तैरते सुअरों को देखना लोगों के लिए बेहद अनोखा अनुभव माना जाता है। लेकिन, दूसरी तरफ एनिमल एक्सपर्ट्स इस ट्रेंड को लेकर चिंता भी जता रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार इंसानी संपर्क और गलत खानपान इन जानवरों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

हरिभूमि माह मई 2026 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
31 दिन	5.00	155.00
	कुल	155.00

हरिभूमि के सुधि पाठक मई 2026 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।

व्यवस्थापक

ब्रह्मांड के इस कोने में छिपा है विशालकाय ब्लैक होल! तारों के साथ कर रहा लुका-छिपी

हमारा ब्रह्मांड अपने भीतर कई राज छिपाए हुए हैं। दुनियाभर के वैज्ञानिक आए दिन इसमें कुछ न कुछ नया खोजते रहते हैं। हाल ही में एस्ट्रोनॉमर्स ने ब्रह्मांड के पास सबसे ज्यादा स्टडी की गई गैलक्सी मर्जर्स में से एक, एंटेना गैलक्सी के अंदर पहले से छिपे एक विशालकाय ब्लैक होल के सबूत का पता लगाया है।

वॉशिंगटन। रिसर्च के निष्कर्षों से पता चलता है कि मर्ज हो रही गैलक्सी एनजीसी 4039 के अंदर एक घनी ऊर्जा पैदा करने वाला ब्लैक होल हो सकता है, जो इंटेंस स्टार फॉर्मेशन एक्टिविटी के चलते छिपा हुआ है।

इस छोटी सी हलचल ने खोला राज

छिपा हो सकता है ब्लैक होल

गैलक्सी मर्जर गैस को गैलक्टिक सेंटर्स तक चैनल कर सकती है, जिससे सुपरमैसिव ब्लैक होल को ऊर्जा मिलती है और वे एक्टिव गैलक्सी न्युक्लाई में परिवर्तित हो जाते हैं। हालांकि, एंटेना गैलक्सी में अबतक स्टार विस्फोट की एक्टिविटी हावी दिखाई दी है और इस बात के बेहद कम प्रमाण मिले हैं कि कोई भी सेंट्रल ब्लैक होल एक्टिवली मैटर को इकट्ठा कर रहा था। आगे की जांच के लिए जापान के 'कोगाकुइन यूनिवर्सिटी' के शिन्य कोमुगी के नेतृत्व में एक टीम ने 100 जीएचजेड पर इस सिस्टम का ऑब्जर्वेशन करने के लिए अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/सबमिलीमीटर ऐरे का इस्तेमाल किया। एक बेवसाइड के मुताबिक, रिसर्चर्स ने लगभग ढाई महीनों में 52 बार गैलक्सी की निगरानी की और उनकी चमक में होने वाले बदलावों की खोज की।

52 बार गैलक्सी की निगरानी की और उनकी चमक में होने वाले बदलावों की खोज

क्या है एंटेनी गैलक्सी?

धरती से लगभग 7 करोड़ लाइट ईयर्स दूर स्थित एंटेनी गैलक्सी 2 गैस रिच गैलक्सी के मर्ज होने के पता लगने का नया उदाहरण है। इनका नाम टक्कर से निकलने वाले तारों, गैस और धूल की लंबी धाराओं से पड़ा है, जो किसी कीड़े के एंटेना जैसी दिखती हैं। स्पेस एजेंसी नासा के मुताबिक यह मर्जर कुछ 100 मिलियन सालों पहले शुरू हुआ था। इसने तेजी से स्टार फॉर्मेशन को गति दी, जिससे हजारों यंग स्टार्स ग्रुप और अरबों नए तारे बने हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि गैलक्सी धीरे-धीरे एक बड़े सिंगल सिस्टम में बदल जाती है।

ध्यान क्यों आकर्षित कर रहा है सोर्स एस4?

इस स्टडी में एनजीएस 4039 के सेंटर के पास एस 3 और एस 4 नाम के 2 सोर्स पर फोकस किया गया। एस 3 असामान्य रूप से चमकीला दिखा, लेकिन इसमें कोई अहम बदलाव नहीं दिखा। यह एक युवा, विशाल तारा समूह से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, एस 4 ने केवल 13 दिनों में चमक में बदलाव किया। तेजी से हुए इस बदलाव के चलते एमिटिंग एरिया 13 लाइट डेज से भी कम या तकरीबन 0.01 पारसेक के आकार तक सीमित हो जाता है। रिसर्चर्स के मुताबिक, यह क्षेत्र इतना घना है कि इसे स्टार फॉर्मेशन एरिया, सुपरनोवा रिमेनिंग या डस्ट क्लाउड्स के रूप में समझना संभव नहीं है। इसके बदले, आकार की यह सीमा सूरज की डेंसिटी से तकरीबन 10 मिलियन गुना अधिक डेंसिटी वाले एक सुपरमैसिव ब्लैक होल के मुताबिक है। ये रिजल्ट अबतक के सबसे मजबूत संकेत देते हैं कि एंटेनी गैलक्सी के अंदर छिपा हुआ एक्टिव ब्लैक होल मौजूद हो सकता है।

113 साल तक जिंदा रहा शख्स, लोगों को बताता था लंबी उम्र का सीक्रेट

बर्थडे से एक दिन पहले हुई मौत!

बुखारेस्ट। यूरोप के सबसे उम्रदराज व्यक्ति इलिए सियोकान का 113वें जन्मदिन से महज एक दिन पहले निधन हो गया। 28 मई को उनका 113वां जन्मदिन होना था, लेकिन 27 मई को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनकी मौत की खबर सुनकर यूरोप में शोक की लहर दौड़ गई। इलिए ना सिर्फ यूरोप के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे, बल्कि दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज जीवित व्यक्ति भी थे।

इलिए सियोकान का जन्म 28 मई 1913 को रोमानिया के क्रेमेनारी गांव में हुआ था। मात्र 12 साल की उम्र में उन्होंने माता-पिता को खो दिया. इसके बाद उन्होंने गाय चराकर परिवार का पेट पाला। बड़े भाई अलियन ने परिवार की मुख्य जिम्मेदारी संभाली। जीवन की शुरुआत संघर्ष से हुई, लेकिन इलिए ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध भी देखा और कई ऐतिहासिक घटनाओं के गवाह बने।

लंबी उम्र के वैज्ञानिक कारण

वैज्ञानिकों का कहना है कि लंबी उम्र के पीछे आनुवंशिक कारण, स्वस्थ भोजन, सक्रिय जीवनशैली और सकारात्मक मानसिकता होती है। इलिए का केस भी इसी को प्रमाणित करता है। उन्होंने कभी सिगरेट या शराब नहीं छुई और सादा जीवन जिया।

113 साल की उम्र में भी रहे सक्रिय

इलिए 100 साल पार करने के बाद भी काफी सक्रिय रहते थे। वे गांव के लोगों से मिलते, सलाह देते और अपनी कहानियां सुनाते थे। उनके अनुसार, 'जिंदगी में गुस्सा मत करो, मेहनत करो और ईश्वर पर भरोसा रखो।' उनकी ये सीख आज भी युवाओं को प्रेरित करती है। दुनिया के कई देशों से उनके निधन पर शोक व्यक्त किया जा रहा है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और अन्य संगठनों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी. वे दुनिया के सबसे उम्रदराज लोगों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर थे। अब उनके बाद नया नाम इस लिस्ट में शामिल होगा। रोमानिया सरकार ने इलिए को कई बार सम्मानित किया था। वे अपने गांव में लोकप्रिय थे। गांव वाले उन्हें प्यार से 'दादाजी' कहकर बुलाते थे।

सकारात्मक सोच और प्रकृति के करीब

इलिए लंबी उम्र का राज बताने के लिए मशहूर थे। कई लोग उनसे मिलने आते थे और उनकी लाइफ के अनुभव सुनते थे। उन्होंने कहा था कि लंबी जिंदगी का राज सादगी, मेहनत, सकारात्मक सोच और प्रकृति के करीब रहने में है। वे रोजाना हल्का व्यायाम करते थे, मौसमी भोजन खाते थे और कभी तनाव नहीं लेते थे। उनकी ये बातें सोशल मीडिया और समाचारों में खूब चर्चित रहती थीं। उनकी मौत पर रोमानिया और पूरे यूरोप में मातम का माहौल है। राष्ट्रपति और अन्य प्रमुख नेताओं ने शोक संदेश दिया है। उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध का अंतिम वयोवृद्ध भी माना जाता था। उनकी जिंदगी 20वीं सदी के लगभग पूरे इतिहास को समेटे हुए थी।

सुर्खियां — नाइजीरिया में मचा हंगामा

पढ़ने-खेलने की उम्र में बना दमदार पॉलिटिशियन

अबूजा। राजनीति में अक्सर बड़े-बड़े वादे, तीखे भाषण और विवाद सुर्खियां बटोरते हैं, लेकिन कभी-कभी ऐसे चौंकाने वाले मामले सामने आ जाते हैं जो पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर देते हैं। सोचिए, अगर कोई शख्स अपनी उम्र छुपाकर चुनावी मैदान में उतर जाए और खुद को बड़ा नेता साबित करने की कोशिश करे, तो क्या होगा? ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला नाइजीरिया से सामने आया, जिसने लोगों को दंग कर दिया।

यह कहानी है महमूद सादिस बाबा की, जिन्हें लोग 'अबीन अल-जाजौ'के नाम से भी जानते हैं। वह नाइजीरिया की सत्ताधारी पार्टी ऑल प्रोग्रेसिव्स कांग्रेस से जुड़े थे और अपनी लोकप्रियता के कारण द वंडर ऑफ जारिया कहे जाते थे। अचानक उनकी चर्चा तब तेज हो गई, जब चुनावी स्क्रीनिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में उनका कद-काठी और चेहरा किसी बच्चे जैसा नजर आ रहा था, लेकिन आत्मविश्वास किसी अनुभवी नेता जैसा था।

महमूद ने अंततः पीछे हटने का फैसला किया

विवाद बढ़ने पर महमूद ने भी अंततः पीछे हटने का फैसला किया। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को एक भावुक पत्र लिखकर चुनावी दौड़ से हटने की घोषणा कर दी। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद उन्होंने यह कदम उठाया है। इस तरह एक ऐसे युवक का सपना अधूरा रह गया, जो खुद को देश की राजनीति में स्थापित करना चाहता था। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने यह जरूर दिखा दिया कि राजनीति में सच कितनी जल्दी सामने आ सकता है, और झूठ ज्यादा देर तक छुप नहीं सकता।

सोशल मीडिया पर सामने आने लगे दस्तावेज

लेकिन, यह कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। कुछ ही समय बाद सोशल मीडिया पर उनके दस्तावेज सामने आने लगे, जिन्होंने पूरे मामले की सच्चाई उजागर कर दी। पासपोर्ट, नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर, जन्म प्रमाण पत्र और स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार, महमूद का जन्म 1995 नहीं, बल्कि 2010 में हुआ था। यानी उनकी असली उम्र महज 15 या 16 साल थी, जो चुनाव लड़ने की न्यूनतम कानूनी उम्र से काफी कम है। शुरुआत में उनकी पार्टी एपीसी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और इसे साजिश बताया। लेकिन, जैसे-जैसे पुख्ता सबूत सामने आते गए, पार्टी की स्थिति कमजोर पड़ती गई। आखिरकार सच सामने आने के बाद पार्टी ने उन्हें चुनाव के लिए अयोग्य घोषित कर दिया।

जहरीला पक्षी! जिसे छूने से ही जा सकती है जान

- देखते ही दूर भागने लगते है इंसान

पोर्ट मोरेस्बी। दुनिया में जहरीले जीवों की बात हो तो लोगों के दिमाग में सबसे पहले सांप, मकड़ी या बिच्छू का नाम आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा पक्षी भी मौजूद है, जिसे छूना इंसानों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है? इस अनोखे और बेहद जहरीले पक्षी का नाम है हूडेड पिटोहुई। यह पक्षी मुख्य रूप से न्यू गिनी के जंगलों में पाया जाता है और इसे दुनिया का सबसे विषैला पक्षी माना जाता है।

इस पक्षी की खोज 1980 के दशक में वैज्ञानिक जैक डंबाचर ने की थी। वे न्यू गिनी में फील्डवर्क कर रहे थे, तभी उन्होंने पहली बार इस पक्षी को पकड़ा। पक्षी को छूने के कुछ ही देर बाद उन्हें अपने हाथों, आंखों और मुंह में तेज जलन, झुनझुनी और सुन्नपन महसूस होने लगा। शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों हो रहा है, लेकिन बाद में जांच में पता चला कि इस पक्षी की त्वचा और पंख जहरीले होते हैं।

रिसर्च में हुआ खुलासा

साल 1992 में प्रकाशित एक रिसर्च में डंबाचर और उनकी टीम ने खुलासा किया कि हूडेड पिटोहुई के शरीर में बैट्राकोटॉक्सिन नाम का खतरनाक जहर पाया जाता है। यही जहर कुछ बेहद जहरीले मेंढकों में भी मिलता है। यह टॉक्सिन पक्षी को शिकारियों और परजीवियों से बचाने में मदद करता है। अगर कोई शिकारी इसे खाने की कोशिश करे, तो उसे गंभीर नुकसान हो सकता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह पक्षी खुद अपने शरीर में जहर नहीं बनाता. वैज्ञानिकों के अनुसार, हूडेड पिटोहुई अपनी डाइट से यह जहर हासिल करता है। यह मेलिरिड बीटल्स नाम के जहरीले कीड़ों को खाता है, जिनमें बैट्राकोटॉक्सिन मौजूद होता है। बाद में यही जहर पक्षी की त्वचा और पंखों में जमा हो जाता है।

लोग इस पक्षी से दूरी बनाकर रखते हैं

इस पक्षी के चमकीले काले और नारंगी रंग भी खास मकसद पूरा करते हैं। इसे अपोसेमेटिज्म कहा जाता है, यानी ऐसा रंग जो दूसरे जीवों को चेतावनी देता है कि यह खतरनाक हो सकता है। यही वजह है कि न्यू गिनी के स्थानीय लोग इस पक्षी से दूरी बनाकर रखते हैं। वहां के लोग इसे रबिश बर्ड यानी बेकार पक्षी भी कहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनिया में ऐसे पक्षी बेहद कम हैं, जो आत्मरक्षा के लिए जहर का इस्तेमाल करते हैं।

चेहरे की चर्बी घटायें

चेहरे की झुर्रियां व चर्बी का वेजर द्वारा ईलाज
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com